लाल–किताब जीवन चक्र

Name - Sample

Date - 18/12/1973 **Time - 01:45:00**

POB - Ballia (up), INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

MindSutra Software Technologies

www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

Contact - 9818193410, 9350247058

© Mindsutra's StarLight Premium 11

श्री गणेशाय नमः

नवग्रह स्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्पेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्रीपुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

लिंग	पुरूष
जन्म दिनांक	18 दिसम्बर 1973
जन्म समय	01:45:00
जन्म दिन	मंगलवार
जन्म स्थान	Ballia (up)
राज्य	
देश	INDIA
अक्षांश	025:45:00 N
रेखांश	084:10:00 E
स्थानीय समय संस्कार	00:06:40 hrs
स्थानीय समय	01:51:40 hrs
समय क्षेत्र	05:30 E
समय संशोधन	00:00:00
सांपातिक काल	07:36:55 hrs
इष्ट काल	47: 52: 16 Ghati

पंचांग विवरण

विक्रम संवत	2030
शक संवत	1895
संवत्सर	प्रमादी
ऋतु	हेमन्त
मास	पौष
पक्ष	कृष्ण
वार	सोमवार
तिथि	नवमी
नक्षत्र (पद)	हस्ता (2)
योग	सौभाग्य
करन	गरिज

अवकहड़ा चक्र

पाया	स्वर्ण
वर्ण	वैश्य
वश्य	द्विपद
योनि	महिष (स्त्री)
गण	देव
नाड़ी	आदि
रज्जु	कंठ
तत्व	अग्नि
तत्वाधिपति	मंगल
विहग	वायस
नाड़ी पद	मध्य
वेध	शतभिषा
आद्याक्षर	श
दशा बैलेंस	चन्द्रमा – 5व05मा026दि0
वर्तमान दशा	शनि–बुध–बुध
भयात	27: 30: 35 Ghati
भभोग	61: 31: 25 Ghati
सूर्य राशि (वैदिक)	धनु
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	धनु
अयनांश	N.C.Lahiri
अयनांश मान	023:29:36
देकानेट	3
फेस	VI
सूर्योदय	06:36:32AM
सूर्यास्त	05:03:05PM
जन्मदिन का ग्रह	चन्द्रमा
जन्मसमय का ग्रह	शनि

लग्न
कन्या

राशि
कन्या

नक्षत्र – पद
हस्ता – 2

लग्नाधिपति
बुध

राशिपति
बुध

नक्षत्रपति
चन्द्रमा

घात चक्र

भद्रा अशुभ मास	शनिवार अशुभ वार	1 अशुभ प्रहर
मिथुन अशुभ राशि	मीन अशुभ लग्न	5, 10, 15 अशुभ तिथि
श्रावण अशुभ नक्षत्र	सुकर्मन अशुभ योग	कौलव अशुभ करन

शुभ बिन्दु

9 मूलांक	5 भाग्यांक	3, 9 मित्रांक
2, 4 शत्रु अंक	18, 21, 23, 27, 30, 32, 36, 39 शुभ वर्ष	बुधवार, शुक्रवार शुभ दिन
बुध, शुक्र शुभ ग्रह	मंगल, गुरू अशुभ ग्रह	धनु, मीन, वृष, कर्क मित्र राशि
धनु, मीन, वृष, कर्क मित्र लग्न	पन्ना शुभ रत्न	पन्नी, संगपन्ना, मरगज शुभ उपरत्न
हीरा भाग्य रत्न	गणेश अनुकूल देवता	कांसा शुभ धातु
हरित शुभ रंग	उत्तर दिशा	सूर्योदय के 2 घंटे बाद शुभ समय
शक्कर, हाथीदांत, कपूरस शुभ पदार्थ	मूंग (साबुत) शुभ अन्न	घी शुभ द्रव्य

ग्रह स्थिति (पराशरी)

सूर्य	धनु	02:15:49	मूला (1)	सम राशि
चन्द्रमा	कन्या	16:00:57	हस्ता (2)	मित्र राशि
मंगल	मेष	04:42:18	अश्विनी (2)	स्व नक्षत्र
बुध (अ.)	वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (1)	स्व राशि
गुरू	मकर	17:56:39	श्रवण (3)	स्व नक्षत्र
शुक्र	मकर	13:00:16	श्रवण (1)	नीच राशि
शनि (व.)	मिथुन	08:12:33	अरिद्रा (1)	मित्र राशि
राहु	धनु	05:10:35	मूला (2)	मित्र राशि
केतु	मिथुन	05:10:35	मृगशिर (4)	सम राशि
हर्षल	तुला	03:20:59	चित्रा (4)	सम राशि
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20:41	अनुराधा (4)	सम राशि
प्लूटो	कन्या	13:11:14	हस्ता (1)	सम राशि
लग्न	कन्या	28:15:29	चित्रा (2)	---------
10वां कस्प	मिथुन	28:56:27	पुनर्वसु (3)	---------

ग्रह स्थिति (पराशरी)

ग्रह		व/अ	राशि		अंश	नक्षत्र	पद	कारक	विशेष
AC	लग्न		♍	कन्या	28:15:29	चित्रा (14)	2		
☉	सूर्य		♐	धनु	02:15:49	मूला (19)	1	दारा	मित्र राशि
☽	चन्द्रमा		♍	कन्या	16:00:57	हस्ता (13)	2	भ्रात्रि	स्व नक्षत्र
♂	मंगल		♈	मेष	04:42:18	अश्विनी (1)	2	ज्ञाति	स्व राशि
☿	बुध	अ.	♏	वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (18)	1	आत्म	स्व नक्षत्र
♃	गुरू		♑	मकर	17:56:39	श्रवण (22)	3	अमात्य	नीच राशि
♀	शुक्र		♑	मकर	13:00:16	श्रवण (22)	1	मात्रि	मित्र राशि
♄	शनि	व.	♊	मिथुन	08:12:33	अरिद्रा (6)	1	अपत्या	मित्र राशि
☊	राहु		♐	धनु	05:10:35	मूला (19)	2		सम राशि
☋	केतु		♊	मिथुन	05:10:35	मृगशिर (5)	4		सम राशि
♅	हर्षल		♎	तुला	03:20:59	चित्रा (14)	4		सम राशि
♆	नेपच्यून		♏	वृश्चिक	14:20:41	अनुराधा (17)	4		सम राशि
♇	प्लूटो		♍	कन्या	13:11:14	हस्ता (13)	1		सम राशि

नोट : – (व.) – वक्री, (अ.) – अस्त

लग्न कुण्डली

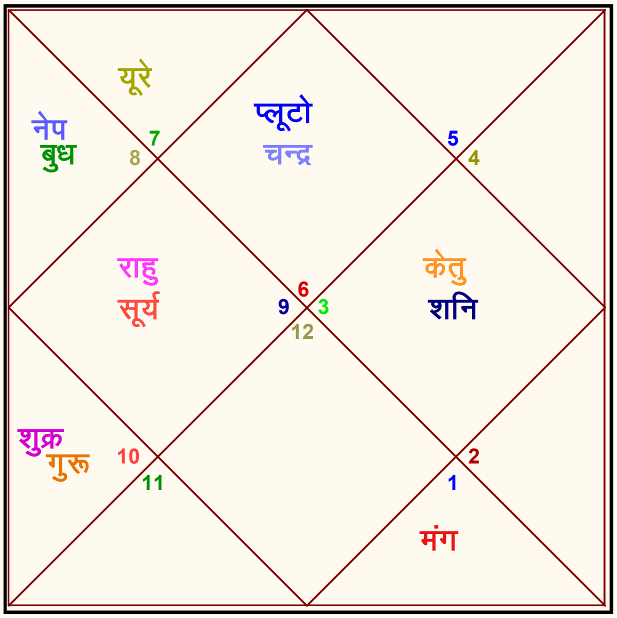

नवांश कुण्डली

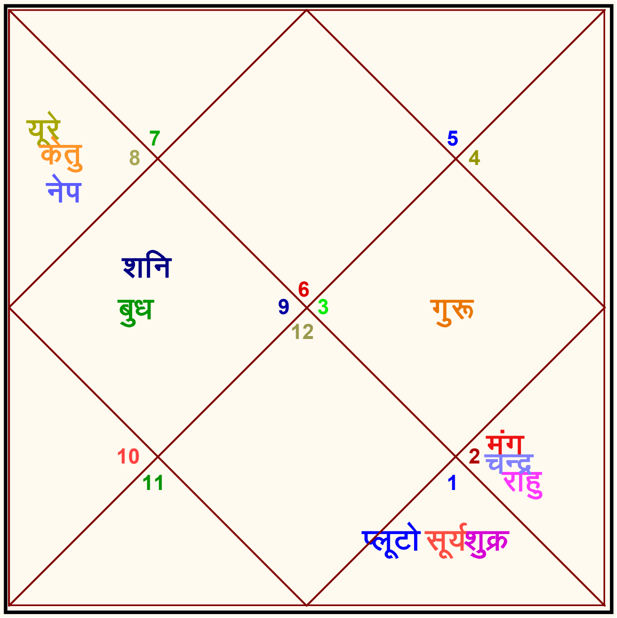

लाल किताब में ग्रह

सूर्य

भाव न. 4, स्वयं का ऋण, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू), बिलमुकाबिल (चन्द्रमा, गुरू)

चन्द्रमा

भाव न. 1, जन्मदिन का, शुभ भाव में, साथी (सूर्य)

मंगल

भाव न. 8, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, अशुभ भाव में

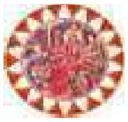

बुध

भाव न. 3, स्वभाव (राहु), किस्मत का, अपने घर का, भाग्योदय का, अशुभ भाव में, साथी (सूर्य,राहु)

गुरू

भाव न. 5, ग्रहफल, पक्के घर का, पितृ ऋण, मित्र के घर में, शुभ भाव में

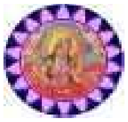

शुक्र

भाव न. 5, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में

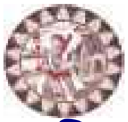

शनि

भाव न. 10, बद स्वभाव, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, जन्मसमय का, भाग्योदय का, शुभ भाव में, बिलमुकाबिल (राहु)

राहु

भाव न. 4, धर्मी, अशुभ भाव में

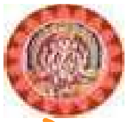

केतु

भाव न. 10, राशिफल, शुभ भाव में

ग्रह स्थिति (लाल किताब)

लाल किताब टेवा

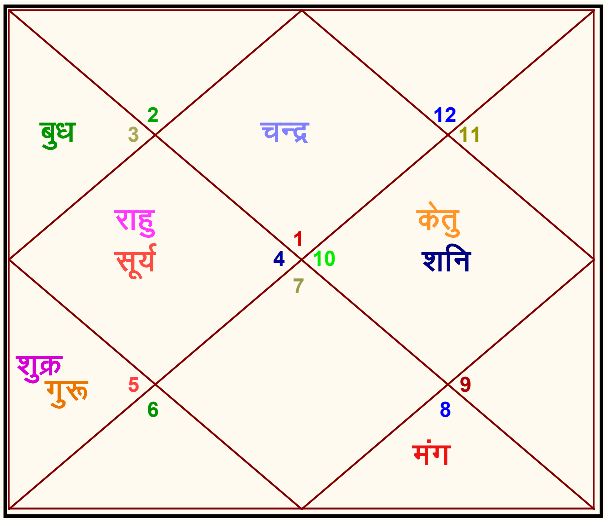

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

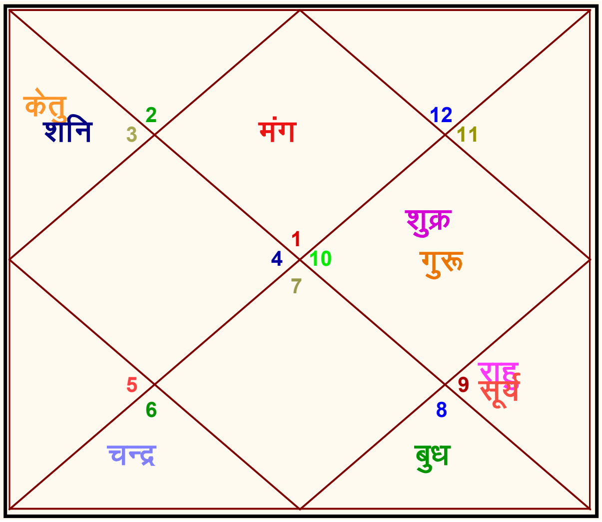

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), मंगल (बद), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), राहु (नीच), औलाद जिंदा रखने का मालिक
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी

ग्रह दृष्टि (लाल किताब)

ग्रह	मुख्य	मददगार	टकराव	बुनियाद	दुश्मन	साझी दिवार	अचानक चोट
सूर्य	शनि(100), केतु(100)	मंग.			चन्द्र	गुरू, शुक्र	
चन्द्रमा		गुरू, शुक्र	मंग.		शनि, केतु	सूर्य, राहु	बुध
मंगल (बद)			बुध	सूर्य, राहु	गुरू, शुक्र		शनि, केतु
बुध			शनि, केतु			सूर्य, राहु	चन्द्र, गुरू, शुक्र
गुरू				चन्द्र			बुध
शुक्र				चन्द्र			बुध
शनि			गुरू, शुक्र			चन्द्र	मंग.
राहु	शनि(100), केतु(100)	मंग.			चन्द्र	गुरू, शुक्र	
केतु			गुरू, शुक्र			चन्द्र	मंग.

षोडश वर्ग कुण्डली

जन्म/लग्न कुण्डली (डी 1)

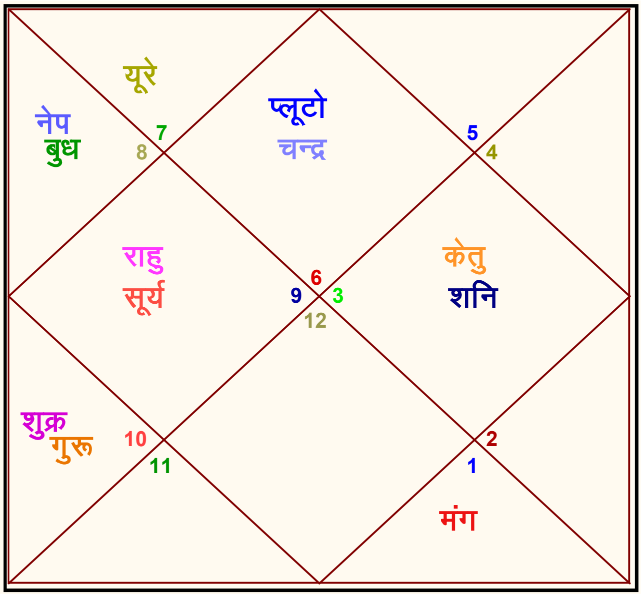

जन्मकुण्डली या लग्न कुण्डली एक व्यक्ति के जीवन की एक विस्तृत तस्वीर है। यह 12 घरों में विभाजित है जो जीवन के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, प्रत्येक घर एक अलग राशि और ग्रह द्वारा नियंत्रित होता है। विभिन्न घरों में ग्रहों और राशियों के स्थान और परस्पर क्रिया का मूल्यांकन करके, कुण्डली किसी के व्यक्तित्व, रिश्तों, नौकरी, धन और सामान्य जीवन पथ में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

होरा कुण्डली (डी 2)

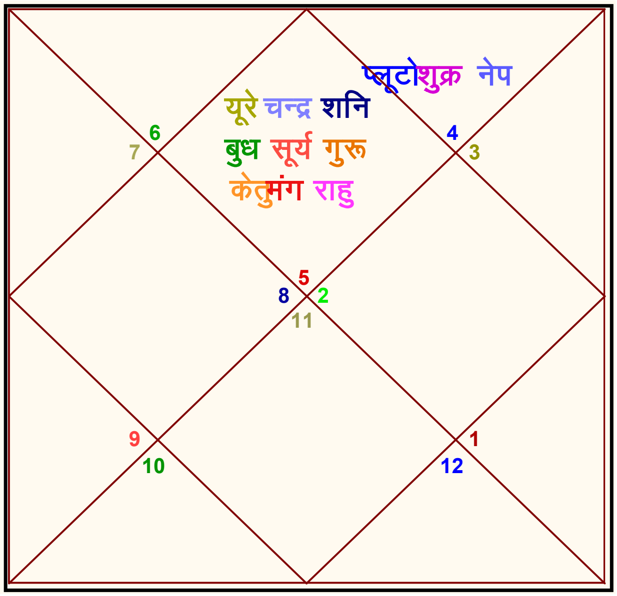

होरा कुण्डली मुख्य जन्म कुण्डली से निर्मित एक विभागीय कुण्डली है जिसका उपयोग समृद्धि और वित्तीय संभावनाओं को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। यह जन्म कुंडली में प्रत्येक राशि को आधे में विभाजित करता है, जिसमें सूर्य पहले अर्द्ध भाग पर शासन करता है और चंद्रमा दूसरे पर शासन करता है। ज्योतिषी ग्रहों की स्थिति और होरा कुण्डली के भीतर उनके संबंध या संयोजन का मूल्यांकन करके जीवन भर धन और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए किसी व्यक्ति की क्षमता का अनुमान लगा सकते हैं।

द्रेष्काण कुण्डली (डी 3)

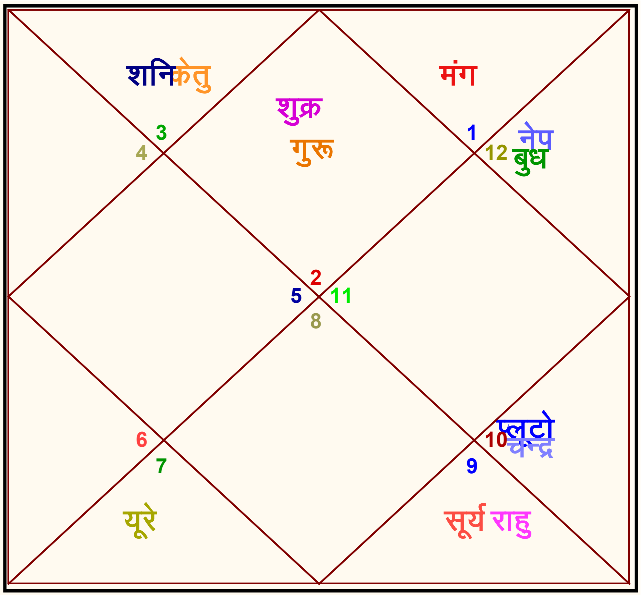

द्रेक्कन कुण्डली, प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 3 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक 10 डिग्री माप का होता है। इस कुण्डली का उपयोग किसी के जीवन पर उसके भाई–बहनों, चचेरे भाई–बहनों और अन्य करीबी रिश्तेदारों के प्रभाव का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति की संचार क्षमता, छोटी यात्रा और साहस पर अंतर्दृष्टि भी देता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन क्षेत्रों का अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

चतुर्थांश कुण्डली (डी 4)

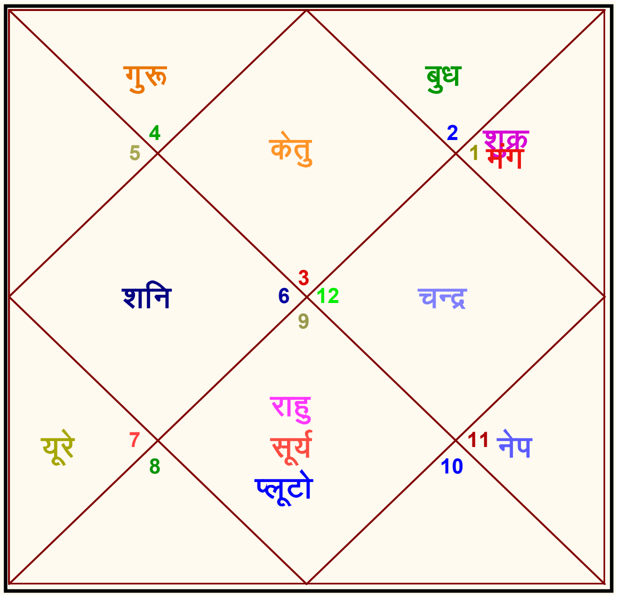

चतुर्थांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 4 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक 7.5 डिग्री तक फैला हुआ है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के घर, जमीन और ऑटोमोबाइल के संबंध में उसकी खुशी, संपत्ति और भाग्य का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति की सुरक्षा, भावनात्मक कल्याण, और उनकी मां या मातृभाषा के साथ संबंध में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन क्षेत्रों के बारे में बेहतर ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करता है।

षोडश वर्ग कुण्डली

सप्तमांश कुण्डली (डी 7)

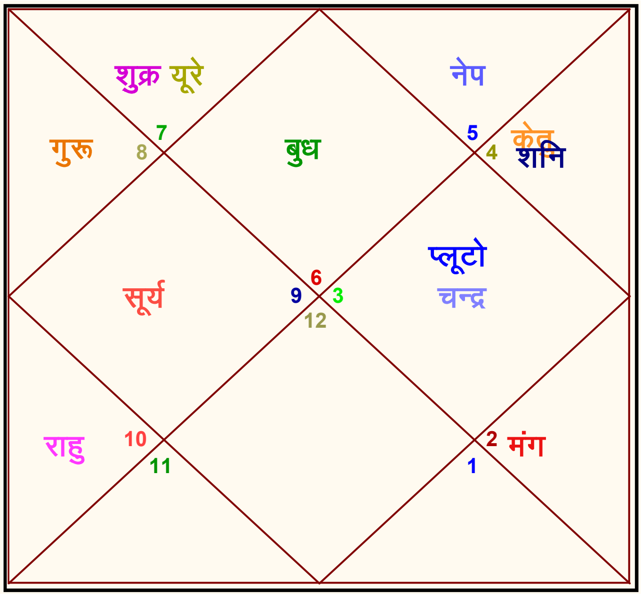

सप्तांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो मुख्य जन्म कुण्डली के प्रत्येक चिन्ह को 7 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप लगभग 4.29 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग सामान्यतः किसी व्यक्ति के जीवन में संतान, प्रजनन क्षमता और प्रसव से संबंधित मुद्दों का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और बच्चों से उत्पन्न होने वाले सामान्य आनंद के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, साथ ही साथ किसी व्यक्ति के बच्चों की संख्या के बारे में अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है।

नवांश कुण्डली (डी 9)

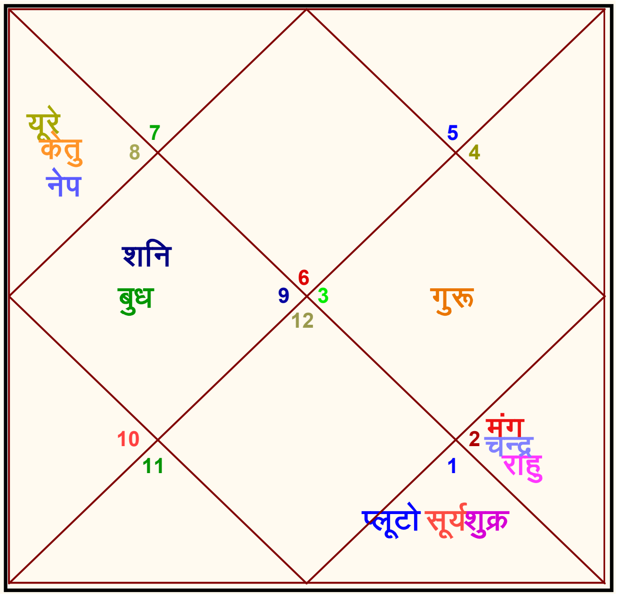

नवांश कुण्डली वैदिक ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण संभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 9 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 3.20 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर ग्रहों की ताकत और कमजोरियों, वैवाहिक जीवन की गुणवत्ता और किसी के जीवनसाथी की प्रकृति का निर्धारण करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास और आकांक्षाओं की पूर्ति में गहरी अंतर्दृष्टि भी देता है, जिससे ज्योतिषियों के लिए व्यक्ति के जीवन के कई क्षेत्रों को समझने में यह एक महत्वपूर्ण उपकरण बन जाता है।

दशमांश कुण्डली (डी 10)

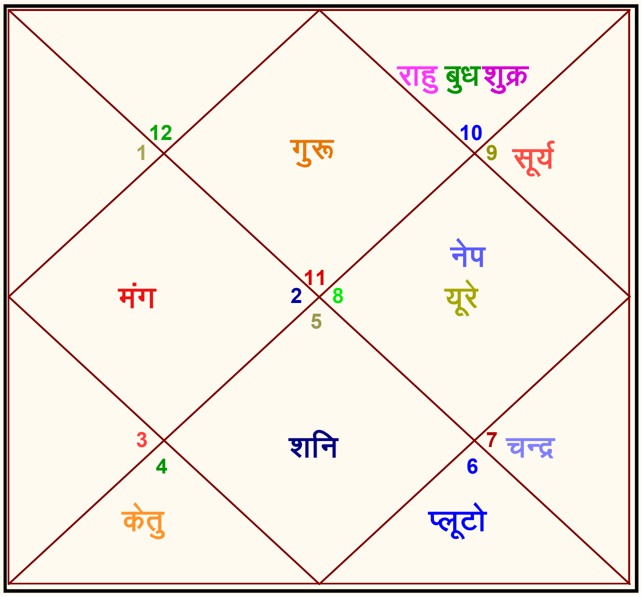

दशमांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 10 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 3 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग अधिकांशतः किसी व्यक्ति के करियर, पेशे और समग्र व्यावसायिक उपलब्धि का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को पेशेवर प्रगति और सफलता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ–साथ सर्वोत्तम कार्य मार्ग, संभावित उन्नति और कार्यस्थल की बाधाओं के बारे में जानकारी देता है।

द्वादशांश कुण्डली (डी 12)

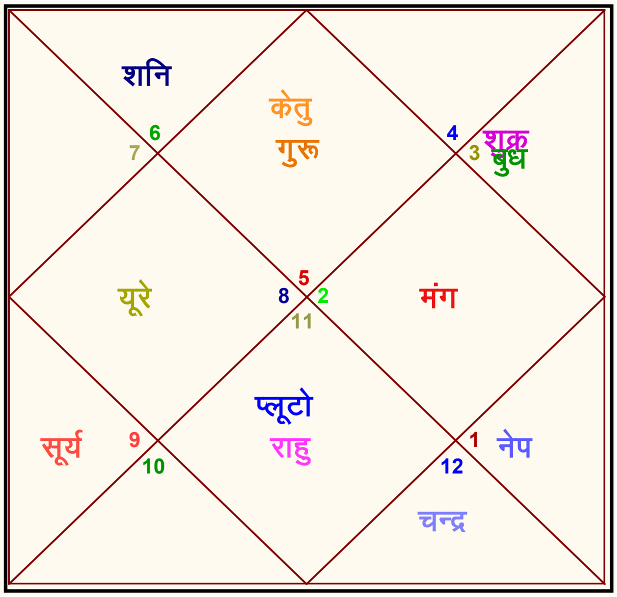

द्वादशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 12 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 2.5 डिग्री में मापता है। इस कुण्डली का उपयोग आम तौर पर किसी व्यक्ति के माता–पिता, पूर्वजों और पारिवारिक वंश के मुद्दों की जांच करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति के माता–पिता, विरासत और पारिवारिक कर्म के साथ एक व्यक्ति के संबंध को प्रकट करता है, ज्योतिषियों को एक व्यक्ति के जीवन के इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

षोडशांश कुण्डली (डी 16)

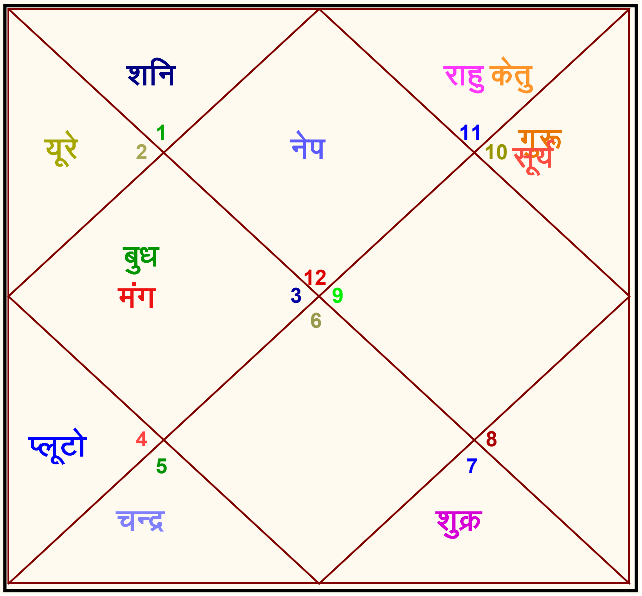

षोडशांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 16 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 1.875 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के ऑटोमोबाइल, आराम और विलासिता की विशेषताओं की जांच करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति की वाहन, अचल संपत्ति, और अन्य वस्तुओं को हासिल करने और बनाए रखने की क्षमता को प्रकट करता है जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के अस्तित्व के इन विशिष्ट पहलुओं को समझने में सहायता मिलती है।

विशांश कुण्डली (डी 20)

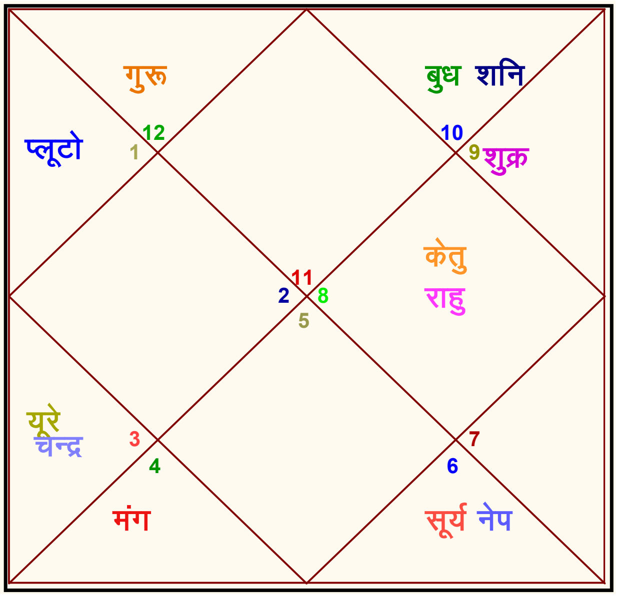

विशांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 20 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 1.5 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास, धार्मिक प्राथमिकताओं और अधिक ज्ञान की खोज का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के अंतर्रात्मा, आध्यात्मिक क्षमता और उनके जीवन में धर्म और आध्यात्मिकता के महत्व के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन तत्वों का पता लगाने में सहायता मिलती है।

चर्तुविंशांश कुण्डली (डी 24)

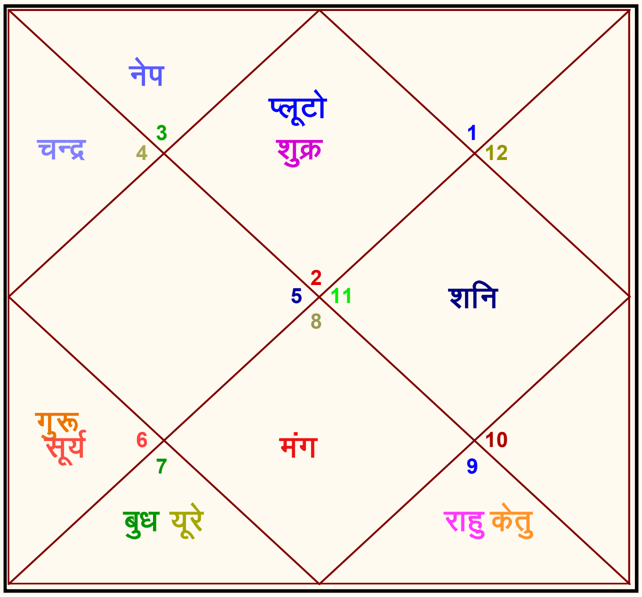

चर्तुविंशांश कुण्डली एक विभाजन कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 24 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक की माप 1.25 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग आमतौर पर किसी व्यक्ति की शिक्षा, प्रतिभा और सीखने की क्षमता का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह कुछ विषयों, विशेषज्ञता के क्षेत्रों और शैक्षिक उपलब्धि के लिए एक व्यक्ति की योग्यता को प्रकट करता है, ज्योतिषियों को अकादमिक उन्नति प्राप्त करने और बौद्धिक क्षमता तक पहुंचने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने की अनुमति देता है।

सप्तविंशांश कुण्डली (डी 27)

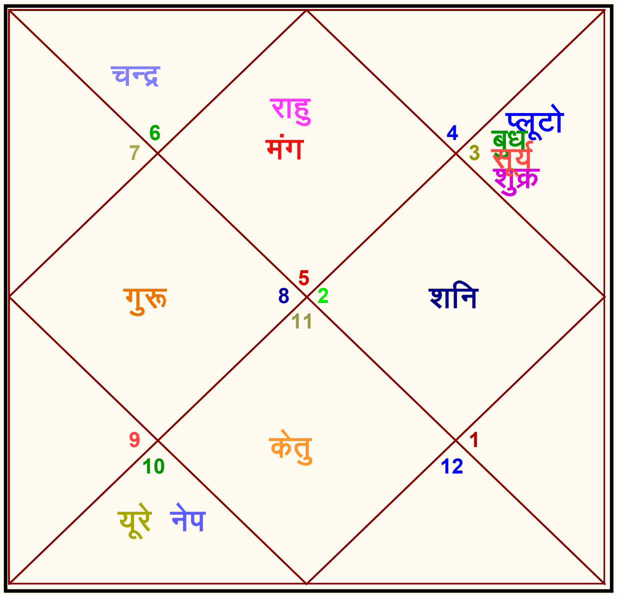

सप्तविंशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 27 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 1.11 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग मुख्य रूप से किसी व्यक्ति के नक्षत्रों या चंद्र राशियों की ताकत और उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को व्यक्ति के स्वभाव, आचरण और अंतर्निहित नक्षत्रों से प्रभावित जीवन की घटनाओं के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करके व्यक्ति के भाग्य और आध्यात्मिक झुकाव के बारे में बेहतर ज्ञान देता है।

त्रिंशांश कुण्डली (डी 30)

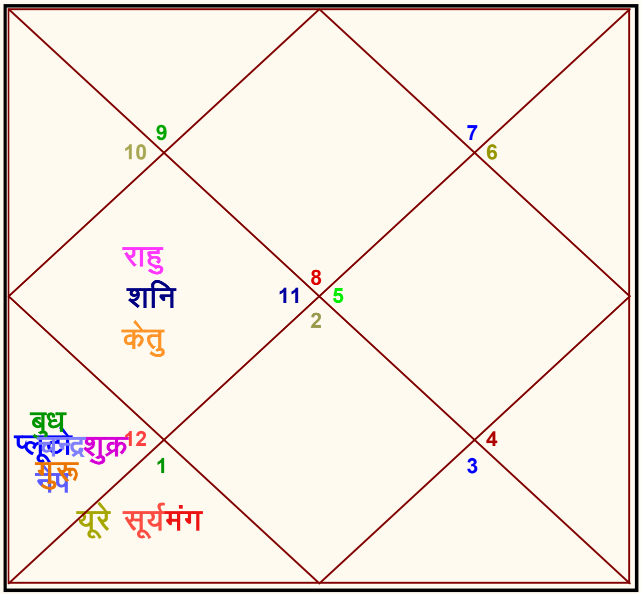

त्रिशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 30 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को एक डिग्री में मापता है। इस कुण्डली का उपयोग ज्यादातर उन कई कठिनाइयों और आपदाओं का आकलन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यक्ति अपने जीवन के दौरान अनुभव कर सकता है। यह एक व्यक्ति की छिपी ताकत, कमजोरियों और उनकी कठिनाइयों के स्रोत को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को बाधाओं पर काबू पाने और जीवन के कई पहलुओं में कठिनाइयों का सामना करने हेतु मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

खवेदांश कुण्डली (डी 40)

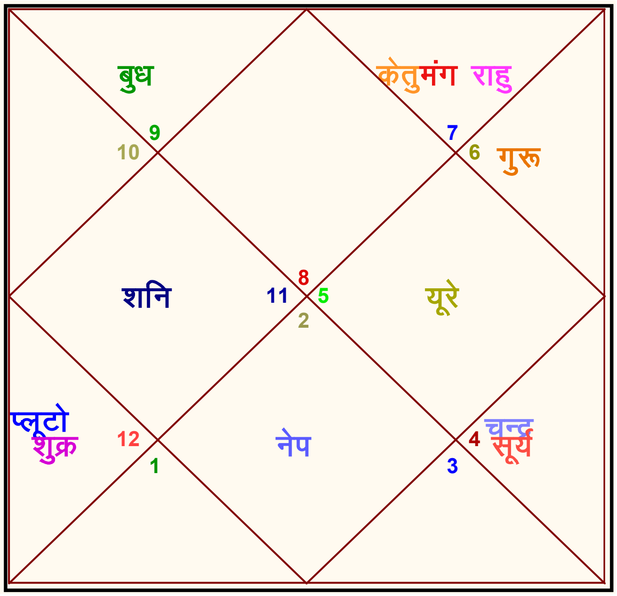

खवेदांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 40 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 0.75 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग आम तौर पर किसी व्यक्ति की समग्र भलाई और शुभता की गहरी समझ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के साथ–साथ उनके समग्र सुख और समृद्धि के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जिससे ज्योतिषियों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और एक सामंजस्यपूर्ण जीवन शैली प्राप्त करने के बारे में सलाह देने की अनुमति मिलती है।

अक्षवेदांश कुण्डली (डी 45)

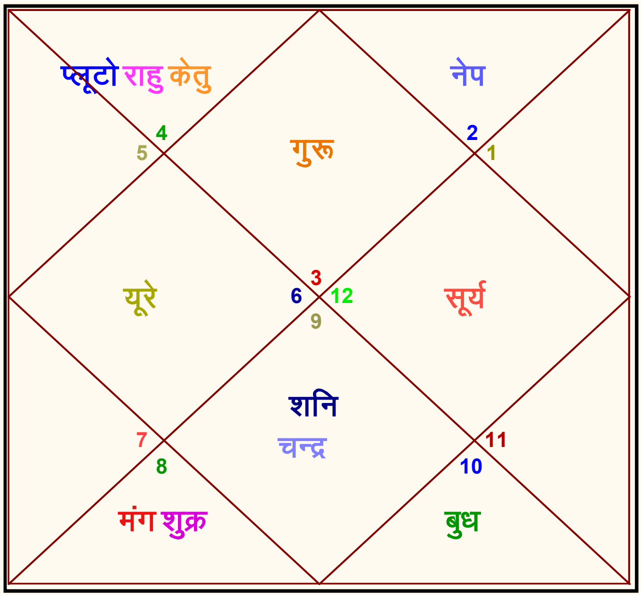

अक्षवेदांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 45 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 0.67 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग अधिकांशतः किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह एक व्यक्ति की प्रा.तिक आध्यात्मिक क्षमता, दैवीय आशीर्वाद और आध्यात्मिक विकास स्तर को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को आध्यात्मिक विकास में उन्नति और जागरूकता के उच्च स्तर की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

षष्ठांश कुण्डली (डी 60)

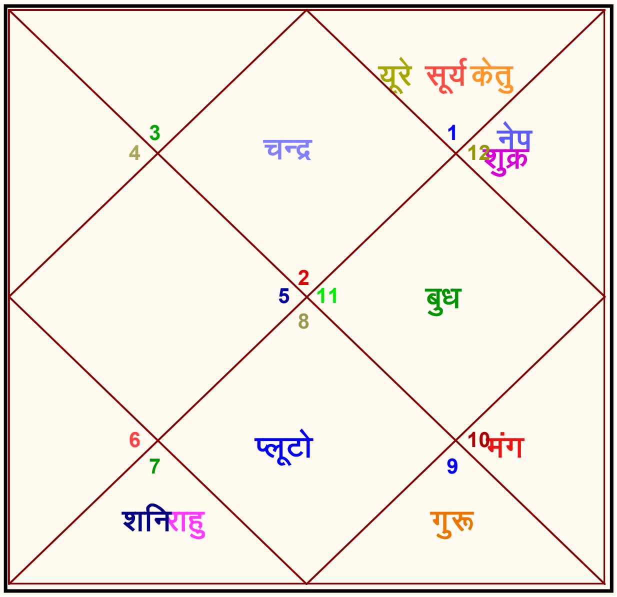

षष्ठांश कुण्डली, एक विभाजन कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 60 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 0.5 डिग्री मापता है। यह कुण्डली अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से किसी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करने वाले सबसे गहरे कर्म प्रभावों को प्रकट करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति के पूर्व जीवन के कर्मों, अव्यक्त झुकावों और उनकी गतिविधियों के सूक्ष्म प्रभावों को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को कर्म असंतुलन को ठीक करने और अत्यधिक संतोषप्रद जीवन जीने का मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

षडबल और भावबल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उच्च बल	17.42	15.66	37.77	38.38	04.31	35.33	16.07
सप्त वर्ग बल	135.00	93.75	157.50	131.25	110.63	110.63	65.63
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00
केन्द्रादी बल	60.00	60.00	30.00	15.00	30.00	30.00	60.00
द्रेक्कन बल	15.00	00.00	15.00	15.00	00.00	00.00	00.00
स्थान बल	**257.42**	**199.41**	**255.27**	**214.63**	**159.94**	**190.96**	**171.69**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	156.01	149.93	265.90	130.08	96.93	143.58	178.85
दिग बल	**08.89**	**25.69**	**31.92**	**42.80**	**23.44**	**55.31**	**36.68**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	25.41	51.38	106.40	122.29	66.97	110.62	122.28
नतोन्नत बल	09.58	50.42	50.42	09.58	00.00	09.58	50.42
पक्ष बल	34.58	25.42	34.58	25.42	25.42	25.42	34.58
त्रिभाग बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00	00.00	00.00
होरा बल	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	00.30	34.23	43.09	57.64	07.83	06.24	00.12
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**104.47**	**110.06**	**173.09**	**122.64**	**93.25**	**101.24**	**100.12**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	93.28	110.06	258.35	109.50	83.26	101.24	149.44
चेष्टा बल	**00.30**	**25.42**	**07.50**	**30.00**	**45.00**	**45.00**	**60.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	00.60	84.72	18.75	60.00	90.00	150.00	150.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**-31.39**	**-02.62**	**-10.34**	**-23.64**	**-17.60**	**-19.69**	**00.23**
कुल षड्बल	**399.69**	**409.39**	**474.58**	**412.14**	**338.31**	**415.68**	**377.30**
षड्बल (रूप में)	**6.66**	**6.82**	**7.91**	**6.87**	**5.64**	**6.93**	**6.29**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	102.48	113.72	158.19	98.13	86.75	125.96	125.77
तुलनात्मक स्थिति	**5**	**4**	**1**	**3**	**7**	**2**	**6**
इष्ट फल	**04.96**	**19.95**	**16.83**	**33.93**	**13.93**	**39.88**	**31.05**
कष्ट फल	**55.04**	**40.05**	**43.17**	**26.07**	**46.07**	**20.12**	**28.95**
दिप्ति बल	**100.00**	**25.42**	**40.81**	**26.59**	**15.23**	**52.01**	**58.02**

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं
भावाधिपति बल	412.14	415.68	474.58	338.31	377.30	377.30	338.31	474.58	415.68	412.14	409.39	399.69
भाव दिग्बल	60.00	50.00	20.00	00.00	50.00	10.00	30.00	40.00	50.00	30.00	10.00	40.00
भाव दृष्टिबल	-09.32	26.29	-27.68	-21.62	-14.73	-13.15	-22.75	24.81	-23.33	-07.66	-09.70	-01.82
भावबल योग	**462.82**	**491.97**	**466.91**	**316.69**	**412.57**	**374.15**	**345.57**	**539.39**	**442.35**	**434.49**	**409.69**	**437.87**
भावबल (रूप में)	**7.71**	**8.20**	**7.78**	**5.28**	**6.88**	**6.24**	**5.76**	**8.99**	**7.37**	**7.24**	**6.83**	**7.30**
तुलनात्मक स्थिति	**4**	**2**	**3**	**12**	**8**	**10**	**11**	**1**	**5**	**7**	**9**	**6**

विंशोत्तरी दशा (1)

Moon (5 y.5 m.26 d.)
दशा बैलेंश

N.C.Lahiri (023:29:36)
अयनांश

चन्द्रमा (10 वर्ष)

18/12/1973 To 14/06/1979

1st भाव	कन्या राशि	सम संबंन्ध
स्वनक्षत्र विशेष	हस्ता (2) नक्षत्र	11 भावपति
चन्द्रमा	-------	-------
मंगल	-------	-------
राहु	-------	-------
गुरू	-------	-------
शनि	14-04-1975	00.00
बुध	13-09-1976	01.32
केतु	14-04-1977	02.74
शुक्र	13-12-1978	03.32
सूर्य	14-06-1979	04.99

मंगल (7 वर्ष)

14/06/1979 To 14/06/1986

8th भाव	मेष राशि	मित्र संबंन्ध
स्वराशि विशेष	अश्वि. (2) नक्षत्र	8 , 3 भावपति
मंगल	10-11-1979	05.49
राहु	28-11-1980	05.90
गुरू	04-11-1981	06.95
शनि	13-12-1982	07.88
बुध	10-12-1983	08.99
केतु	08-05-1984	09.98
शुक्र	08-07-1985	10.39
सूर्य	13-11-1985	11.55
चन्द्रमा	14-06-1986	11.90

राहु (18 वर्ष)

14/06/1986 To 13/06/2004

4th भाव	धनु राशि	सम संबंन्ध
वक्री विशेष	मूला (2) नक्षत्र	 भावपति
राहु	24-02-1989	12.49
गुरू	20-07-1991	15.19
शनि	26-05-1994	17.59
बुध	13-12-1996	20.44
केतु	31-12-1997	22.99
शुक्र	31-12-2000	24.04
सूर्य	25-11-2001	27.04
चन्द्रमा	26-05-2003	27.94
मंगल	13-06-2004	29.44

गुरू (16 वर्ष)

13/06/2004 To 13/06/2020

5th भाव	मकर राशि	सम संबंन्ध
नीच विशेष	श्रव. (3) नक्षत्र	4 , 7 भावपति
गुरू	01-08-2006	30.49
शनि	12-02-2009	32.62
बुध	20-05-2011	35.15
केतु	25-04-2012	37.42
शुक्र	25-12-2014	38.35
सूर्य	13-10-2015	41.02
चन्द्रमा	12-02-2017	41.82
मंगल	19-01-2018	43.15
राहु	13-06-2020	44.09

शनि (19 वर्ष)

13/06/2020 To 14/06/2039

10th भाव	मिथुन राशि	मित्र संबंन्ध
वक्री विशेष	अरि. (1) नक्षत्र	5 , 6 भावपति
शनि	17-06-2023	46.49
बुध	24-02-2026	49.50
केतु	05-04-2027	52.19
शुक्र	05-06-2030	53.30
सूर्य	17-05-2031	56.46
चन्द्रमा	16-12-2032	57.41
मंगल	25-01-2034	59.00
राहु	01-12-2036	60.10
गुरू	14-06-2039	62.95

बुध (17 वर्ष)

14/06/2039 To 13/06/2056

3rd भाव	वृश्चिक राशि	सम संबंन्ध
स्वनक्षत्र विशेष	ज्येष्ठा (1) नक्षत्र	10 , 1 भावपति
बुध	10-11-2041	65.49
केतु	07-11-2042	67.90
शुक्र	07-09-2045	68.89
सूर्य	14-07-2046	71.72
चन्द्रमा	13-12-2047	72.57
मंगल	10-12-2048	73.99
राहु	29-06-2051	74.98
गुरू	04-10-2053	77.53
शनि	13-06-2056	79.80

विंशोत्तरी दशा (2)

केतु (7 वर्ष)

13/06/2056 To 14/06/2063

10th भाव	मिथुन राशि	मित्र संबंन्ध
वक्री विशेष	मृग. (4) नक्षत्र	भावपति

केतु	10-11-2056	82.49
शुक्र	10-01-2058	82.90
सूर्य	17-05-2058	84.06
चन्द्रमा	16-12-2058	84.41
मंगल	14-05-2059	85.00
राहु	01-06-2060	85.40
गुरू	08-05-2061	86.45
शनि	17-06-2062	87.39
बुध	14-06-2063	88.50

शुक्र (20 वर्ष)

14/06/2063 To 14/06/2083

5th भाव	मकर राशि	सम संबंन्ध
विशेष	श्रव. (1) नक्षत्र	9 , 2 भावपति

शुक्र	13-10-2066	89.49
सूर्य	13-10-2067	92.82
चन्द्रमा	14-06-2069	93.82
मंगल	14-08-2070	95.49
राहु	14-08-2073	96.65
गुरू	13-04-2076	99.65
शनि	14-06-2079	102.32
बुध	14-04-2082	105.49
केतु	14-06-2083	108.32

सूर्य (6 वर्ष)

14/06/2083 To 14/06/2089

4th भाव	धनु राशि	मित्र संबंन्ध
विशेष	मूला (1) नक्षत्र	12 भावपति

सूर्य	01-10-2083	109.49
चन्द्रमा	01-04-2084	109.79
मंगल	07-08-2084	110.29
राहु	02-07-2085	110.64
गुरू	20-04-2086	111.54
शनि	02-04-2087	112.34
बुध	06-02-2088	113.29
केतु	13-06-2088	114.14
शुक्र	14-06-2089	114.49

वर्तमान दशा/अन्तर/प्रत्यन्तर/ सूक्ष्म/ प्राण दशा

दशा	ग्रह	आरम्भ	समाप्त
महादशा	शनि	13:06:2020 (16:22:55)	14:06:2039 (05:31:03)
अन्तर्रदशा	बुध	17:06:2023 (06:31:03)	24:02:2026 (17:31:03)
प्रत्यन्तर्रदशा	बुध	17:06:2023 (06:31:03)	03:11:2023 (10:52:33)
सूक्ष्मदशा	गुरू	23:09:2023 (20:36:17)	12:10:2023 (09:59:09)
प्राणदशा	राहु	09:10:2023 (15:10:43)	12:10:2023 (09:59:09)

नोट : – सभी दिए गये समय दशा के समाप्ति काल के हैं।

विंशोत्तरी दशा ग्रहों की अवधि के निर्धारण के लिए वैदिक ज्योतिष में प्रयुक्त एक प्रणाली है, जिसे एक व्यक्ति के जीवन दशा के रूप में भी जाना जाता है। 'विंशोत्तरी' शब्द का अर्थ संस्कृत में '120' है, जो सभी ग्रहों की अवधि के एक पूर्ण चक्र में वर्षों की कुल संख्या का प्रतिनिधित्व करता है।

यह दशा किसी व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा की स्थिति पर आधारित है, और यह वैदिक ज्योतिष के नौ ग्रहों में से प्रत्येक को निश्चित अवधि प्रदान करती है। इस प्रणाली में स्थिति के आधार पर प्रत्येक ग्रह को 6 से 20 वर्ष तक की एक विशिष्ट संख्या दी जाती है।

प्रत्येक ग्रहों की अवधि के दौरान, विचाराधीन/संबंधित ग्रह का व्यक्ति के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है, जो व्यक्ति के जन्मकुण्डली और उस समय के विशिष्ट ग्रहों की स्थिति पर निर्भ करता है।

विंशोत्तरी दशा को वैदिक ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति के जीवन में प्रमुख घटनाओं और परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने के लिए एक विस्तृत और सटीक प्रणाली प्रदान करता है। ज्योतिषियों द्वा करियर, रिश्ते, स्वास्थ्य, और किसी व्यक्ति के जीवन के अन्य पहलूओं के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और यह भविष्य में मार्गदर्शन या अंतर्दृष्टि की तलाश करने वालों के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है।

चन्द्रमा दशा

(18:12:1973 To 14:06:1979)

चन्द्रमा अन्तर

चन्द्रमा	-------	--
मंगल	-------	--
राहु	-------	--
गुरू	-------	--
शनि	-------	--
बुध	-------	--
केतु	-------	--
शुक्र	-------	--
सूर्य	-------	--

मंगल अन्तर

मंगल	-------	--
राहु	-------	--
गुरू	-------	--
शनि	-------	--
बुध	-------	--
केतु	-------	--
शुक्र	-------	--
सूर्य	-------	--
चन्द्रमा	-------	--

राहु अन्तर

राहु	-------	--
गुरू	-------	--
शनि	-------	--
बुध	-------	--
केतु	-------	--
शुक्र	-------	--
सूर्य	-------	--
चन्द्रमा	-------	--
मंगल	-------	--

गुरू अन्तर

गुरू	-------	--
शनि	-------	--
बुध	-------	--
केतु	-------	--
शुक्र	-------	--
सूर्य	-------	--
चन्द्रमा	-------	--
मंगल	-------	--
राहु	-------	--

शनि अन्तर

(18:12:1973 To 14:04:1975)		
शनि	-------	--
बुध	05-03-1974	00.00
केतु	08-04-1974	00.21
शुक्र	13-07-1974	00.31
सूर्य	11-08-1974	00.57
चन्द्रमा	28-09-1974	00.65
मंगल	01-11-1974	00.78
राहु	27-01-1975	00.87
गुरू	14-04-1975	01.11

बुध अन्तर

(14:04:1975 To 13:09:1976)		
बुध	26-06-1975	01.32
केतु	26-07-1975	01.52
शुक्र	20-10-1975	01.60
सूर्य	15-11-1975	01.84
चन्द्रमा	28-12-1975	01.91
मंगल	28-01-1976	02.03
राहु	14-04-1976	02.11
गुरू	23-06-1976	02.32
शनि	13-09-1976	02.51

केतु अन्तर

(13:09:1976 To 14:04:1977)		
केतु	25-09-1976	02.74
शुक्र	31-10-1976	02.77
सूर्य	10-11-1976	02.87
चन्द्रमा	28-11-1976	02.90
मंगल	11-12-1976	02.95
राहु	12-01-1977	02.98
गुरू	09-02-1977	03.07
शनि	15-03-1977	03.15
बुध	14-04-1977	03.24

शुक्र अन्तर

(14:04:1977 To 13:12:1978)		
शुक्र	24-07-1977	03.32
सूर्य	24-08-1977	03.60
चन्द्रमा	13-10-1977	03.68
मंगल	18-11-1977	03.82
राहु	17-02-1978	03.92
गुरू	09-05-1978	04.17
शनि	14-08-1978	04.39
बुध	08-11-1978	04.65
केतु	13-12-1978	04.89

सूर्य अन्तर

(13:12:1978 To 14:06:1979)		
सूर्य	22-12-1978	04.99
चन्द्रमा	07-01-1979	05.01
मंगल	17-01-1979	05.05
राहु	14-02-1979	05.08
गुरू	10-03-1979	05.16
शनि	08-04-1979	05.23
बुध	04-05-1979	05.30
केतु	14-05-1979	05.38
शुक्र	14-06-1979	05.40

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

मंगल दशा

(14:06:1979 To 14:06:1986)

मंगल अन्तर		
(14:06:1979 To 10:11:1979)		
मंगल	22-06-1979	05.49
राहु	15-07-1979	05.51
गुरू	04-08-1979	05.57
शनि	27-08-1979	05.63
बुध	17-09-1979	05.69
केतु	26-09-1979	05.75
शुक्र	21-10-1979	05.77
सूर्य	28-10-1979	05.84
चन्द्रमा	10-11-1979	05.86

राहु अन्तर		
(10:11:1979 To 28:11:1980)		
राहु	06-01-1980	05.90
गुरू	27-02-1980	06.05
शनि	27-04-1980	06.19
बुध	21-06-1980	06.36
केतु	13-07-1980	06.51
शुक्र	15-09-1980	06.57
सूर्य	04-10-1980	06.75
चन्द्रमा	06-11-1980	06.80
मंगल	28-11-1980	06.89

गुरू अन्तर		
(28:11:1980 To 04:11:1981)		
गुरू	12-01-1981	06.95
शनि	07-03-1981	07.07
बुध	25-04-1981	07.22
केतु	15-05-1981	07.35
शुक्र	10-07-1981	07.41
सूर्य	27-07-1981	07.56
चन्द्रमा	25-08-1981	07.61
मंगल	14-09-1981	07.69
राहु	04-11-1981	07.74

शनि अन्तर		
(04:11:1981 To 13:12:1982)		
शनि	07-01-1982	07.88
बुध	05-03-1982	08.06
केतु	29-03-1982	08.21
शुक्र	04-06-1982	08.28
सूर्य	24-06-1982	08.46
चन्द्रमा	28-07-1982	08.52
मंगल	21-08-1982	08.61
राहु	20-10-1982	08.67
गुरू	13-12-1982	08.84

बुध अन्तर		
(13:12:1982 To 10:12:1983)		
बुध	03-02-1983	08.99
केतु	24-02-1983	09.13
शुक्र	25-04-1983	09.19
सूर्य	13-05-1983	09.35
चन्द्रमा	12-06-1983	09.40
मंगल	03-07-1983	09.48
राहु	27-08-1983	09.54
गुरू	14-10-1983	09.69
शनि	10-12-1983	09.82

केतु अन्तर		
(10:12:1983 To 08:05:1984)		
केतु	19-12-1983	09.98
शुक्र	13-01-1984	10.00
सूर्य	20-01-1984	10.07
चन्द्रमा	02-02-1984	10.09
मंगल	10-02-1984	10.13
राहु	04-03-1984	10.15
गुरू	24-03-1984	10.21
शनि	16-04-1984	10.27
बुध	08-05-1984	10.33

शुक्र अन्तर		
(08:05:1984 To 08:07:1985)		
शुक्र	18-07-1984	10.39
सूर्य	08-08-1984	10.58
चन्द्रमा	13-09-1984	10.64
मंगल	08-10-1984	10.74
राहु	11-12-1984	10.81
गुरू	05-02-1985	10.98
शनि	14-04-1985	11.14
बुध	13-06-1985	11.32
केतु	08-07-1985	11.49

सूर्य अन्तर		
(08:07:1985 To 13:11:1985)		
सूर्य	14-07-1985	11.55
चन्द्रमा	25-07-1985	11.57
मंगल	02-08-1985	11.60
राहु	21-08-1985	11.62
गुरू	07-09-1985	11.67
शनि	27-09-1985	11.72
बुध	15-10-1985	11.78
केतु	23-10-1985	11.83
शुक्र	13-11-1985	11.85

चन्द्रमा अन्तर		
(13:11:1985 To 14:06:1986)		
चन्द्रमा	01-12-1985	11.90
मंगल	13-12-1985	11.95
राहु	14-01-1986	11.99
गुरू	11-02-1986	12.07
शनि	17-03-1986	12.15
बुध	16-04-1986	12.25
केतु	29-04-1986	12.33
शुक्र	03-06-1986	12.36
सूर्य	14-06-1986	12.46

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

राहु दशा

(14:06:1986 To 13:06:2004)

राहु अन्तर

(14:06:1986 To 24:02:1989)

राहु	09-11-1986	12.49
गुरू	20-03-1987	12.89
शनि	23-08-1987	13.25
बुध	10-01-1988	13.68
केतु	07-03-1988	14.06
शुक्र	19-08-1988	14.22
सूर्य	07-10-1988	14.67
चन्द्रमा	29-12-1988	14.81
मंगल	24-02-1989	15.03

गुरू अन्तर

(24:02:1989 To 20:07:1991)

गुरू	21-06-1989	15.19
शनि	07-11-1989	15.51
बुध	11-03-1990	15.89
केतु	01-05-1990	16.23
शुक्र	24-09-1990	16.37
सूर्य	07-11-1990	16.77
चन्द्रमा	19-01-1991	16.89
मंगल	11-03-1991	17.09
राहु	20-07-1991	17.23

शनि अन्तर

(20:07:1991 To 26:05:1994)

शनि	01-01-1992	17.59
बुध	28-05-1992	18.04
केतु	28-07-1992	18.44
शुक्र	17-01-1993	18.61
सूर्य	10-03-1993	19.08
चन्द्रमा	05-06-1993	19.23
मंगल	05-08-1993	19.46
राहु	08-01-1994	19.63
गुरू	26-05-1994	20.06

बुध अन्तर

(26:05:1994 To 13:12:1996)

बुध	05-10-1994	20.44
केतु	29-11-1994	20.80
शुक्र	03-05-1995	20.95
सूर्य	18-06-1995	21.37
चन्द्रमा	04-09-1995	21.50
मंगल	28-10-1995	21.71
राहु	16-03-1996	21.86
गुरू	18-07-1996	22.24
शनि	13-12-1996	22.58

केतु अन्तर

(13:12:1996 To 31:12:1997)

केतु	05-01-1997	22.99
शुक्र	09-03-1997	23.05
सूर्य	29-03-1997	23.22
चन्द्रमा	30-04-1997	23.28
मंगल	22-05-1997	23.36
राहु	18-07-1997	23.43
गुरू	08-09-1997	23.58
शनि	07-11-1997	23.72
बुध	31-12-1997	23.89

शुक्र अन्तर

(31:12:1997 To 31:12:2000)

शुक्र	02-07-1998	24.04
सूर्य	26-08-1998	24.54
चन्द्रमा	25-11-1998	24.69
मंगल	28-01-1999	24.94
राहु	11-07-1999	25.11
गुरू	04-12-1999	25.56
शनि	26-05-2000	25.96
बुध	28-10-2000	26.44
केतु	31-12-2000	26.86

सूर्य अन्तर

(31:12:2000 To 25:11:2001)

सूर्य	17-01-2001	27.04
चन्द्रमा	13-02-2001	27.08
मंगल	04-03-2001	27.16
राहु	23-04-2001	27.21
गुरू	06-06-2001	27.35
शनि	28-07-2001	27.47
बुध	12-09-2001	27.61
केतु	01-10-2001	27.74
शुक्र	25-11-2001	27.79

चन्द्रमा अन्तर

(25:11:2001 To 26:05:2003)

चन्द्रमा	10-01-2002	27.94
मंगल	11-02-2002	28.06
राहु	04-05-2002	28.15
गुरू	16-07-2002	28.38
शनि	10-10-2002	28.58
बुध	27-12-2002	28.81
केतु	28-01-2003	29.03
शुक्र	29-04-2003	29.11
सूर्य	26-05-2003	29.36

मंगल अन्तर

(26:05:2003 To 13:06:2004)

मंगल	18-06-2003	29.44
राहु	14-08-2003	29.50
गुरू	04-10-2003	29.66
शनि	04-12-2003	29.80
बुध	27-01-2004	29.96
केतु	19-02-2004	30.11
शुक्र	23-04-2004	30.17
सूर्य	12-05-2004	30.35
चन्द्रमा	13-06-2004	30.40

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

गुरू दशा

(13:06:2004 To 13:06:2020)

गुरू अन्तर

(13:06:2004 To 01:08:2006)		
गुरू	25-09-2004	30.49
शनि	27-01-2005	30.77
बुध	17-05-2005	31.11
केतु	02-07-2005	31.41
शुक्र	08-11-2005	31.54
सूर्य	17-12-2005	31.89
चन्द्रमा	20-02-2006	32.00
मंगल	07-04-2006	32.18
राहु	01-08-2006	32.30

शनि अन्तर

(01:08:2006 To 12:02:2009)		
शनि	26-12-2006	32.62
बुध	06-05-2007	33.02
केतु	29-06-2007	33.38
शुक्र	30-11-2007	33.53
सूर्य	15-01-2008	33.95
चन्द्रमा	01-04-2008	34.08
मंगल	25-05-2008	34.29
राहु	12-10-2008	34.44
गुरू	12-02-2009	34.82

बुध अन्तर

(12:02:2009 To 20:05:2011)		
बुध	09-06-2009	35.15
केतु	28-07-2009	35.48
शुक्र	12-12-2009	35.61
सूर्य	23-01-2010	35.99
चन्द्रमा	02-04-2010	36.10
मंगल	20-05-2010	36.29
राहु	21-09-2010	36.42
गुरू	09-01-2011	36.76
शनि	20-05-2011	37.06

केतु अन्तर

(20:05:2011 To 25:04:2012)		
केतु	09-06-2011	37.42
शुक्र	05-08-2011	37.48
सूर्य	22-08-2011	37.63
चन्द्रमा	19-09-2011	37.68
मंगल	09-10-2011	37.76
राहु	29-11-2011	37.81
गुरू	14-01-2012	37.95
शनि	08-03-2012	38.07
बुध	25-04-2012	38.22

शुक्र अन्तर

(25:04:2012 To 25:12:2014)		
शुक्र	05-10-2012	38.35
सूर्य	23-11-2012	38.80
चन्द्रमा	12-02-2013	38.93
मंगल	10-04-2013	39.15
राहु	03-09-2013	39.31
गुरू	11-01-2014	39.71
शनि	14-06-2014	40.07
बुध	30-10-2014	40.49
केतु	25-12-2014	40.87

सूर्य अन्तर

(25:12:2014 To 13:10:2015)		
सूर्य	09-01-2015	41.02
चन्द्रमा	02-02-2015	41.06
मंगल	19-02-2015	41.13
राहु	04-04-2015	41.17
गुरू	13-05-2015	41.29
शनि	28-06-2015	41.40
बुध	09-08-2015	41.53
केतु	26-08-2015	41.64
शुक्र	13-10-2015	41.69

चन्द्रमा अन्तर

(13:10:2015 To 12:02:2017)		
चन्द्रमा	23-11-2015	41.82
मंगल	21-12-2015	41.93
राहु	04-03-2016	42.01
गुरू	08-05-2016	42.21
शनि	24-07-2016	42.39
बुध	01-10-2016	42.60
केतु	29-10-2016	42.79
शुक्र	19-01-2017	42.87
सूर्य	12-02-2017	43.09

मंगल अन्तर

(12:02:2017 To 19:01:2018)		
मंगल	04-03-2017	43.15
राहु	24-04-2017	43.21
गुरू	08-06-2017	43.35
शनि	01-08-2017	43.47
बुध	19-09-2017	43.62
केतु	09-10-2017	43.75
शुक्र	04-12-2017	43.81
सूर्य	21-12-2017	43.96
चन्द्रमा	19-01-2018	44.01

राहु अन्तर

(19:01:2018 To 13:06:2020)		
राहु	30-05-2018	44.09
गुरू	24-09-2018	44.45
शनि	10-02-2019	44.77
बुध	14-06-2019	45.15
केतु	04-08-2019	45.49
शुक्र	28-12-2019	45.63
सूर्य	10-02-2020	46.03
चन्द्रमा	23-04-2020	46.15
मंगल	13-06-2020	46.35

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

शनि दशा

(13:06:2020 To 14:06:2039)

शनि अन्तर

(13:06:2020 To 17:06:2023)

शनि	05-12-2020	46.49
बुध	09-05-2021	46.96
केतु	12-07-2021	47.39
शुक्र	11-01-2022	47.57
सूर्य	07-03-2022	48.07
चन्द्रमा	07-06-2022	48.22
मंगल	10-08-2022	48.47
राहु	21-01-2023	48.64
गुरू	17-06-2023	49.10

बुध अन्तर

(17:06:2023 To 24:02:2026)

बुध	03-11-2023	49.50
केतु	30-12-2023	49.88
शुक्र	11-06-2024	50.03
सूर्य	31-07-2024	50.48
चन्द्रमा	21-10-2024	50.62
मंगल	17-12-2024	50.84
राहु	14-05-2025	51.00
गुरू	22-09-2025	51.40
शनि	24-02-2026	51.76

केतु अन्तर

(24:02:2026 To 05:04:2027)

केतु	20-03-2026	52.19
शुक्र	26-05-2026	52.25
सूर्य	15-06-2026	52.44
चन्द्रमा	19-07-2026	52.49
मंगल	12-08-2026	52.59
राहु	11-10-2026	52.65
गुरू	04-12-2026	52.82
शनि	06-02-2027	52.96
बुध	05-04-2027	53.14

शुक्र अन्तर

(05:04:2027 To 05:06:2030)

शुक्र	14-10-2027	53.30
सूर्य	11-12-2027	53.82
चन्द्रमा	17-03-2028	53.98
मंगल	23-05-2028	54.25
राहु	13-11-2028	54.43
गुरू	16-04-2029	54.91
शनि	16-10-2029	55.33
बुध	29-03-2030	55.83
केतु	05-06-2030	56.28

सूर्य अन्तर

(05:06:2030 To 17:05:2031)

सूर्य	22-06-2030	56.46
चन्द्रमा	21-07-2030	56.51
मंगल	10-08-2030	56.59
राहु	01-10-2030	56.65
गुरू	16-11-2030	56.79
शनि	10-01-2031	56.91
बुध	28-02-2031	57.06
केतु	21-03-2031	57.20
शुक्र	17-05-2031	57.25

चन्द्रमा अन्तर

(17:05:2031 To 16:12:2032)

चन्द्रमा	05-07-2031	57.41
मंगल	07-08-2031	57.55
राहु	02-11-2031	57.64
गुरू	18-01-2032	57.87
शनि	19-04-2032	58.09
बुध	10-07-2032	58.34
केतु	13-08-2032	58.56
शुक्र	17-11-2032	58.65
सूर्य	16-12-2032	58.92

मंगल अन्तर

(16:12:2032 To 25:01:2034)

मंगल	09-01-2033	59.00
राहु	11-03-2033	59.06
गुरू	03-05-2033	59.23
शनि	07-07-2033	59.38
बुध	02-09-2033	59.55
केतु	25-09-2033	59.71
शुक्र	02-12-2033	59.77
सूर्य	22-12-2033	59.96
चन्द्रमा	25-01-2034	60.01

राहु अन्तर

(25:01:2034 To 01:12:2036)

राहु	30-06-2034	60.10
गुरू	16-11-2034	60.53
शनि	29-04-2035	60.91
बुध	24-09-2035	61.36
केतु	23-11-2035	61.77
शुक्र	15-05-2036	61.93
सूर्य	06-07-2036	62.41
चन्द्रमा	01-10-2036	62.55
मंगल	01-12-2036	62.79

गुरू अन्तर

(01:12:2036 To 14:06:2039)

गुरू	03-04-2037	62.95
शनि	28-08-2037	63.29
बुध	06-01-2038	63.69
केतु	01-03-2038	64.05
शुक्र	02-08-2038	64.20
सूर्य	17-09-2038	64.62
चन्द्रमा	03-12-2038	64.75
मंगल	26-01-2039	64.96
राहु	14-06-2039	65.11

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

बुध दशा

(14:06:2039 To 13:06:2056)

बुध अन्तर

(14:06:2039 To 10:11:2041)		
बुध	16-10-2039	65.49
केतु	07-12-2039	65.83
शुक्र	01-05-2040	65.97
सूर्य	14-06-2040	66.37
चन्द्रमा	27-08-2040	66.49
मंगल	17-10-2040	66.69
राहु	26-02-2041	66.83
गुरू	24-06-2041	67.19
शनि	10-11-2041	67.52

केतु अन्तर

(10:11:2041 To 07:11:2042)		
केतु	01-12-2041	67.90
शुक्र	30-01-2042	67.95
सूर्य	17-02-2042	68.12
चन्द्रमा	19-03-2042	68.17
मंगल	10-04-2042	68.25
राहु	03-06-2042	68.31
गुरू	21-07-2042	68.46
शनि	16-09-2042	68.59
बुध	07-11-2042	68.75

शुक्र अन्तर

(07:11:2042 To 07:09:2045)		
शुक्र	28-04-2043	68.89
सूर्य	19-06-2043	69.36
चन्द्रमा	13-09-2043	69.50
मंगल	12-11-2043	69.74
राहु	16-04-2044	69.90
गुरू	01-09-2044	70.33
शनि	12-02-2045	70.71
बुध	09-07-2045	71.15
केतु	07-09-2045	71.56

सूर्य अन्तर

(07:09:2045 To 14:07:2046)		
सूर्य	22-09-2045	71.72
चन्द्रमा	18-10-2045	71.76
मंगल	05-11-2045	71.83
राहु	22-12-2045	71.88
गुरू	01-02-2046	72.01
शनि	22-03-2046	72.13
बुध	05-05-2046	72.26
केतु	23-05-2046	72.38
शुक्र	14-07-2046	72.43

चन्द्रमा अन्तर

(14:07:2046 To 13:12:2047)		
चन्द्रमा	26-08-2046	72.57
मंगल	25-09-2046	72.69
राहु	12-12-2046	72.77
गुरू	19-02-2047	72.98
शनि	12-05-2047	73.17
बुध	24-07-2047	73.40
केतु	23-08-2047	73.60
शुक्र	17-11-2047	73.68
सूर्य	13-12-2047	73.92

मंगल अन्तर

(13:12:2047 To 10:12:2048)		
मंगल	03-01-2048	73.99
राहु	27-02-2048	74.05
गुरू	15-04-2048	74.19
शनि	12-06-2048	74.33
बुध	02-08-2048	74.48
केतु	23-08-2048	74.62
शुक्र	23-10-2048	74.68
सूर्य	10-11-2048	74.85
चन्द्रमा	10-12-2048	74.90

राहु अन्तर

(10:12:2048 To 29:06:2051)		
राहु	29-04-2049	74.98
गुरू	31-08-2049	75.36
शनि	25-01-2050	75.70
बुध	06-06-2050	76.11
केतु	30-07-2050	76.47
शुक्र	02-01-2051	76.62
सूर्य	17-02-2051	77.04
चन्द्रमा	06-05-2051	77.17
मंगल	29-06-2051	77.38

गुरू अन्तर

(29:06:2051 To 04:10:2053)		
गुरू	17-10-2051	77.53
शनि	25-02-2052	77.83
बुध	22-06-2052	78.19
केतु	09-08-2052	78.51
शुक्र	26-12-2052	78.64
सूर्य	05-02-2053	79.02
चन्द्रमा	15-04-2053	79.14
मंगल	02-06-2053	79.32
राहु	04-10-2053	79.46

शनि अन्तर

(04:10:2053 To 13:06:2056)		
शनि	09-03-2054	79.80
बुध	26-07-2054	80.22
केतु	21-09-2054	80.60
शुक्र	04-03-2055	80.76
सूर्य	22-04-2055	81.21
चन्द्रमा	13-07-2055	81.34
मंगल	08-09-2055	81.57
राहु	03-02-2056	81.73
गुरू	13-06-2056	82.13

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

केतु दशा

(13:06:2056 To 14:06:2063)

केतु अन्तर

(13:06:2056 To 10:11:2056)		
केतु	22-06-2056	82.49
शुक्र	17-07-2056	82.51
सूर्य	24-07-2056	82.58
चन्द्रमा	06-08-2056	82.60
मंगल	14-08-2056	82.63
राहु	06-09-2056	82.66
गुरू	26-09-2056	82.72
शनि	19-10-2056	82.77
बुध	10-11-2056	82.84

शुक्र अन्तर

(10:11:2056 To 10:01:2058)		
शुक्र	20-01-2057	82.90
सूर्य	10-02-2057	83.09
चन्द्रमा	18-03-2057	83.15
मंगल	11-04-2057	83.25
राहु	14-06-2057	83.31
गुरू	10-08-2057	83.49
शनि	16-10-2057	83.65
बुध	16-12-2057	83.83
केतु	10-01-2058	84.00

सूर्य अन्तर

(10:01:2058 To 17:05:2058)		
सूर्य	16-01-2058	84.06
चन्द्रमा	27-01-2058	84.08
मंगल	03-02-2058	84.11
राहु	22-02-2058	84.13
गुरू	11-03-2058	84.18
शनि	01-04-2058	84.23
बुध	19-04-2058	84.28
केतु	26-04-2058	84.33
शुक्र	17-05-2058	84.35

चन्द्रमा अन्तर

(17:05:2058 To 16:12:2058)		
चन्द्रमा	04-06-2058	84.41
मंगल	17-06-2058	84.46
राहु	18-07-2058	84.50
गुरू	16-08-2058	84.58
शनि	19-09-2058	84.66
बुध	19-10-2058	84.75
केतु	31-10-2058	84.84
शुक्र	06-12-2058	84.87
सूर्य	16-12-2058	84.97

मंगल अन्तर

(16:12:2058 To 14:05:2059)		
मंगल	25-12-2058	85.00
राहु	16-01-2059	85.02
गुरू	05-02-2059	85.08
शनि	01-03-2059	85.14
बुध	22-03-2059	85.20
केतु	31-03-2059	85.26
शुक्र	24-04-2059	85.28
सूर्य	02-05-2059	85.35
चन्द्रमा	14-05-2059	85.37

राहु अन्तर

(14:05:2059 To 01:06:2060)		
राहु	11-07-2059	85.40
गुरू	31-08-2059	85.56
शनि	31-10-2059	85.70
बुध	24-12-2059	85.87
केतु	15-01-2060	86.02
शुक्र	19-03-2060	86.08
सूर्य	08-04-2060	86.25
चन्द्रमा	10-05-2060	86.31
मंगल	01-06-2060	86.39

गुरू अन्तर

(01:06:2060 To 08:05:2061)		
गुरू	17-07-2060	86.45
शनि	09-09-2060	86.58
बुध	27-10-2060	86.73
केतु	16-11-2060	86.86
शुक्र	12-01-2061	86.91
सूर्य	29-01-2061	87.07
चन्द्रमा	26-02-2061	87.12
मंगल	18-03-2061	87.19
राहु	08-05-2061	87.25

शनि अन्तर

(08:05:2061 To 17:06:2062)		
शनि	11-07-2061	87.39
बुध	07-09-2061	87.56
केतु	30-09-2061	87.72
शुक्र	07-12-2061	87.79
सूर्य	27-12-2061	87.97
चन्द्रमा	30-01-2062	88.03
मंगल	22-02-2062	88.12
राहु	24-04-2062	88.18
गुरू	17-06-2062	88.35

बुध अन्तर

(17:06:2062 To 14:06:2063)		
बुध	07-08-2062	88.50
केतु	28-08-2062	88.64
शुक्र	27-10-2062	88.69
सूर्य	15-11-2062	88.86
चन्द्रमा	15-12-2062	88.91
मंगल	05-01-2063	88.99
राहु	28-02-2063	89.05
गुरू	17-04-2063	89.20
शनि	14-06-2063	89.33

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

शुक्र दशा

(14:06:2063 To 14:06:2083)

शुक्र अन्तर

(14:06:2063 To 13:10:2066)		
शुक्र	03-01-2064	89.49
सूर्य	04-03-2064	90.04
चन्द्रमा	13-06-2064	90.21
मंगल	23-08-2064	90.49
राहु	22-02-2065	90.68
गुरू	03-08-2065	91.18
शनि	12-02-2066	91.63
बुध	03-08-2066	92.15
केतु	13-10-2066	92.63

सूर्य अन्तर

(13:10:2066 To 13:10:2067)		
सूर्य	01-11-2066	92.82
चन्द्रमा	01-12-2066	92.87
मंगल	22-12-2066	92.95
राहु	15-02-2067	93.01
गुरू	05-04-2067	93.16
शनि	02-06-2067	93.30
बुध	23-07-2067	93.45
केतु	14-08-2067	93.60
शुक्र	13-10-2067	93.65

चन्द्रमा अन्तर

(13:10:2067 To 14:06:2069)		
चन्द्रमा	03-12-2067	93.82
मंगल	08-01-2068	93.96
राहु	08-04-2068	94.06
गुरू	28-06-2068	94.31
शनि	03-10-2068	94.53
बुध	28-12-2068	94.79
केतु	02-02-2069	95.03
शुक्र	14-05-2069	95.13
सूर्य	14-06-2069	95.40

मंगल अन्तर

(14:06:2069 To 14:08:2070)		
मंगल	09-07-2069	95.49
राहु	10-09-2069	95.56
गुरू	06-11-2069	95.73
शनि	13-01-2070	95.89
बुध	14-03-2070	96.07
केतु	08-04-2070	96.24
शुक्र	18-06-2070	96.30
सूर्य	09-07-2070	96.50
चन्द्रमा	14-08-2070	96.56

राहु अन्तर

(14:08:2070 To 14:08:2073)		
राहु	25-01-2071	96.65
गुरू	20-06-2071	97.10
शनि	10-12-2071	97.50
बुध	14-05-2072	97.98
केतु	17-07-2072	98.40
शुक्र	16-01-2073	98.58
सूर्य	11-03-2073	99.08
चन्द्रमा	11-06-2073	99.23
मंगल	14-08-2073	99.48

गुरू अन्तर

(14:08:2073 To 13:04:2076)		
गुरू	21-12-2073	99.65
शनि	24-05-2074	100.01
बुध	09-10-2074	100.43
केतु	05-12-2074	100.81
शुक्र	16-05-2075	100.97
सूर्य	04-07-2075	101.41
चन्द्रमा	23-09-2075	101.54
मंगल	19-11-2075	101.77
राहु	13-04-2076	101.92

शनि अन्तर

(13:04:2076 To 14:06:2079)		
शनि	14-10-2076	102.32
बुध	27-03-2077	102.82
केतु	02-06-2077	103.27
शुक्र	12-12-2077	103.46
सूर्य	08-02-2078	103.98
चन्द्रमा	15-05-2078	104.14
मंगल	21-07-2078	104.41
राहु	11-01-2079	104.59
गुरू	14-06-2079	105.07

बुध अन्तर

(14:06:2079 To 14:04:2082)		
बुध	07-11-2079	105.49
केतु	07-01-2080	105.89
शुक्र	27-06-2080	106.05
सूर्य	18-08-2080	106.53
चन्द्रमा	13-11-2080	106.67
मंगल	12-01-2081	106.90
राहु	16-06-2081	107.07
गुरू	01-11-2081	107.50
शनि	14-04-2082	107.87

केतु अन्तर

(14:04:2082 To 14:06:2083)		
केतु	09-05-2082	108.32
शुक्र	19-07-2082	108.39
सूर्य	09-08-2082	108.58
चन्द्रमा	13-09-2082	108.64
मंगल	08-10-2082	108.74
राहु	11-12-2082	108.81
गुरू	06-02-2083	108.98
शनि	14-04-2083	109.14
बुध	14-06-2083	109.32

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

सूर्य दशा

(14:06:2083 To 14:06:2089)

सूर्य अन्तर

(14:06:2083 To 01:10:2083)

सूर्य	19-06-2083	109.49
चन्द्रमा	28-06-2083	109.50
मंगल	05-07-2083	109.53
राहु	21-07-2083	109.55
गुरू	05-08-2083	109.59
शनि	22-08-2083	109.63
बुध	07-09-2083	109.68
केतु	13-09-2083	109.72
शुक्र	01-10-2083	109.74

चन्द्रमा अन्तर

(01:10:2083 To 01:04:2084)

चन्द्रमा	16-10-2083	109.79
मंगल	27-10-2083	109.83
राहु	23-11-2083	109.86
गुरू	18-12-2083	109.93
शनि	16-01-2084	110.00
बुध	11-02-2084	110.08
केतु	21-02-2084	110.15
शुक्र	23-03-2084	110.18
सूर्य	01-04-2084	110.26

मंगल अन्तर

(01:04:2084 To 07:08:2084)

मंगल	08-04-2084	110.29
राहु	28-04-2084	110.31
गुरू	15-05-2084	110.36
शनि	04-06-2084	110.41
बुध	22-06-2084	110.46
केतु	30-06-2084	110.51
शुक्र	21-07-2084	110.53
सूर्य	27-07-2084	110.59
चन्द्रमा	07-08-2084	110.61

राहु अन्तर

(07:08:2084 To 02:07:2085)

राहु	25-09-2084	110.64
गुरू	08-11-2084	110.77
शनि	31-12-2084	110.89
बुध	15-02-2085	111.04
केतु	06-03-2085	111.16
शुक्र	30-04-2085	111.22
सूर्य	16-05-2085	111.37
चन्द्रमा	13-06-2085	111.41
मंगल	02-07-2085	111.49

गुरू अन्तर

(02:07:2085 To 20:04:2086)

गुरू	10-08-2085	111.54
शनि	25-09-2085	111.64
बुध	06-11-2085	111.77
केतु	23-11-2085	111.88
शुक्र	10-01-2086	111.93
सूर्य	25-01-2086	112.06
चन्द्रमा	18-02-2086	112.10
मंगल	07-03-2086	112.17
राहु	20-04-2086	112.22

शनि अन्तर

(20:04:2086 To 02:04:2087)

शनि	14-06-2086	112.34
बुध	02-08-2086	112.49
केतु	22-08-2086	112.62
शुक्र	19-10-2086	112.68
सूर्य	05-11-2086	112.84
चन्द्रमा	04-12-2086	112.88
मंगल	24-12-2086	112.96
राहु	14-02-2087	113.02
गुरू	02-04-2087	113.16

बुध अन्तर

(02:04:2087 To 06:02:2088)

बुध	16-05-2087	113.29
केतु	03-06-2087	113.41
शुक्र	24-07-2087	113.46
सूर्य	09-08-2087	113.60
चन्द्रमा	04-09-2087	113.64
मंगल	22-09-2087	113.71
राहु	07-11-2087	113.76
गुरू	19-12-2087	113.89
शनि	06-02-2088	114.00

केतु अन्तर

(06:02:2088 To 13:06:2088)

केतु	14-02-2088	114.14
शुक्र	06-03-2088	114.16
सूर्य	12-03-2088	114.22
चन्द्रमा	23-03-2088	114.23
मंगल	30-03-2088	114.26
राहु	19-04-2088	114.28
गुरू	06-05-2088	114.34
शनि	26-05-2088	114.38
बुध	13-06-2088	114.44

शुक्र अन्तर

(13:06:2088 To 14:06:2089)

शुक्र	13-08-2088	114.49
सूर्य	31-08-2088	114.65
चन्द्रमा	01-10-2088	114.70
मंगल	22-10-2088	114.79
राहु	16-12-2088	114.85
गुरू	03-02-2089	115.00
शनि	02-04-2089	115.13
बुध	23-05-2089	115.29
केतु	14-06-2089	115.43

Note - All the Dates are indiacating Dasha End Date.

कुण्डली में प्राप्त दोषों का विवेचन और उपाय

लाल किताब ज्योतिष में, जीवन की चुनौतियों से निपटने और सफलता पाने के लिए कुंडली में स्थित महत्वपूर्ण दोषों या विकारों की पहचान करना और उनका समाधान करना आवश्यक है। ये दोष, जिनमें पितृ ऋण, अंधा टेवा, आधा अंधा टेवा, मांगलिक दोष और काल सर्प दोष शामिल हैं, किसी के जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे स्वास्थ्य, वित्त, रिश्ते और सामान्य भलाई पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। इन दोषों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए उनके उपचार की तलाश करना महत्वपूर्ण है। उपचार विशिष्ट अनुष्ठानों, प्रार्थना करने, दान करने, रत्न पहनने से लेकर जीवनशैली में बदलाव लाने तक हो सकते हैं। ये उपचारात्मक उपाय ग्रहों के प्रभाव को संतुलित करने, बाधाओं को दूर करने और अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध जीवन का मार्ग बनाने में मदद कर सकते हैं।

कुण्डली में लागू होने वाले पितृ ऋण

यदि पूर्वजों में से किसी ने कोई बुरा या पाप कर्म किया है, तो यह पितृ ऋण में बदल जाता है और इसे परिवार के किसी सदस्य द्वारा चुकाया जाना चाहिए। इसीलिए उन्हें कष्ट होता है। कभी̲कभी, हम अपने बड़ों के पापों से अविश्वसनीय और आश्चर्यजनक तरीके से रहस्यमय तरीके से प्रभावित होते हैं। निहितार्थ यह है कि अपराध कोई और करता है, और जुर्माना कोई और व्यक्ति भरता है। पैतृक ऋण के मामले में अक्सर सज़ा किसी करीबी रिश्तेदार को भुगतनी पड़ती है। पितृ ऋण का विचार जन्म कुंडली से किया जाता है। एक बार ऋण की पहचान हो जाने पर उसका निवारण भी किसी रक्त संबंधी को ही करना पड़ता है। पैतृक ऋण का भुगतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सकता है। रक्त संबंधियों में बहनें, बेटियाँ और उनके बच्चे जैसे पोते, भतीजे, भतीजी आदि शामिल हैं। लाल किताब के अनुसार मनुष्य नौ ग्रहों के आधार पर नौ प्रकार के ऋण लेता है। इनमें आत्मऋण, मातृऋण, पारिवारिक ऋण, बहन/बेटी का ऋण, पितृऋण, स्त्रीऋण, निर्दयताऋण, जीवन भर का ऋण और दैवीय ऋण शामिल हैं।

पितृ ऋण

कुण्डली में शुक्र दूसरे, पाँचवें, नवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

पितृ ऋण के कारण –

1– यदि कुल पुरोहित बदलने की आवश्यकता होती है।
2– यदि घर के आस–पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो।
3– घर के आस–पास में कोई पीपल या बरगद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो।

पितृ ऋण के लक्षण –

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगती है, तो घर की धन–संपत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जाती है तथा सिर पर चोटी के स्थान से बाल गायब हो जाते हैं और गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो जाती है। आपको बिना गलती के ही जेल जाना पड़ सकता है।

पितृ ऋण के उपाय –

1– आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बराबर–बराबर पैसा इकट्ठा करें और किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
2– अपने घर के आस–पास के किसी धार्मिक स्थल पर जाकर वहां की साफ–सफाई

करें।
3– घर के आस–पास कोई पीपल या बरगद का पेड़ हो तो उसकी सेवा तथा देख–भाल करें और उसमें पानी डालें।

स्वयं का ऋण

कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में स्व ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

स्वयं का ऋण के कारण –

1– आप धर्म, संस्कृति, भगवान या रीति–रिवजों को नहीं मानते हों, इसलिए आपकी कुण्डली में यह ऋण लागू हो रहा है।
2– आपके घर में तंदूर या भट्ठी हो सकती है।
3– आपके छत में किसी सूराख से रोशनी आ रही होगी।
4– हृदय रोग के लक्षण होंगे।

स्वयं का ऋण के लक्षण –

आप अपने जीवन में उन्नति करेंगे और धन इकट्ठा करेंगे। आप समाज में बहुत सम्मानित भी हो सकते हैं, परन्तु जब आपका पुत्र ग्यारह महीने या ग्यारह साल का होता है, तो आपके सम्मान और धन पर ग्रहण लग सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आप अपना शरीर भी नहीं हिला सकते हैं।

स्वयं का ऋण के उपाय –

आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बारबर मात्रा में धन इक्टठा करें और उस धन से सूर्य यज्ञ करवायें।

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें या कोई नीच ग्रह बैठा हो अथवा कोई ग्रह शत्रु ग्रह की पूर्ण दृष्टि में हो, तो ऐसी कुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें (युति या दृष्टि से) या नीच का ग्रह हो तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष– आपकी कुण्डली के दसवें भाव में दो या दो से अधिक ग्रह स्थित हैं, जो आपस में शत्रु हैं (युति या दृष्टि से) या कोई नीच का ग्रह है। लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) है।

आपकी कुण्डली में मांगलीक दोष और उसका निवारण

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है, जिसके कारण आप मांगलिक जातक हैं।

आठवें भाव में स्थित मंगल का दाम्पत्य जीवन पर प्रभाव –

आप मेहनती होंगी, मेहनत से कामयाबी का फल मिले या न मिले, इसकी चिंता न होगी। शत्रु चाहे कितना भी बलवान हो, उसका मुकाबला करने की ताकत आप में होगी। आप बहुत ज्यादा आदर्शवादी और आलसी हो सकती हैं। आपकी आदर्शवादिता आपके दाम्पत्य जीवन में कलह का कारण होगी। माता बचपन में गुजर जायें या वह दुःखी रहें। शत्रु का हमला रोकने की ताकत होगी। माता के पेट में आते ही ताया–मामा, बड़े भाई को कष्ट–परेशानी होगी। अच्छी सेहत, लम्बी आयु और समृद्धि होगी। लम्बी बीमारियों का भय रहेगा। छोटा भाई 4–8 वर्ष के अन्तर में होगा या 13–15 वर्ष का भी अन्तर हो सकता है या छोटा भाई न होगा।

दाम्पत्य जीवन में खुशहाली और मांगलिक दोष के निवारण के लिए आपको निम्न बातों का विशेष ध्यान देना चाहिए –

आपको विधुर पुरुष या विधवा स्त्री के साथ लड़ाई–झगड़ा नहीं करना है। अपने घर में जमीन के अन्दर तन्दूर या भट्टी नहीं बनवानी है। विधुर पुरुष या विधवा स्त्री की बद्दुआ नहीं लें। अपने पास चाकू–छुरी या कोई धारदार हथियार न रखें। तोता–मैना न पालें।

यदि आपके जीवन में निम्न घटनायें या लक्षण स्पष्ट दिखायी दे रहे हैं, तो समझ लेना चाहिए कि आपको मांगलिक दोष का अशुभ परिणाम प्राप्त हो रहा है –

यदि आपके छोटे भाई को कोई असाध्य बीमारी लग जाये या उसका खून खराब और बाजूओं में कष्ट होने लगे। आपकी माता को स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं का सामना करना पड़े।

मांगलिक दोष के निवारण के लिए निम्नलिखित उपाय करें –

गले में चांदी की चैन पहनें। विधवा स्त्री को बर्फी खिलायें और उसका आशीर्वाद लें। तन्दूर में पकी मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलाती रहें। रोटी पकाने से पहले जब तवा गर्म हो जाए तो उस पर पानी के छींटे देकर रोटी पकायें।

मांगलिक दोष के निवारण के लिए विशेष उपाय –

चांदी के कड़े में तांबा जड़वा कर पहनें।
चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करवा कर जीवन साथी को पहनायें।

यहां कुछ सरल उपाय दिए जा रहे हैं, जो दाम्पत्य जीवन में व्याप्त समस्याओं के निवारण में कुछ सीमा तक सहायक हो सकते हैं।

सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए, प्रदोष के दिन गुड़ का शिव लिंग बना कर विधिपूर्वक पूजा करें और प्रतिदिन शिव के बीज मंत्र की एक माला का जाप करें, निःसंदेह चमत्कार अनुभव करेंगी। दाम्पत्य जीवन मधुर बना रहेगा।

दाम्पत्य सुख की प्राप्ति के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रातः काल पीपल के पास तिल्ली के तेल का दीपक जलायें तथा शनिवार और मंगलवार को सायंकाल अपने जीवनसाथी के साथ हनुमान जी के मंदिर जायें, प्रसाद चढ़ायें एवं मनोभाव से दाम्पत्य सुख की प्रार्थना करें। धीरे–धीरे सुख का अनुभव करेंगी।

यदि पति–पत्नी के मध्य वाक् युद्ध होता रहता है तो जिस व्यक्ति के कारण कलह होता हो उसे बुधवार के दिन कुछ समय के लिए (दो घंटे के लिए) मौन व्रत धारण करना चाहिए।

यदि पति–पत्नी के मध्य परस्पर सामंजस्य एवं सहयोग की भावना का अभाव हो तो उन्हें गुरुवार को

साथ–साथ राम–सीता मंदिर या लक्ष्मीनारायण मंदिर जाकर भगवान को पुष्प एवं प्रसाद चढ़ाने चाहिए तथा प्रेम का वातावरण घर में बना रहे ऐसी प्रार्थना करनी चाहिए और प्रसाद का भोग लगाकर मंदिर में बांटना चाहिए।

पति को चाहिए कि वह शुक्रवार को अपनी जीवन संगिनी को सुंदर पुष्प या इत्र की शीशी भेंट करे तथा उसके साथ सफेद मिठाई खाये।

घर के वातावरण को सुखमय बनाए रखने के लिए घर में गमले में सुगंधित व सुंदर पुष्प के पौधे लगाने चाहिए। बड़े कमरे में कृत्रिम सुंदर पुष्प युक्त गमले सजा कर रखें।

शयन कक्ष में गमले में मोर पंख सजाकर इस प्रकार रखें कि वे कमरे के बाहर से दृष्टिगोचर न हों किंतु पति–पत्नी को पलंग से नजर आते रहें।

कुण्डली में ग्रहों का प्रभाव और उपाय

हमारे सौर मंडल में खगोलीय पिंड, विशेष रूप से ग्रह, लाल किताब के अनुसार आपके जीवन को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो हिंदू ज्योतिष और हस्तरेखा विज्ञान पर उर्दू भाषा की पांच पुस्तकों का एक क्रम है। ये ब्रह्मांडीय संस्थाएं आपके व्यक्तित्व, कार्यों, सफलताओं और चुनौतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं, जो आपके जीवन पथ को गहराई से आकार देती हैं। लाल किताब इन ग्रहों के प्रभावों के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करती है और किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए व्यावहारिक उपाय प्रदान करती है। लाल किताब में दिए गए नुस्खे पालन करने में सरल हैं और इसमें जटिल अनुष्ठान शामिल नहीं हैं, जिससे वे सभी के लिए सुलभ हो जाते हैं। इन दिशानिर्देशों का पालन करके, आप ब्रह्मांड के साथ सामंजस्य स्थापित करने, अपने जीवन में संतुलन हासिल करने और इस प्रक्रिया में अपनी क्षमता की अनुभूति करने का प्रयास कर सकते हैं।

कुण्डली में सूर्य देव का प्रभाव और उपाय

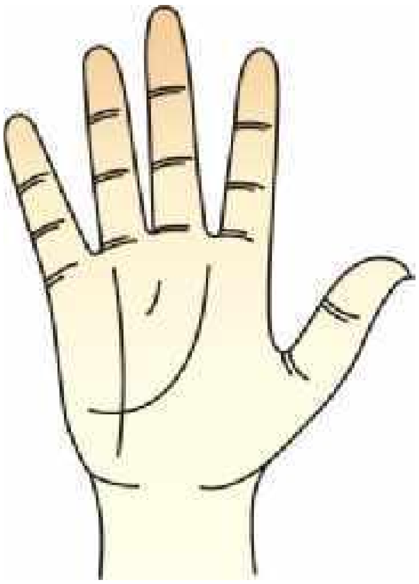

निम्न समयावधि में आपको सूर्य का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1994 से 17/12/1996 तक, 18/12/2029 से 17/12/2031 तक, 18/12/2064 से 17/12/2066 तक)

आपकी कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। आप धन संग्रह करते रहेंगे और अन्य लोग इससे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी संतान करोड़पति होगी। आप किसी नई चीज का अविष्कार करेंगे और इस नयी खोज से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको नये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अपने पैतृक व्यवसाय के अलाव कोई अन्य कार्य करेंगे तो आपको उसमें अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप अपने देश को छोड़ कर विदेश में निवास करेंगे। अपने पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी।

यदि आप अपने घर पर नल लगवाते हैं या कुॅआ बनवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी। आपको अपनी 25 से 50 साल की आयु में बहुत लाभ प्राप्त होगा। पानी, कपड़े और दूध का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा और आप इससे बहुत लाभ कमायेंगे। विशेषकर कपड़े का

व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा। आप फल देने वाले वृक्ष लगायेंगे।

आपका भाग्य आप पर मेहरबान होगा। यदि आप रात में काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपको घर संबंधित कोई समस्या नहीं आयेगी। आप समुद्री यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आपके लिये भाग्यशाली साबित होगी। आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। उन्हें अपने काम में उन्नति प्राप्त होगी। यदि आप वाहन से संबंधित कोई व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको ट्रांसपोर्ट एवं प्रापर्टी के काम से लाभ हो सकता है।

आपको सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

आपको चोरी से दूर रहना चाहिये। महिलाओं के झगडे से दूर रहें। तुलसी के पौधे की जड़ में देसी घी का दीपक जलायें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी सूर्य के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

मुंह में हरदम थुक आये। घर में अग्निकांड हों। अगर बचपन में पिता का साया सिर पर ना रहे। अगर हर कार्य में बुजदिली आडे आये। मुकदमों आदि पर ज्यादा खर्च होने लगे। शरीर के अंगो में हरकत करने या कराने की ताकत खत्म होने या कम होने लगे।

यदि आपमें चोरी करने की आदत हुई, आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े, किसी स्त्री के साथ गलत व्यवहार किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में सूर्य के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका सूर्य किसी कारण से कमजोर हो जाता है तो इसका बुरा असर आपके बच्चों पर पड़ सकता है। आपकी माता और बहन को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बिना किसी कारण के दु:खी रह सकते हैं। आपकी माता चिन्तित रहेंगी और उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े तो आपको अपने कार्य में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और आपको रक्तचाप की समस्या हो सकती है। आपके माता–पिता के सुख में कमी आ सकती है। आपको अपने माता–पिता की सेवा का मौका कम मिल सकता है।

आपको सूर्य के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

अन्धों को भोजन दें। शुद्ध सोना पहनें। काला कपड़ा न पहनें न ही खरीदें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में सूर्य के साथ बैठे ग्रहों या सूर्य पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है एवं मंगल अशुभ भाव में है। आपके 22 वर्ष की उम्र के बाद 15 वर्ष तक आपकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो सकती है। अपने पैतृक मकान में अंधों को रोटी खिलायें। एकादशी को सिर्फ एक समय का भोजन करें।

यदि धन मार्ग अवरुद्ध हो, तो केसर तथा पीले चंदन का तिलक माथे पर लगाएं। ऐसा करने से आमदनी के स्रोत खुल जाते हैं। यह क्रिया शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार को दोपहर 12 बजे शुरू करें। साथ ही मंदिर में जा कर राम दरबार के समक्ष दंडवत् प्रणाम करते रहें।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ चौथे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह अति अशुभ युति है। आपकी 42 वर्ष की आयु में राहु आपकी संतान को कष्ट पहुँचा सकता है। आपको धन की हानि हो सकती है। आपको सरकारी कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अशुभता को दूर करने के लिए उपाय भी करते हैं, तो राहु का समय पूर्ण होने के बाद ही सूर्य अपना पूर्ण प्रभाव देगा। सूर्य का प्रभाव आपके लिए शुभ होगा। अशुभ प्रभाव मिलने पर आपके विचार कलुषित और द्वेषपूर्ण हो सकते हैं। आपके घर में चोरी हो सकती है या आपका आर्थिक नुकसान हो सकता है, जिससे आपकी स्थिति खराब हो सकती है। ऐसा होने पर आप एक कपड़े में जौ के थोड़े दानें बांधकर घर के अन्धेरे हिस्से में किसी वजनदार चीज से दबा कर रख दें। यदि आप अस्वस्थ हैं या आपको बुखार आता हो, तो आप जौ को गोमूत्र से धोकर नदी में बहा दें। राहु से सम्बन्धित चीजें, जैसे बादाम, नारियल को बहते पानी में प्रवाहित करें। तांबे के सिक्के को रात्रि में आग में तपा कर सुबह बहते पानी में प्रवाहित करें। सिक्का प्रवाहित करने के तुरन्त बाद आपको पुत्र और नजदीकी सम्बन्धियों के सामने नहीं जाना चाहिए, उन पर सूर्य और राहु का अशुभ प्रभाव हो सकता है।

कुण्डली में चन्द्रमा देव का प्रभाव और उपाय

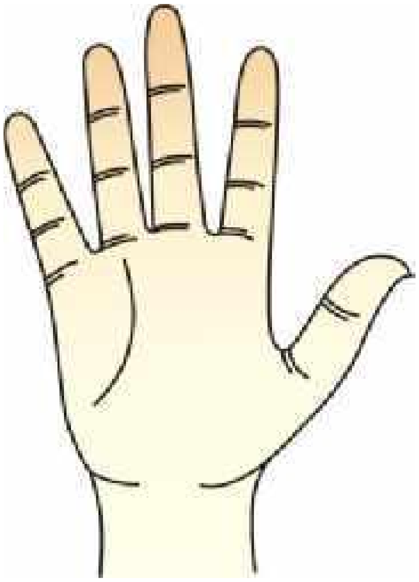

निम्न समयावधि में आपको चन्द्रमा का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1996 से 17/12/1997 तक, 18/12/2031 से 17/12/2032 तक, 18/12/2066 से 17/12/2067 तक)

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आप नरम स्वभाव वाले होंगे एवं हमेशा प्रसन्न रहेंगे। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह

28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको अपनी माता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। अपने भाई–बहनों में सबसे अधिक आपको अपनी माता का प्यार मिल सकता है। आपकी पहली संतान लड़की हो सकती है।

आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। लाल रंग का पत्थर या गुड़ मिट्टी के नीचे दबाने से शुभ फलों में वृद्धि होगी। आपको फ्री में दूसरों से कोई भी चीज नहीं लेनी चाहिए, अन्यथा अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आप बहुत ज्यादा हिम्मती हो सकते हैं। आप किसी भी मुसीबत को अपने हौसले पर भारी नहीं होने देंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी, अन्यथा उनके स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। लाल रंग का पत्थर या गुड़ मिट्टी के नीचे दबाने से शुभ फलों में वृद्धि होगी।

आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी। अपनी चारपाई के चारो पायों में तांबे की कील लगवायें, रात में आराम महसूस होगा एवं मानसिक शांति मिलेगी। बड़ के पेड़ में पानी डालने से भी लाभ प्राप्त होगा। यदि 100 दिन से अधिक का सफर हो और सफर के दौरान आपकी संतान भी आपके साथ हो तो नदी पार करने के दौरान नदी में तांबे का पैसा डालें। यदि घर में कुआं है तो उस पर छत न डलवायें।

आपको चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें। आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये। शीशे के बर्तनों का प्रयोग न करें। हरे रंग एवं साली से दूर रहें। अपने घर में टोंटी लगी चांदी के बर्तन न रखें। पानी या दूध पीने के लिए चांदी के बर्तन का इस्तेमाल करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी चन्द्रमा के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

ननिहाल की स्थिती ठीक ना हो। शादी या औलाद से संबंन्धित परेशानी हो। मूत्र संबंन्धित बीमारी लग जाये। महसूस करने की ताकत खत्म हो जाये। दुध देने वाले जानवर मर जायें।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कष्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में चन्द्रमा के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको पानी में डूबने का खतरा हो सकता हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आप अपनी माता का विरोध कर सकते हैं एवं मांस–मदिरा का सेवन कर सकते हैं। यदि आप 24 वर्ष से 27 वर्ष की आयु के अंदर अपनी माता से अलग रहते हैं तो आपकी माता को शारीरिक कष्ट हो सकता है।

आपको चन्द्रमा के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

घर में गाय पालें या नौकरानी रखें। बड़गद के पेड़ की जड़ में पानी दें। अपने पास लाल रूमाल रखें। चांदी की कटोरी में खीर खायें, अथवा मीठा दही खायें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा के साथ बैठे ग्रहों या चन्द्रमा पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। जब तक आपकी माता जिंदा रहेंगी, आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब रह सकता है या आपके जीवनसाथी का जीवन कष्टमय हो सकता है। उपाय के तौर पर बरसात का पानी अपने घर में रखें।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में स्थित है एवं सातवां भाव खाली है। आपको 24 वर्ष की आयु से पहले शादी कर लेनी चाहिए, गाय की सेवा करनी चाहिए एवं अपने घर में एक नौकरानी रखनी चाहिए, अन्यथा आपको शनि का अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए सौफ या शहद जमीन में दबायें।

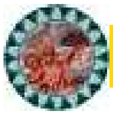

कुण्डली में मंगल देव का प्रभाव और उपाय

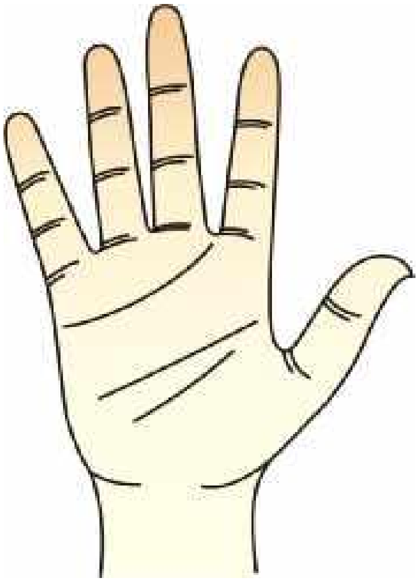

निम्न समयावधि में आपको मंगल का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/2000 से 17/12/2006 तक, 18/12/2035 से 17/12/2041 तक, 18/12/2070 से 17/12/2076 तक)

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार आप मांगलिक हैं। यदि आप विवाहित हैं तो, मंगलवार के दिन पति–पत्नी स्नान करें, फिर लाल वस्त्र पहनकर तांबे का पात्र चावल से

भरकर उस पर लाल चंदन का तिलक लगाकर रखें। एक माला गायत्री मंत्र का जाप करके वह पात्र हनुमान मंदिर में देकर आयें। सात मंगलवार यह उपाय करना है। आपको अपने माता–पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आप निडर और उत्साही होंगे। परिणामों की परवाह किये बिना आप चुनौतियों का मुकाबला करेंगे।

आप न्याय पाने के लिये लड़ाई करने से नहीं हिचकिचायेंगे। आप अपने काम में गहरी रूचि लेंगे और उसे पूरे मन से करेंगे। भगवान आपका जीवन बुरी घटनाओं से बचायेगा। आप बाधाओं का मुकाबला चिन्तित हुये बिना करेंगे। आपको अपने ससुराल वालों से सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आप हिम्मती होंगे। नतीजा हार हो या जीत, आप मुकाबला जरूर करेंगे। आपकी तरक्की धीरे–धीरे होगी। आपको लॉटरी या किसी निःसंतान की संपत्ति से धन लाभ हो सकता है।

आपको मंगल के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपने घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी न रखें। तोता न पालें। किसी विधवा स्त्री की सेवा करें एवं उनका आर्शीवाद लें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी मंगल के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

आंख में परेशानी हो या कोई खराबी हो। संतान पैदा होते ही खत्म हो जाये। भाई–भतीजे की अचानक मौत हो जाये। ननिहाल या ससुराल में अचानक परेशानीयां खड़ी होने लगें। चोरी या डकैती के मुकदमें में फॅस जायें और सजा हो जाये। एकाएक गरीबी आ जाये। औलाद पैदा होने में परेशानी हो।

यदि आप विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करेंगे, हर समय अपने पास चाकू रखेंगे, लोगों के साथ झगड़ा करेंगे, आपके घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी हुई तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में मंगल के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके छोटे भाई को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उसके कारण झगड़ा हो सकता है। घर में गेहूं का आटा केवल सोमवार, या शनिवार को ही पिसवाएं। पिसवाने से पहले उसमें 100 ग्राम काले चने डाल दें। इस प्रकार का आटा खाने से धीरे–धीरे लड़ाई–झगड़ा तथा घर में क्लेश खत्म हो जाएंगे। आपके भाइयों का जीवन परेशानियों से भरा हो सकता है। आपका भाई आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। किसी अचानक दुर्घटना के कारण आपको कोई रक्त संबंधी विकार हो सकता है या कोई नाखून संबंधी रोग हो सकता है। किसी व्यक्ति पर बिना किसी कारण क्रोध करना आपके लिये पश्चाताप का कारण बन सकता है। आपको हानि भी हो सकती है। कोई आप पर आक्रमण कर सकता है।

किसी श्मशान, दरगाह, भड़भूंजे की दुकान के आस–पास घर न बनायें, अशुभ फलों की प्राप्ति होगी। आपके जीवन में हर चौथा एवं आठवां वर्ष परेशानियों वाला हो सकता है। यदि आपका छोटा भाई आपसे 4 या 8 वर्ष से ज्यादा छोटा है तो उन्हें मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। आपका छोटा भाई आपका विरोध कर सकता है या निकम्मा हो सकता है। यदि आपके घर की जमीन के अंदर भट्ठी, तंदूर या जली हुई राख हो तो, इस मकान में रहना आपके लिए अशुभ हो सकता है। आपके कुछ पारिवारिक सदस्यों को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है या असामयिक मृत्यु हो सकती है। आप किसी विधवा स्त्री से झगड़ा न करें, विधवा के श्राप के फलस्वरूप भाग्य आपका साथ छोड़ सकता है।

आपकी शादी 28 वर्ष की आयु के बाद हो सकती है। कई मामलों में आपको अपने परिवार के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप जुड़वां भाई हैं तो छोटे भाई को परिवार का विरोध सहना पड़ सकता है। यदि आपके घर की चारदीवारी के अंदर जमीन खोदकर कोई भट्ठी या तंदूर बनाई गई है तो आपको काफी अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। यदि ऐसी भट्ठी पर अपनी संतान के विवाह के अवसर पर खाना पकाया तो आपकी संतान को औलाद का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आपको तंदूर में मीठी रोटी बनाकर 43 दिनों तक कुत्तों को खिलाना चाहिए।

आपको मंगल के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए -

विधवा का आशीर्वाद लें। 8 मीठी एवं तंदूर में सेंकी रोटियां कुत्तों को खिलायें। गले में हमेशा चांदी की चेन पहनें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय -

आपकी कुण्डली में मंगल के साथ बैठे ग्रहों या मंगल पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है एवं दूसरा भाव खाली है या उसमें चंद्रमा अथवा बृहस्पति स्थित है। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आपके बिगड़े काम बन सकते हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में एवं चंद्रमा पहले, तीसरे, चौथे, आठवें या नौवें भाव में स्थित है। यदि मंगल किसी कारण से अशुभ भी हो रहा है तो भी आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी।

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। आपके पिता को कुछ अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। आपकी आंखों में खराबी एवं जोड़ों में दर्द हो सकता है। आपके मित्र शत्रु बन सकते हैं। 28 से 36 वर्ष तक की उम्र में आपके छोटे भाई आपके लिए कई प्रकार की परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। आपको अपने घर में तंदूर नहीं बनाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में मंगल मेष या वृश्चिक राशि में स्थित है। आपको गृहस्थी का उत्तम सुख प्राप्त होगा। सुबह तुलसी के पौधे में गंगाजल चढ़ायें।

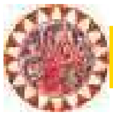

कुण्डली में बुध देव का प्रभाव और उपाय

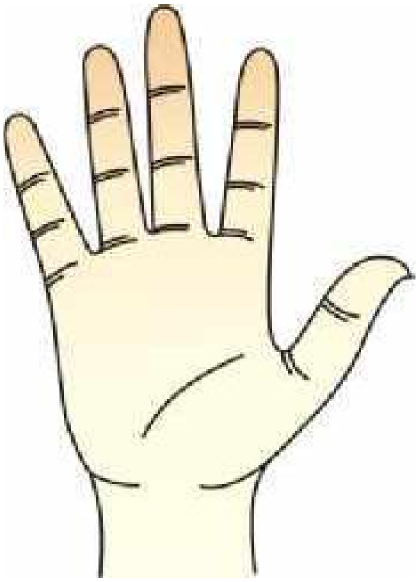

निम्न समयावधि में आपको बुध का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/2006 से 17/12/2008 तक, 18/12/2041 से 17/12/2043 तक, 18/12/2076 से 17/12/2078 तक)

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसाय में यश प्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और उनकी संतान के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा।

आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आप निडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्यों से घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप दीर्घायु एवं पढ़े–लिखे होंगे। आपकी बेटी एवं बहनों को सुख प्राप्त होगा। पढ़ने–लिखने वाले कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप बुद्धिमान एवं चालाक होंगे। आप अपने भाग्य के निर्माता स्वयं होंगे।

आपको बुध के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

मामा और बुआ से न लड़ें। चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें। गुस्सा कम करें। अपना चरित्र ठीक रखें। हाथी दांत से बनी वस्तुओं का व्यापार करें एवं उन्हें घर में रखें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी बुध के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

सुंघने की शक्ति खत्म हो जाये। सामने के दांत झड़ जायें। सीढ़ीयों से गिरकर हाथ–पांव तुड़वा बैठें। बहन, बुआ, मौसी, साली या अपनी बेटी की हालत ठीक ना हो। कोई आपको धोखा दे दे। अपनी औलाद से परेशानी हो जाये।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखी घर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में बुध के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाई–बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है। अपनी आंखों को कच्चे दूध से धोयें। यदि आपके मकान का दरवाजा दक्षिण दिशा में है तो आपको काफी अशुभ प्रभाव प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान, जीवनसाथी, ससुराल पर भी अशुभ असर पड़ सकता है। आपकी पुश्तैनी जायदाद, आमदनी एवं मानसिक शांति पर अशुभ असर पड़ सकता है।

आपकी मौसेरी बहन को अपना जन्मस्थान छोड़ना पड़ सकता है। अशुभ असर को दूर करने के लिए साबुत मूंग रात में पानी में भिगो दें एवं सुबह पक्षियों को खाने के लिए डाल दें। यह उपाय लगातार 43 दिनों तक करें। आपमें हमेशा थूकने की आदत हो सकती है। आपके घर में या आस–पास कोई पागल या मंदबुद्धि व्यक्ति हो सकता है। आपकी बेटी या बहन परेशान रह सकती हैं। यदि आपके घर में या आस–पास चौड़े पत्तों वाले पौधे या पेड़ लगे हैं तो आपकी किस्मत आपका साथ नहीं दे सकती है। आप वहमी हो सकते हैं। आपको साधुओं की संगति पसंद हो सकती है। आपको अपनी जुबान से संबंधित कुछ परेशानियां हो सकती हैं।

आपको बुध के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

रोज सुबह फिटकरी से दांत साफ करें। पीली कौड़ियों को जलाकर उसकी राख उसी दिन जल में प्रवाहित करें। हरी साबुत मूंग रात को भिगोकर सुबह पक्षियों को खिलायें। 3 ढाक के पत्ते दूध से धोकर वीराने में पत्थर से दबायें।

कुण्डली में गुरू देव का प्रभाव और उपाय

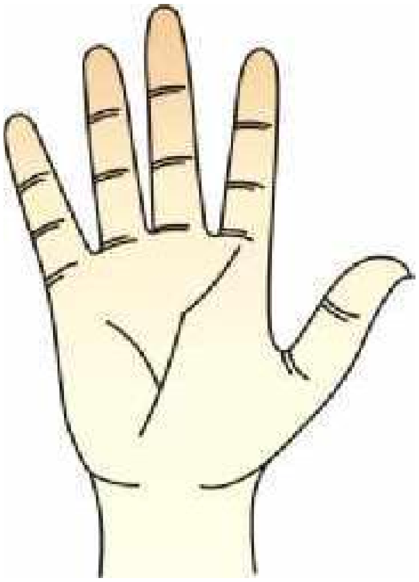

निम्न समयावधि में आपको गुरू का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1988 से 17/12/1994 तक, 18/12/2023 से 17/12/2029 तक, 18/12/2058 से 17/12/2064 तक)

आपकी कुण्डली में बृहस्पति पॉचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ–साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म यदि बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगा और आप यश प्राप्त करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपकी अधिक उन्नति होगी। आप गुस्सैल हो सकते हैं।

आपको गुरू के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

ईश्वर में आस्था रखें। मंदिर से प्रसाद न लें। पुजारियों एवं साधुओं की सेवा करें एवं आशीर्वाद लें। नाव से संबंधित कार्य न करें। कोई भी दान या उपहार न लें। मांस–मदिरा का सेवन न करें। अपना चरित्र ठीक रखें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी गुरू के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

किसी कारणवश शिक्षा में रूकावट आ जाये। सोना खो जाये या चोरी हो जाये। चोटी रखने वाले स्थान पर का बाल गिरने लगे। गलत इल्जाम लगने लगे। दिमागी कार्यों में मन ना लगे। गले में माला पहनने का मन करे।

यदि आप धर्म के विरूद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं से झगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में गुरू के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप और अधिक क्रोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथ बैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है। आपको कोई संतान नहीं हो सकती है या आपको संतान सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आपका जीवन तंगी के बीच गुजर सकता है। जुए या सट्टे की वजह से आपका धन नाश हो सकता है। आप धर्म के नाम पर भिक्षा या दान मांग सकते हैं। आप बातूनी होंगे। आपका जीवन काफी उतार–चढ़ाव वाला होगा। जीवन के अंत समय में आपको भयानक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

आपको गुरू के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

गणेश जी की पूजा करें। अपने गुरु की सेवा करें। नाग एवं केसर जल में प्रवाहित करें। पूजा स्थल की

नियमित सफाई करें। बृहस्पतिवार का व्रत रखें। विष्णु भगवान की पूजा करें। पीपल के पेड़ की सेवा करें। अपने घर में गेंदा या सूर्यमुखी का पौधा लगायें। 5 दिन किसी मंदिर या धर्मशाला की सीढ़ियों की सफाई करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में गुरू के साथ बैठे ग्रहों या गुरू पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति पांचवें भाव में स्थित है एवं राहु अशुभ भाव में है। आपको तंगी का सामना करना पड़ सकता है। यदि धन मार्ग अवरुद्ध हो, तो केसर तथा पीले चंदन का तिलक माथे पर लगाएं। ऐसा करने से आमदनी के स्रोत खुल जाते हैं। यह क्रिया शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार को दोपहर 12 बजे शुरू करें। साथ ही मंदिर में जा कर राम दरबार के समक्ष दंडवत् प्रणाम करते रहें।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति और शुक्र एक साथ पांचवें भाव में स्थित हैं। यह युति रोगों और कष्टों से आपकी रक्षा करेगी। दोनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव 32 वर्ष की आयु तक रहेगा। विपरीत लिंगी व्यक्तियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आप विद्यार्जन और संतान के सम्बन्ध में सुखी होंगे। आप अपने ज्ञान से धन अर्जित करेंगे। आपको पहले बृहस्पति और बाद में शुक्र का शुभ या अशुभ फल मिलेगा। इस युति के अशुभ होने पर आपका विपरीत लिंगी व्यक्तियों की तरफ अधिक झुकाव हो सकता है और आप विलासी हो सकते हैं। आपमें संतान पैदा करने की शक्ति क्षीण हो सकती है। आपको संतान के जन्म से ही दुःख प्राप्त हो सकते हैं। यदि आपने विपरीत लिंगी व्यक्तियों के साथ सम्बन्ध बनाये तो आपको बार–बार धन हानि हो सकती है। आपके धन की चोरी भी हो सकती है। अतः आपको अपना आचरण और व्यवहार पवित्र और ठीक रखना चाहिए।

कुण्डली में शुक्र देव का प्रभाव और उपाय

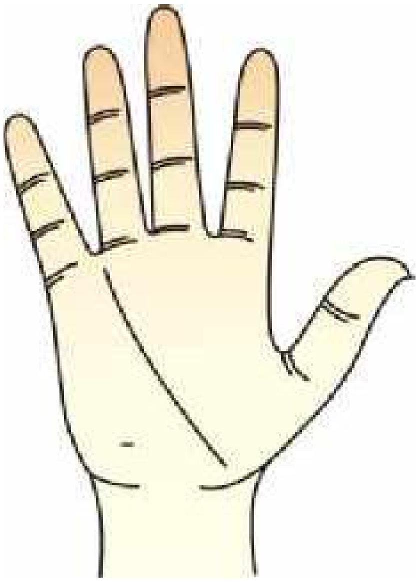

निम्न समयावधि में आपको शुक्र का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1997 से 17/12/2000 तक, 18/12/2032 से 17/12/2035 तक, 18/12/2067 से 17/12/2070 तक)

आपकी कुण्डली में शुक्र पॉचवें भाव में स्थित है। आप विद्वान होंगे। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपकी पत्नी वफादार होंगी। आपको सफेद रंग की वस्तुओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अपने समुदाय से प्रेम करेंगे। आपके विवाह के 5 साल बाद आपको धन और नौकरों का बहुत सुख प्राप्त होगा। आपको अपने व्यवसाय में उन्नति होगी। जब तक आपकी पत्नी जीवित हैं, आपको किसी प्रकार का अभाव नहीं होगा। आपका धन बढ़ेगा। आप अपने परिवार और देश से प्रेम करेंगे। आप अपने भाई के लिये अनुकूल होंगे। आप जीवन में बाधाओं का सामना नहीं करेंगे। आपका जीवन आनन्द और शांतिपूर्ण होगा। आपकी जीवनसाथी बढ़िया खानदान से होंगी। आपको अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए। आप विद्वान होंगे एवं अपने शत्रुओं को परास्त करने में सक्षम होंगे। आपको लाटरी–सट्टा से धन की प्राप्ति हो सकती है। भाग्य आप पर मेहरबान होगा।

आपको शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपना चरित्र ठीक रखें। अपने पहनावें पर ध्यान दें। प्रेम विवाह या अपने माता–पिता की मर्जी के बगैर विवाह न करें। अपने जीवनसाथी का कहना मानें एवं उनसे झगड़ा न करें। लड़की देख कर विवाह न करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी शुक्र के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

पराई स्त्री से संबंन्ध बन जाये। बिना बीमारी के अंगुठा सुन्न पड़ जाये। जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो जाये या उसे कोई दिमागी बीमारी लग जाये। खांसते वक्त मुंह से खुन आये। सास बहु में लगातार झगड़ा हो।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह किया तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में शुक्र के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कामुक हो सकते हैं और इस कारण से आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुँच सकती है। यदि आपकी संगति बुरी हुई या आप प्रेम प्रसंग में पड़े तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपके कारण आपके मित्रों को परेशानी हो सकती है। आप दोहरी प्रकृति वाले व्यक्ति होंगे। आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है या आपको संतान प्राप्ति में देरी हो सकती है। यदि आप प्रेम विवाह करते हैं तो आपको पुत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपकी बहन या बुआ के धन का नाश हो सकता है।

आपका चाल–चलन ठीक नहीं हो सकता है। अपने जीवनसाथी के साथ आपका अक्सर झगड़ा हो सकता है, जिसके कारण आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं हो सकता है। आप धर्म के नाम पर धोखाधड़ी कर सकते हैं। आपकी कथनी एवं करनी में अंतर होगा। यदि आप आशिक मिजाज, काम–वासना में लिप्त या पराई स्त्रियों के प्रति आसक्त हुए तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आप कई समस्याओं में फंस सकते हैं।

आपको शुक्र के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

गाय की सेवा करें। बूढ़ी औरतों की सेवा करें। अपने शरीर पर दही या दूध मलकर स्नान करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में शुक्र के साथ बैठे ग्रहों या शुक्र पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में शुक्र पांचवें भाव में स्थित है। आपके जीवनसाथी की तबीयत अक्सर खराब रह सकती है। उनका स्वास्थ्य आपके लिए चिंता का विषय हो सकता है।

आपके जीवनसाथी को चाहिए की सोते वक्त सिरहाना पूर्व की ओर रखें। अपने शयन कक्ष में एक मध्य आकार के कटोरे में सेंधा नमक के टुकड़े रखें। साथ ही चार रत्ती का सुनैला, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर, गुरुवार को, शुक्ल पक्ष में, दाहिने हाथ की तर्जनी में धारण करें। इस उपाय से अवश्य लाभ होता है। स्वास्थ्य उत्तम रहता है।

आपकी कुण्डली में शुक्र पांचवें भाव में स्थित है एवं सूर्य, चंद्रमा और राहु पहले एवं सातवें भाव में स्थित है। आपके खर्च में बढ़ोतरी हो सकती है।

खर्च में कमी के लिए, सोते वक्त दक्षिण की तरफ सिरहाना रखें। पानी में 2 चम्मच सेंधा नमक डाल कर नहाएं। हर मंगलवार गाय, या कोढ़ी को मीठा खिलाएं। मिठाई देसी घी की बनी हो। साथ ही प्रतिदिन हनुमान बाण का पाठ करें। यह संभव न हो, तो मंगलवार, शनिवार सुंदर कांड का पाठ करें, या कैसेट सुनें। जल्द ही परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र पांचवें भाव में स्थित है। आपको प्रेम विवाह नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर काफी अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह रहा है तो अपने गुप्तांगों को दूध से धोयें।

आपकी कुण्डली में पांचवें भाव में शुक्र के साथ कोई पुरुष ग्रह स्थित है। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी एवं आप अपने परिवार पर विशेष ध्यान देंगे।

आपकी कुण्डली में शुक्र की दृष्टि में कोई ग्रह नहीं है। आपके जीवनसाथी को कुछ अशुभ प्रभाव प्राप्त हो सकता है। यदि आप इत्र या खुशबूदार वस्तुओं का कारोबार करते हैं तो आपको असफलता मिल सकती है।

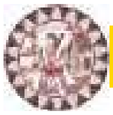

कुण्डली में शनि देव का प्रभाव और उपाय

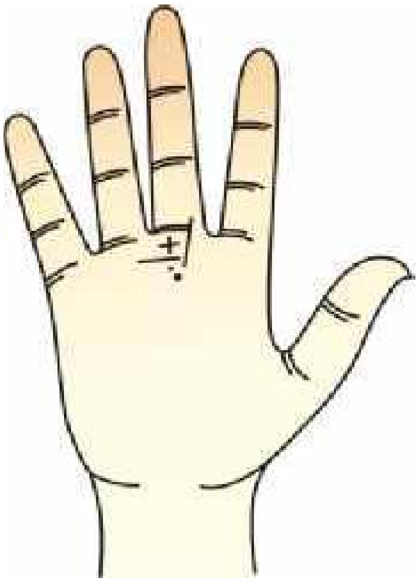

निम्न समयावधि में आपको शनि का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1973 से 17/12/1979 तक, 18/12/2008 से 17/12/2014 तक, 18/12/2043 से 17/12/2049 तक)

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणी व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप चालाकी से काम करेंगे तो आपको हर तरह की सुख–सुविधा प्राप्त होगी। यदि आप धार्मिक एवं रहमदिली का कार्य करेंगे तो आप कई अनचाही समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आप परेशानियों से घिरे रह सकते हैं। आप बर्बाद भी हो सकते हैं। आप कोई ऐसा रोजगार/नौकरी कर सकते हैं, जिसमें कई छोटी–बड़ी यात्रायें करनी पड़ सकती हैं। आपके पास मकान बनाने के लिए पर्याप्त धन होगा, लेकिन मकान बन जाने के बाद आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। यदि आप दूसरों की इज्जत करेंगे तो आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपके पिता दीर्घायु होंगे। आप जब तक शराब का सेवन नहीं करेंगे, शनि का शुभ फल प्राप्त होता रहेगा।

आपको शनि के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

48 वर्ष की आयु से पहले मकान न बनवायें। जीव हत्या न करें। अपने पास कोई हथियार न रखें। ए भाग–दौड़ वाले काम न करें। मजदूरों का पैसा अपने पास न रखें। मांस–मदिरा का सेवन न करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी शनि

के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

एकाएक मकान ढह जाये। अचानक घर में दुध देने वाला पशु मर जाये। घर में अगलगी की घटनाएं होने लगें। चमड़े का जुता/चप्पल खो जाये। छोटा भाई दुश्मनी करने लगे। परिवार के किसी ब्यक्ति की लड़ाई–झगड़े में मौत हो जाये। नशा करने की लत पड़ जाये। धोखे से पैसा कमाना शुरू कर दें। जमीन जायदाद का नुकशान होने लगे। बुढापा गरीबी में कटने लगे। कोई लाइलाज बीमारी लग जाये।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा करने वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में शनि के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉं साल अशुभ हो सकता है। धार्मिक या दरियादिल बनने पर आपका वजूद खत्म हो सकता है। यदि आप क्रोधी एवं चालाक स्वभाव वाले हैं तो शुभ फल प्राप्त होगा। आपके अपने नाम पर मकान नहीं हो सकता है, लेकिन जमीन हो सकती है। आप जादू–टोना, तंत्र–मंत्र की तरफ भी आकर्षित हो सकते हैं। यदि आपने अपने नाम पर मकान बनाया, आपकी आर्थिक तंगी शुरू हो जाएगी।

आपको अपने काम के सिलसिले में काफी घूमना पड़ सकता है। यदि आपने अंधे भिखारी को रूपया पैसा दान किया तो आपको अशुभ फल प्राप्त होंगे। यदि आपकी दाढ़ी–मूँछ के बाल कम हैं तो आप पर कोई विश्वास नहीं कर सकता है। आप बहुत जल्द परिस्थितियों से घबरा सकते हैं। आप हिम्मती नहीं हो सकते हैं। आपके माता–पिता का जीवन कष्टमय हो सकता है। आप जीविकोपार्जन के लिए भाग–दौड़ कर सकते हैं। आप मादक पदार्थों का सेवन कर सकते हैं। आपको आंखों से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

आपको शनि के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

अपने घर में पीतल के बर्तन में गंगाजल भरकर रखें। 43 दिन तक लगातार चने की दाल बहते हुए पानी में प्रवाहित करें। धार्मिक स्थानों की यात्रा करें। दस अंधों को खाना खिलायें। भैरों मंदिर में शराब का दान न करें। रोटी पर सरसों का तेल लगाकर कौओं एवं कुत्तों को खिलायें। सिर पर चोटी रखें। माथे पर हल्दी या केसर का तिलक करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में शनि के साथ बैठे ग्रहों या शनि पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है एवं दूसरा भाव खाली है। आपको शनि का अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। 43 दिन तक लगातार चने की दाल बहते हुए पानी में प्रवाहित करें।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है एवं चौथे भाव में शनि के शत्रु ग्रह सूर्य या चंद्रमा स्थित है। यदि आप जानवरों की हत्या करेंगे तो आपकी 27 वर्ष की उम्र तक आपके धन–दौलत पर अशुभ असर पड़ सकता है। आप आपराधिक किस्म के लोगों की संगति भी कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में शनि और केतु एक साथ दसवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति शुभ परिणाम प्रदान करती है। इसमें शनि की प्रमुख भूमिका होती है। इस युति के किसी अन्य ग्रह से जुड़ने पर

तीनों का प्रभाव मंद पड़ जायेगा। आपके भाग्य का निर्णय आपकी 18 वर्ष की आयु के बाद होगा। आपमें संतानोत्पत्ति की क्षमता अधिक होगी। आपको एक रंग का जानवर ही पालना चाहिए। एक से अधिक रंगों (चितकबरा) का जानवर पालने से शनि और केतु अशुभ हो जायेंगे। घोड़ा पालने से कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कुण्डली में राहु देव का प्रभाव और उपाय

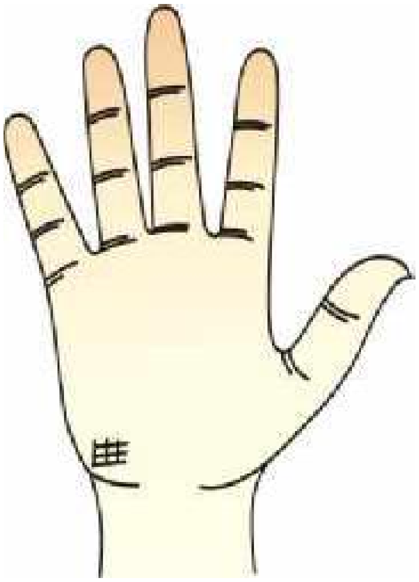

निम्न समयावधि में आपको राहु का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1979 से 17/12/1985 तक, 18/12/2014 से 17/12/2020 तक, 18/12/2049 से 17/12/2055 तक)

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में स्थित है। आप सद्‌गुणी, धनी और दीर्घायु होंगे। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेंगे। आप सज्जन होंगे और आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। आप बड़ी सम्पत्ति के मालिक होंगे। आपको अपने संबंधियों से धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप दूसरों की मदद करेंगे और लोग आपको परोपकारी व्यक्ति मानेंगे। आप दयालु होंगे और आपको वाहन का सुख प्राप्त होगा। आप अपनी बहन और पुत्री के लिये धन खर्च करेंगे। आपको अपने ससुराल से धन और लाभ प्राप्त होते रहेंगे। आपके ससुराल वालों का धन बढ़ेगा। आप 24 साल की आयु के बाद धन संग्रह करेंगे। आपके पिता और संतान को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, परन्तु आपकी माता के साथ ऐसा नहीं हो सकता है। आपको भूमि, भवन, वाहन और जीवन के अन्य सुख प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप अपने विभाग में एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको बन्दूक या पिस्तौल रखने का शौक होगा।

आप धर्मात्मा व्यक्ति होंगे, लेकिन आपको धन की कमी हो सकती है। आपको अपने पुराने मकान की केवल छत नहीं बदलनी चाहिए, बदलनी है तो दीवार भी बदलें। धन हानि हो सकती है। यदि केवल छत ही बदलनी पड़े तो पुरानी छत का मलबा नई छत बनाने के सामान में मिला लें। यदि आप राहु के चीजें अपनाते हैं या कायम करते हैं तो आप पूरी तरह से बर्बाद हो सकते हैं। अपने घर में कोयले की बोरियां न रखें। अपने घर के अंदर भट्ठी या तंदूर न बनायें। अपने घर की छत न बदलवायें। आपके पिता एवं पुत्र को शुभ फल प्राप्त होंगे, लेकिन आपकी माता को अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। आपकी 24 वर्ष की उम्र के बाद आपके ननिहाल

में स्थिति खराब होनी शुरू हो सकती है। धन का नुकसान हो सकता है।

आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिंता का विषय हो सकता है। आपकी 12, 24 या 48 वर्ष आयु में या आपके पुत्र के जन्म के बाद आपके माता–पिता को शुभ फल प्राप्त होंगे। आप जासूसी कर सकते हैं या आपमें जासूसी का गुण हो सकता है। गंगा स्नान करना आपके लिए लाभदायक होगा। यदि आपको उधार दिया पैसा वापस नहीं मिल रहा है तो हमेशा अपनी जेब में चांदी की चार गोलियां रखें।

आपको राहु के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

घर की छत पर कोयला इत्यादि ईंधन न रखें। घर में या आंगन में धुआं न करें। झूठी गवाही न दें। तम्बाकू का सेवन न करें। माता समान स्त्री के साथ विवाह न करें और न ही अवैध संबंध रखें। गंगा स्नान करें। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर न बनायें। एक साथ पूरा घर बनवायें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी राहु के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

अचानक ही परिवार के बड़ों में लड़ाई–झगड़ा होने लगे। मकान की छत बदलवानी पड़े। काला कुत्ता खो जाये। धर्म और धार्मिक कार्यों का विरोध करने लगें। पेट के रोगी हो जायें। तलाक की नौबत आ जाये। ठीक–ठाक चलता कारोबार अचानक ठप्प पड़ जाये। दर–दर भटकने की नौबत आ जाये। रात को नीद ना आये। बुरी आदतों पर पैसा खर्च होने लगे। जीवनसाथी का गर्भपात हो जाये।

यदि आपने पूजा का स्थान बदला, लकड़ी का कोयला अपने घर की छत पर रखा, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनायी, अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ संबंध रखा तो आपका राहु कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में राहु के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको 34 साल की आयु के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को भी परेशानी हो सकती है। आपके ससुराल और ननिहाल वालों को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी रखैल पर धन बर्बाद करने के बाद अपना जीवन बर्बाद कर सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देख सकते हैं। आपकी माता को कष्ट हो सकता है। आपको सवारी का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आप सुनहरे सपनों में खोये रह सकते हैं। यदि घर की छत बदलनी पड़े तो पुराना मलबा मिलाकर छत बनवायें, अन्यथा अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। अपने से बड़ी उम्र की स्त्री के साथ आपके अनैतिक संबंध हो सकते हैं। ऐसे संबंध की वजह से आपका धन एवं परिवार नष्ट हो सकता है।

आपको राहु के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

400 ग्राम या 1 किलो धनियां बहते पानी में सात बुधवार तक बहायें। हरिद्वार में गंगा स्नान करें। घर की चारदीवारी के अंदर किसी भी तरह का गंदा पानी जमा न होने दें। सरस्वती जी की पूजा–अर्चना करें। चार किलो सिक्के एवं श्री फल जल में प्रवाहित करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में राहु के साथ बैठे ग्रहों या राहु पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में एवं चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। आप धनी व्यक्ति होंगे एवं अपनी बहन एवं बुआ की मदद करेंगे।

कुण्डली में केतु देव का प्रभाव और उपाय

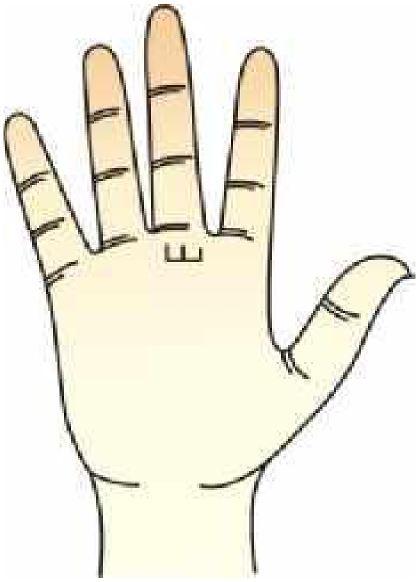

निम्न समयावधि में आपको केतु का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/12/1985 से 17/12/1988 तक, 18/12/2020 से 17/12/2023 तक, 18/12/2055 से 17/12/2058 तक)

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें घर में स्थित है। आप धनवान होंगे और हर तरह की सुख–सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे। आपका जीवन खुशहाल होगा और आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होगा। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। आप शंकालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपके जीवन में 40 वर्ष की आयु तक समय मिला–जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन सुखमय रहेगा। आप काफी चालाक हो सकते हैं एवं अच्छे–बुरे की पहचान की क्षमता होगी। आपको पुत्र सुख प्राप्त होगा। अपने भाई के साथ कभी बुराई न करें, आपको कभी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अपने भाई की गलतियों को नजर अंदाज या क्षमा करते रहें। आपको अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए। आप मौके का फायदा उठाना जानते हैं। हालॉकि आपकी नीयत ठीक होगी। आपका चाल–चलन उत्तम होगा।

आपको केतु के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपना चाल–चलन ठीक रखें। भाई से झगड़ा न करें। माता से धोखा–ठगी न करें। कुत्तों को न मारें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी केतु के

अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

औलाद को सांस से संबंन्धित बीमारी लग जाये। शुगर (मधुमेह) की बिमारी हो जाये। औलाद की पैदाइश में परेशानी हो। जोडों का दर्द परेशान करे। दीवानी मुकदमे में पैसा खर्च हो। कुत्तों से डर लगने लगे। मकान की छत गिर जाये। भाई की तरफ से परेशानी हो। अचानक ही फोडे–फुंसी से परेशान हो जायें।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पराई स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में केतु के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि किसी कारण वश केतु मंदा हो गया तो आपका चाल–चलन ठीक नहीं हो सकता है। आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपकी पुत्रियां अधिक हो सकती या आपको पुरुष संतान नहीं हो सकती है या संतान गोद लेने की नौबत आ सकती है। इसकी वजह से आपको बहुत परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आपके भाई आपको बर्बाद कर सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग कर सकते हैं। पराई औरत के साथ संबंध आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुंचा सकता है। यह आपके जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। आपको 48 वर्ष की आयु के आस–पास या माता की मौत के बाद पुत्र सुख मिल सकता हैं। आप दूसरों का एहसान नहीं मानेंगे।

आपको केतु के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

मकान की नींव में शहद एवं दूध दबायें। चांदी के बर्तन में शहद भरकर घर में रखें। 48 साल की उम्र के बाद अपने घर में कुत्ता पालें। गणेश जी की पूजा करें। 9 वर्ष से छोटे लड़कों को भोजन करायें। काले एवं सफेद तिल को नाले में प्रवाहित करें। कानों में शुद्ध सोने की ननातियां पहनें। काला–सफेद कंबल धर्म स्थान में दें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में केतु के साथ बैठे ग्रहों या केतु पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में केतु दसवें भाव में स्थित है एवं शनि शुभ भाव में है। आपमें मिट्टी को सोने के भाव बेचने की क्षमता होगी। आपकी संतान योग्य होगी। दो सोने के ईंट अपने घर के लॉकर में रखें।

यदि आपकी संतान पर केतु का अशुभ प्रभाव पड़ रहा है तो घड़े की शक्ल के चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखने से शुभ प्रभाव पड़ेगा। यदि फिर भी अशुभ प्रभाव कम नहीं होता है तो उस बर्तन को किसी सुनसान जगह पर मिट्टी के अंदर दबायें। 48 वर्ष की उम्र के बाद घर में कुत्ता पालना लाभदायक होगा।

लाल किताब वर्षफल (50)

(18:12:2022 To 17:12:2023)

Name - Sample

Date - 18/12/1973 **Time - 01:45:00**

POB - Ballia (up), INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

MindSutra Software Technologies

www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

Contact - 9818193410, 9350247058

© Mindsutra's StarLight Premium 11

सूर्य

भाव न. 3, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,केतु)

चन्द्रमा

भाव न. 4, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में

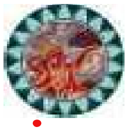

मंगल

भाव न. 11, शुभ भाव में

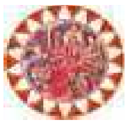

बुध

भाव न. 8, स्वभाव (गुरू), अशुभ भाव में, साथी (शनि)

गुरू

भाव न. 6, राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में

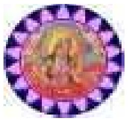

शुक्र

भाव न. 6, नीचस्थ, मित्र के घर में, अशुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)

शनि

भाव न. 7, बद स्वभाव, उच्चस्थ, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (बुध)

राहु

भाव न. 3, उच्चस्थ, मित्र के घर में, शुभ भाव में

केतु

भाव न. 7, कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (सूर्य,शुक्र)

लाल किताब वर्षफल

Varshphala - 50 (18:12:2022 To 17:12:2023)

लाल किताब टेवा

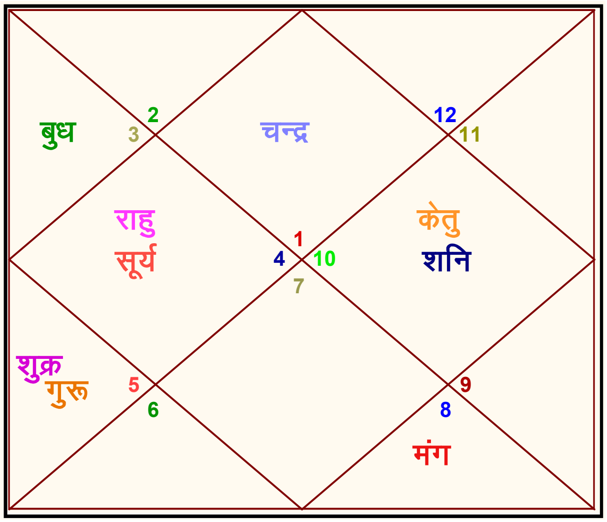

वर्षफल कुण्डली (50)

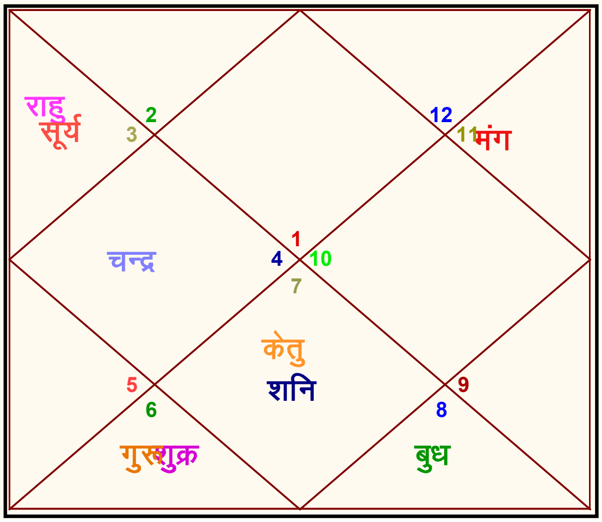

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

ग्रह दृष्टि (लाल किताब)

ग्रह	मुख्य	मददगार	टकराव	बुनियाद	दुश्मन	साझी दिवार	अचानक चोट
सूर्य	मंग.(50)	शनि, केतु		मंग.		चन्द्र	
चन्द्रमा		बुध	मंग.			शनि, केतु	गुरू, शुक्र
मंगल (बद)		सूर्य, राहु	गुरू, शुक्र	शनि, केतु	बुध		
बुध			सूर्य, राहु	चन्द्र			गुरू, शुक्र
गुरू					सूर्य, राहु	शनि, केतु	चन्द्र, बुध
शुक्र					सूर्य, राहु	शनि, केतु	चन्द्र, बुध
शनि		मंग.		सूर्य, राहु	चन्द्र	बुध	
राहु	मंग.(50)	शनि, केतु		मंग.		चन्द्र	
केतु		मंग.		सूर्य, राहु	चन्द्र	बुध	

तीसरे भाव में स्थित सूर्य का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। इस वर्ष आपके द्वारा की हुई यात्रायें सफल होंगी। ज्योतिष, योग और अध्यात्म जैसे विषयों में आपकी रूचि बढ़ेगी। अपने अधिकारियों से आपके संबंध मधुर होंगे, नाकरी/कारोबार में प्रगति होगी। यदि आप कोई अधिकारी हैं, तो आपको नये अधिकार प्राप्त होंगे।

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) 50 ग्राम जौ लाल कपड़े में बांध कर अपने घर के किसी अंधेरी कोठरी में रखें।
(2) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(3) सबका भला सोचें।

चौथे भाव में स्थित चन्द्रमा का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने भाई–बन्धुओं से सहयोग और सहायता प्राप्त होगी। आर्थिक स्थिति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। आप नए वाहन खरीद सकते हैं। कपड़े और जल से सम्बन्धित वस्तुओं का व्यापार आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। समुद्री यात्राओं का भी इस वर्ष योग है, जिससे आपको लाभ होगा।

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) अपनी माता को अपनी कमाई में से हिस्सा दें।
(2) इस वर्ष कोई भी कार्य शुरू करने से पहले अपने घर में दूध से भरा मिट्टी का घड़ा रखें। दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार ना करें।
(3) बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।
(4) दूध ना जलायें।
(5) दान–पुण्य करते रहें।

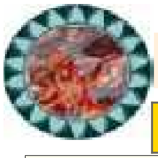

ग्यारहवें भाव में स्थित मंगल का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता और भाई से आपको सभी कार्यों में सहायता प्राप्त होगी। आपके ननिहाल के लिए भी यह वर्ष उत्तम है। आप अपने मित्रों की यथा संभव सहायता करेंगे। आध्यात्मिक प्रगति के लिए भी यह वर्ष उत्तम होगा।

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) मिट्टी के बर्तन में शहद या सिन्दूर भरकर रखें।
(2) अपनी पैतृक सम्पत्ति ना बेचें।
(3) अपने पुत्र के जन्मदिन पर साले और भान्जे को उपहार दें।
(4) अपने बहन–बहनोई की सेवा करें।

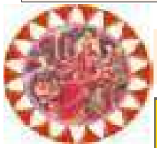

आठवें भाव में स्थित बुध का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी हो सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन भी ज्यादा सुखमय नहीं हो सकता है। इस वर्ष आपको विपरीत लिंग के व्यक्तियों से संबंध बनाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अशांत हो सकता है।

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) अपने घर की छत पर बारिश का पानी रखें।
(2) नितम्ब पर काला सुरमा लगायें।
(3) घर के पूजास्थान को ना बदलें।
(4) कुल्हड़ में शहद भरकर विराने में दबायें।
(5) ताँबे के बर्तन में हरी मूंग भरकर जल में प्रवाहित करें।

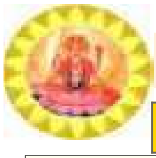

छठे भाव में स्थित गुरू का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में गुरू अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने पिता या दादा से आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं अथवा इनका स्वास्थ्य आपको चिन्ताग्रस्त कर सकता है। इस वर्ष आपको कोई भी लोन, दान या मुफ्त में दिया गया कोई भी सामान नहीं लेना चाहिए। इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते हैं। इस वर्ष आपका मामा या चाचा या ताउ से झगड़ा होने की संभावना है।

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) चने की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
(2) इस वर्ष अपने कुल–पुरोहित या किसी भी मंदिर के पुजारी को वस्त्र दान करें।
(3) मुर्गियों को अनाज डालें।
(4) दान या मुफ्त की कोई भी वस्तु ना लें।

छठे भाव में स्थित शुक्र का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में कड़वाहट रह सकती है और आपके जीवनसाथी के पैरों या पैर की एड़ियों में कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी को इस वर्ष गुप्त रोग होने की भी संभावना हो सकती है। किसी स्त्री से विवाद होने के कारण आपको आर्थिक हानि भी उठानी पड़ सकती है। इस वर्ष प्रणय संबंध में किसी मित्र के द्वारा विश्वासघात की भी संभावना है।

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) अपनी पत्नी को नंगे पांव ना चलने दें।
(2) स्त्रियों का आदर करें।
(3) ठोस चांदी अपने पास रखें।

सातवें भाव में स्थित शनि का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष यदि आप जनहित में दूसरों की भलाई के कार्यों में ध्यान लगायेंगे, तो आपके पास बड़ी मात्रा में धन आयेगा। इस वर्ष नया मकान बनने का योग है और आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त हो सकती है। लोहा, कोयला, तेल, मशीनरी इत्यादि के व्यापार से आपको लाभ होगा। यदि आप राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं, तो आपको किसी पद की भी प्राप्ति हो सकती है। आपके पारिवारिक एवं मानसिक सुख में भी वृद्धि होगी। आपके पिता, ससुर और जीवनसाथी के लिए भी यह वर्ष उत्तम है।

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) मिट्‌टी के बर्तन में शहद भरकर विराने में दबायें।
(2) बुरे लोगों की संगति ना करें।
(3) डॉक्टर और केमिस्ट की संगति से बचें।
(4) काली गाय की सेवा करें।

तीसरे भाव में स्थित राहु का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक मामलों में यह वर्ष भाग्यशाली होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी और आपके शत्रु इस साल दबे रहेंगे। भविष्य में घटने वाली घटनाओं का आपको पूर्वाभास हो जाएगा और आपके लेखन में तलवार जैसी ताकत होगी। सट्‌टे, लॉटरी इत्यादि से आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। संतान पक्ष से कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। वर्ष के अन्त में भाग्योदय से संबंधित कोई विशेष घटना घटित हो सकती है।

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) हाथी दांत या इससे बनी हुई वस्तुओं का व्यवसाय ना करें।
(2) हाथी की शक्ल के खिलौने अपने घर में ना रखें।
(3) चांदी की डिब्बी में चावल डालकर अपने घर में रखें।

सातवें भाव में स्थित केतु का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी धन–सम्पत्ति और मान–मर्यादा में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। पारिवारिक और मानसिक स्थिति ठीक रहेगी। आपकी संतान भी आपकी सहायता करेगी। तीर्थाटन की भी संभावना है। टेलीविजन, कम्प्यूटर इत्यादि के व्यापार में लाभ होगा। समाज में आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनीं चाहिए।

उपाय

(1) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(2) 4 केले 4 दिन बहते हुए पानी में बहायें।
(3) 4 नींबू 4 दिन तक जल में प्रवाहित करें।

वर्षफल में महत्वपूर्ण योग

आपके वर्षफल कु डली में बुध आठवें भाव में स्ि त है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष बिमारियों पर अधिक धन खर्च होने की संभावना है। उपाय के तौर पर अपने ज मदिन से ४८ दिन पहले और ४८ दिन बाद तक मिट्‌टी के बर्तन में गुड़ भरकर विराने में दबायें

आपके कु डली बुध तीसरे, आठवें, नवें, यारहवें या बारहवें भाव में स्ि त है। लाल किताब के अनसुसार, बृहस्पति का फल अशुभ हो जायेगा, और सरकारी कार्यों में असफलता प्राप्त होगी।

आपके वर्षफल कु डली में राहु तीसरे भाव बैठा हुआ है और मंगल बारहवें भाव स्ि त नहीं है। लाल किताब अनुसार, इस ग्रह युति का आपके बहन या बेटी पर बुरा असर पड़ सकता है। हा ी दांत की वस्तुएं अपने पास न रखें।

आपके वर्षफल कु डली में शुक्र और बृहस्पति या शुक्र और केतु एक सा ा छठे भाव में स्ि त हैं। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी स्त्री को कष्ट हो सकता है, एवं धन हानि की भी संभावना हो सकती है।

आपके वर्षफल कु डली में शनि सातवें भाव में और उसके शत्रु ग्रह तीसरे या पांचवें भाव में स्ि त है। लाल किताब के अनुसार, आपको और आपके पिता को इस वर्ष कष्ट हो सकता है। काली गाय की सेवा करें।

लाल किताब मासिक कुण्डली (1)

Date Range -18:12:2022–17:01:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

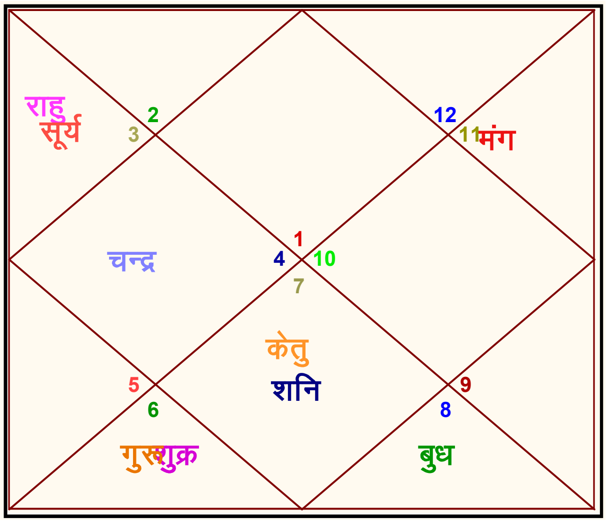

मासिक कुण्डली (1)

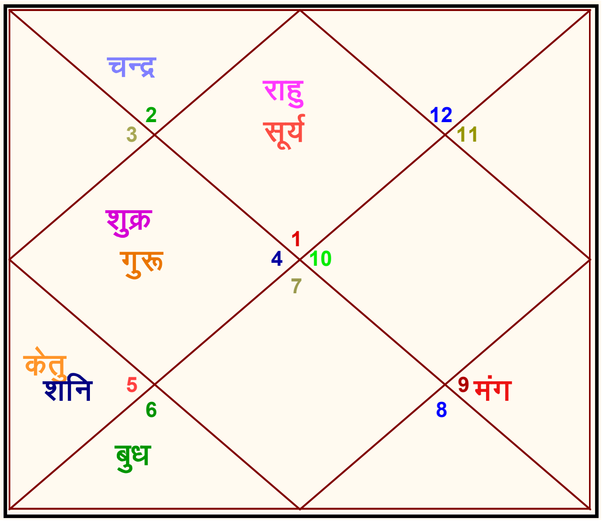

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
मंगल + शनि	(दृष्टि–50), राहु (उच्च), झगड़े / फसाद
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत / बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	1	उच्चस्थ, पक्के घर का, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू)	शुक्र	4	राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,शनि,केतु)
चन्द्रमा	2	उच्चस्थ, भाग्योदय का, शुभ भाव में, साथी (गुरू,शुक्र)	शनि	5	बद स्वभाव, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल	9	मित्र के घर में, शुभ भाव में	राहु	1	राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
बुध	6	स्वभाव (गुरू), ग्रहफल, उच्चस्थ, अपने घर का, शुभ भाव में	केतु	5	अशुभ भाव में
गुरू	4	उच्चस्थ, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)			

लाल किताब मासिक कुण्डली (1)

Date Range -18:12:2022–17:01:2023

आपको हड्डियों से संबंधित रोग होने या चोट लगने की संभावना होगी। बन्दरों को गुड़ या केला खिलायें। आपकी प्रतिष्ठा में कमी आएगी। यदि आपके मकान में कोई अंधेरा कमरा है तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान या कोई अन्य व्यवस्था न करें, अन्यथा आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो जाएगी या आपको धन की हानि होगी।

आपको मांस–मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान को कष्ट हो सकता है। आपको अपनी माता या माता समान किसी स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिए, अपनी उन्नति में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। माता या माता समान स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें। आपको आंखों से संबंधित कोई समस्या हो सकती है। अपनी माता से चावल–चांदी लेकर सफेद कपड़े में बांध कर अपने पास रखें।

आपका अपने पिता से वाद–विवाद या झगड़ा या अलगाव होने की संभावना है। भाई की पत्नी की सेवा करें। धर्म एवं धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में आस्था नहीं होगी तथा आप धर्म विरोधी बातें कर सकते हैं। लाल रंग का रूमाल अपने पास रखें।

आपका गृहस्थ जीवन सुखमय नहीं होगा। अपने ननिहाल के साथ भी आपके मधुर संबंध नहीं रहेंगे। मिट्टी के बर्तन में दूध भरकर वीराने में दबायें। जहां तक संभव हो सके, किसी भी तरह के वाद–विवाद या झगड़े से दूर रहें, आपकी जीत तो होगी, लेकिन साथ में धन हानि भी होगी। शुद्ध चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करें।

आपकी माता को कष्ट हो सकता है या किसी कारण से माता से विरह हो सकता है। मांस–मदिरा का सेवन करने से आपकी शिक्षा या उससे संबंधित कामों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप अपने जमीन–जायदाद के प्रति चिंतित रहेंगे। कुल पुरोहित को धन, वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद लेते रहें।

अपने रोजगार में किसी तरह की हानि की संभावना है, जिससे आपको मानसिक तनाव होगा। चार आडू के गुठली में सुरमा भरकर वीराने में दबायें। पराई स्त्रियों से आपके अनैतिक संबंध हो सकते हैं, जो आपके परिवार में कलह का कारण हो सकता है। आपकी माता एवं पत्नी में अक्सर विवाद या झगड़ा हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा, खासकर अपने पेट एवं गुर्दे का विशेष ध्यान रखें। सांप को दूध पिलायें। अपने भाई–बंधुओं से छल–कपट या झगड़ा न करें। मांस–मदिरा का सेवन करना आपके लिए अशुभ फलदायक होगा। शुद्ध सोना या केसर अपने पास रखें। आपके परिवार में कुछ समस्यायें कलह करवा सकती हैं।

अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। आपको सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। आप कुछ अनैतिक तरीके से भी धनोपार्जन की सोच सकते हैं।

अपने गुरू या पिता से वाद–विवाद या झगड़ा करने से अशुभ फलों की प्राप्ति होगी। अपने दादा, पिता एवं गुरू की सेवा करें। यदि आपने अपना चाल–चलन खराब किया तो आपकी संतान को कष्ट होगा, अपना चरित्र साफ रखें। आपको गुर्दे, सांस या दमा रोग होने की संभावना हो सकती है।

लाल किताब मासिक कुण्डली (2)

Date Range -18:01:2023–17:02:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

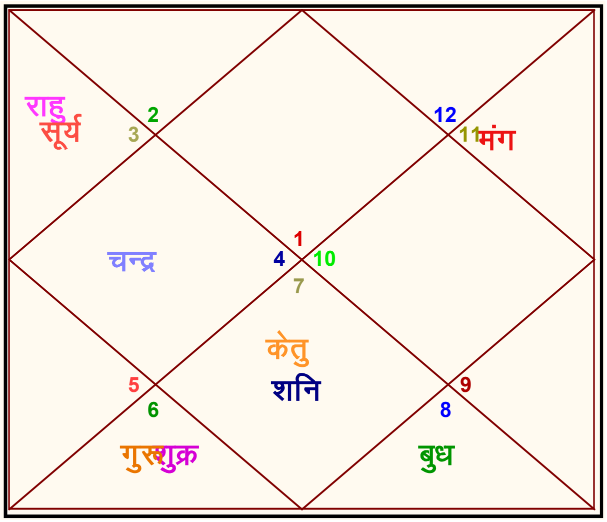

मासिक कुण्डली (2)

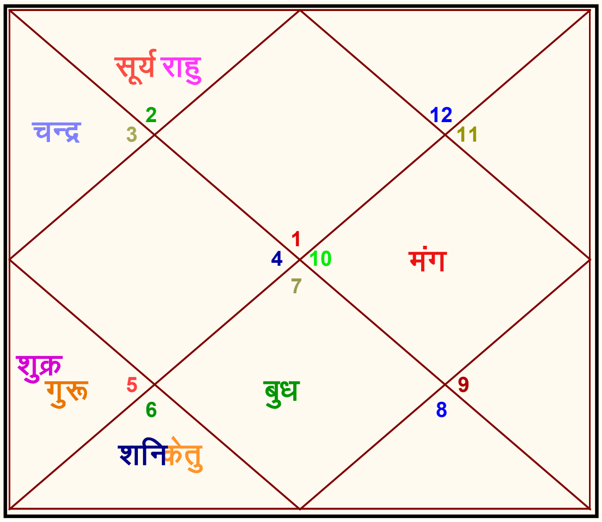

ग्रह योग

सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), मंगल (बद), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), राहु (नीच), औलाद जिंदा रखने का मालिक
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	2	शत्रु के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,शुक्र)	**शुक्र**	5	शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (सूर्य,शनि,केतु)
चन्द्रमा	3	कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (राहु)	**शनि**	6	बद स्वभाव, राशिफल, मित्र के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल	10	उच्चस्थ, कायम, शुभ भाव में	**राहु**	2	ग्रहफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)
बुध	7	स्वभाव (गुरू), पक्के घर का, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शनि)	**केतु**	6	ग्रहफल, नीचस्थ, पक्के घर का, अपने घर का, अशुभ भाव में
गुरू	5	ग्रहफल, पक्के घर का, मित्र के घर में, शुभ भाव में			

सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से आपको लाभ, सहयोग एवं सम्मान प्राप्त होगा। आपके परिवार की उन्नति होगी। आप अपने भाई–बंधुओं की उन्नति में मददगार होंगे। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में आपकी रूचि होगी एवं आप बढ़–चढ़ का हिस्सा लेंगे।

आपको शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दुर्गा पाठ करें या 9 वर्ष से कम उम्र के कन्याओं की सेवा करें। किसी से उपहार स्वरूप मिला सामान अपने लिए प्रयोग न करें। किसी संस्था या होस्टल के विद्यार्थियों के लिए मिला धन या सामान भी अपने लिए प्रयोग न करें। गुड़, तांबा का दान करें।

यदि अपने घर का सोना बेचा या गिरवी रखा तो आप अपनी पत्नी एवं संतान के प्रति चिंतित रहेंगे। आपको नमक का प्रयोग अधिक मात्रा में नहीं करना चाहिए या नमकीन चीजों के खाने का शौक नहीं रखना चाहिए, अन्यथा आपको रक्तचाप की शिकायत हो सकती है। काले, काने एवं गंजे व्यक्ति की सेवा करें।

किसी कार्य से बाहर जाने से पहले या कोई नया कार्य शुरू करने से पहले चीनी खाकर पानी अवश्य पियें। विदेश से संबंधित कामों एवं यात्राओं में हानि होने की संभावना है। साझेदारी में कोई काम करने से बचें। आपके भाई–बंधु आपका विरोध कर सकते हैं। कोर्ट–कचहरी के मामलों में धन हानि एवं समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, बाद में भले ही आपकी जीत हो।

आपके वंश में बढ़ोत्तरी होगी तथा संतान सुख प्राप्त होगा। लेखक के रूप में आप धनोपार्जन कर सकते हैं। आपकी तरक्की होगी तथा आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में कोई पुत्र संतान के जन्म होने की संभावना है।

आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है। अपने गुप्तांग दूध या दही से साफ करें। आप अपनी बहन, बुआ एवं बेटी के धन का दुरूपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है तो आपका विवाह हो सकता है। अपने माता–पिता की इच्छा के खिलाफ या अंर्तजातीय विवाह न करें, संतान सुख में बाधा होगी।

आपको अपनी संतान से सुख प्राप्त होगा। यात्राओं से आपको लाभ होगा। जो काम आप अमावस्या के दिन शुरू करेंगे, उसमें आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपको मकान से संबंधित काम या लोहा, लकड़ी या पुरानी वस्तुओं के काम से लाभ प्राप्त होगा। आपको अपना प्रत्येक काम गुप्त तरीके से करना चाहिए।

आपको अपने ननिहाल या ससुराल से लाभ प्राप्त होगा। आपका भाग्य में उतार–चढ़ाव होता रहेगा। चोरी का सामान न खरीदें, आप पर चोरी का आरोप लग सकता है। किसी से फ्री में या दान स्वरूप कोई सामान न लें। आपके धन में बढ़ोतरी होती रहेगी।

आपके ननिहाल पक्ष को शुभ फल प्राप्त होंगे एवं आपको अपने ननिहाल से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं होंगे। आपकी संतान आपकी सारी समस्याओं को हल करने में सक्षम होगी। आप जहां भी रहेंगे, सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे।

लाल किताब मासिक कुण्डली (3)

Date Range -18:02:2023–17:03:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

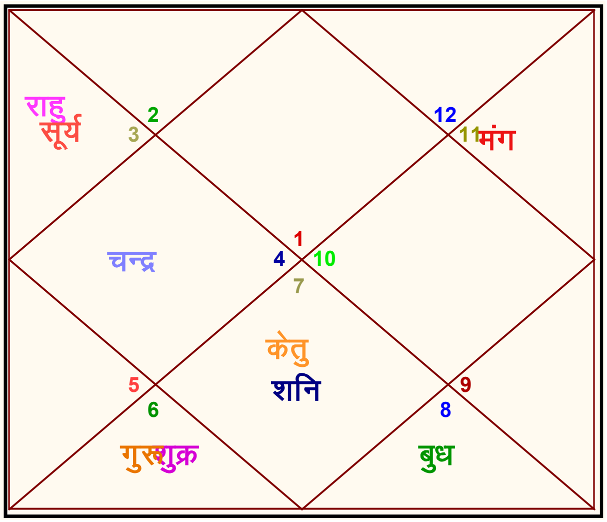

मासिक कुण्डली (3)

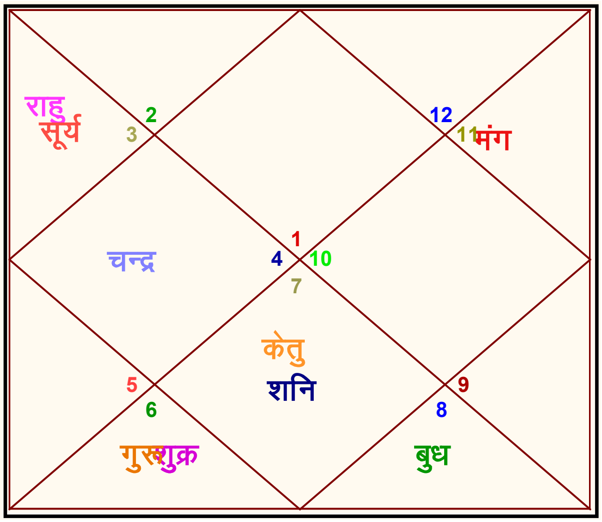

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	3	शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,केतु)	**शुक्र**	6	नीचस्थ, मित्र के घर में, अशुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	4	ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में	**शनि**	7	बद स्वभाव, उच्चस्थ, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	11	शुभ भाव में	**राहु**	3	उच्चस्थ, मित्र के घर में, शुभ भाव में
बुध	8	स्वभाव (गुरू), अशुभ भाव में, साथी (शनि)	**केतु**	7	कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (सूर्य,शुक्र)
गुरू	6	राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में			

आपके ननिहाल पक्ष को कुछ अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। पराई स्त्रियों के साथ अनैतिक संबंध न रखें। अपने भाई–बंधुओं से सावधान रहें, धोखा मिल सकता है। अपनी माता या माता समान स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें। आपका धन चोरी होने की संभावना है।

अपको शिक्षा से संबंधित कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को कुछ कष्ट हो सकता है या किसी कारण से आप अपनी माता के प्रति चिंतित रह सकते हैं। घर आए मेहमानों को दूध या मीठा पानी अवश्य पिलायें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, दुर्घटना की संभावना है।

अपने माता–पिता या भाई–बंधुओं के साथ व्यर्थ में वाद–विवाद या झगड़े हो सकते हैं। जीजा, साले एवं दोहते की सेवा करें। जमीन–जायदाद से संबंधित झगड़े होने की संभावना है। मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर भरकर रखें। यदि आपने अपना चाल–चलन खराब किया तो अच्छी आमदनी होते हुए भी आप कर्ज के बोझ तले दब सकते हैं।

आपका झुकाव जादू–टोना या ऐसी ही किसी अन्य विद्या की तरफ हो सकता है, जिससे आपको लाभ प्राप्त होने की संभावना बहुत कम है। बारिश का पानी छत पर रखें। आप किसी शारीरिक कष्ट से पीड़ित हो सकते हैं या आंतरिक रूप से धन हानि का सामना कर सकते हैं। आलस के कारण आप उन्नति के सुअवसर खो सकते हैं।

आपको धन–दौलत की कमी नहीं होगी। आपका ध्यान हमेशा अपने कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न करने में लगा रहेगा। आपको बहुत कम मेहनत से बहुत ज्यादा सफलता प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को पराजित करने में सक्षम होंगे।

आपको पुत्र संतान की चिंता रहेगी। किसी स्त्री की वजह से आपका धन चोरी हो सकता है। ठोस शुद्ध चांदी घर में रखें। आपकी पत्नी के पैरों या ऐड़ियों में दर्द रह सकता है, अपनी पत्नी से झगड़ा न करें।

कुछ परिस्थितियां ऐसी बन सकती हैं कि आपको अपना मकान या जायदाद बेचना पड़े, लेकिन बाद में आप पुनः उसे प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कपिला गाय की सेवा करें। आपको क्रोध अधिक आ सकता है, ऐसे में अपने पास कोई अस्त्र–शस्त्र न रखें, अन्यथा क्रोध पर नियंत्रण न होने की स्थिति में आप दूसरों को चोट पहुंचा सकते हैं। मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर वीराने में दबायें। किसी से वाद–विवाद या झगड़ा न करें, आपका अहित हो सकता है।

आपकी नौकरी या व्यवसाय में उन्नति होगी। आपके कुछ शत्रु तो होंगे, लेकिन वे आपको नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं होंगे। आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पूर्वाभास पहले ही हो जाएगा।

आपकी संतान मुसीबत के समय मददगार होगी। आपको आय के नए साधन प्राप्त होंगे। आप अपनी धुन के पक्के होंगे, जिससे आप मुश्किल समय में भी सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

लाल किताब मासिक कुण्डली (4)

Date Range -18:03:2023–17:04:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

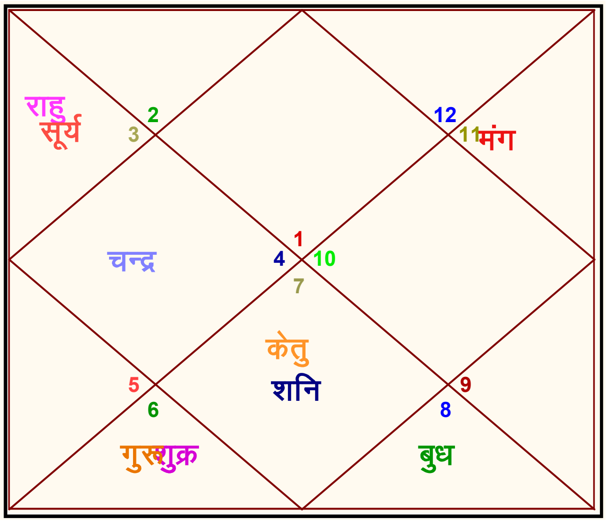

मासिक कुण्डली (4)

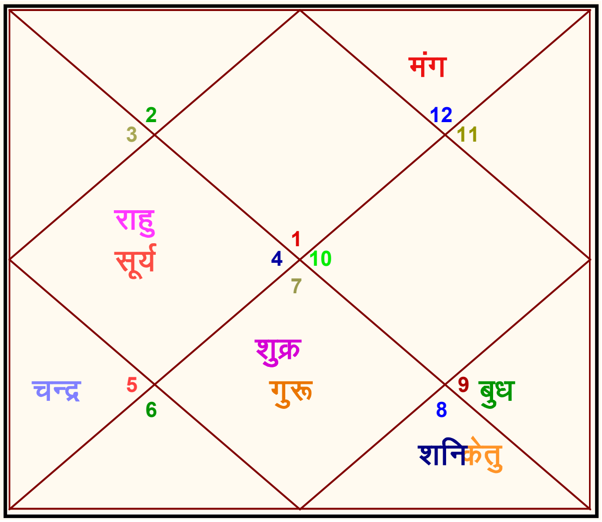

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	4	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू)	शुक्र	7	ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	5	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (सूर्य)	शनि	8	बद स्वभाव, पक्के घर का, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	12	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (राहु)	राहु	4	धर्मी, अशुभ भाव में, साथी (मंगल)
बुध	9	स्वभाव (गुरू), अशुभ भाव में, साथी (गुरू)	केतु	8	शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
गुरू	7	राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)			

रात में किये कामों से आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। वस्त्रों के काम से भी आप पर्याप्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अपनी माता या सास से संबंध खराब न करें, हानि होगी। सरकारी अधिकारियों या विभागों से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। समुद्री यात्रा से भी लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

आपको अपनी शिक्षा से संबंधित मामलों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप थोड़े–बहुत लालची एवं स्वार्थी हो सकते हैं, जिससे आपको अपनी उन्नति में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। समय–समय पर धार्मिक कार्य करते रहें। दूसरों के सामने अपने गुप्त रहस्य उजागर न करें, आपका रहस्य जानने के बाद वे ही आपके लिए परेशानियां पैदा कर सकते हैं।

आपका गृहस्थ जीवन सुखमय नही होगा। आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपको नमकीन चीज खाने का शौक नहीं रखना चाहिए, हानि होगी। नाश्ते में दूध वाला हलवा या चीनी की रोटी खायें। अपने बड़े भाई से आपका अलगाव हो सकता है या आपके दिमाग में उल्टी बातें आ सकती हैं।

आपके पिता का स्वास्थ्य आपके लिए चिंता का विषय हो सकता है। आपका गृहस्थ जीवन सुखमय नहीं हो सकता है तथा आप संतान के प्रति भी चिंतित रहेंगे। आपको जुबान से संबंधित किसी तरह की समस्या हो सकती है। लोहे की गोली पर लाल रंग करके अपने पास रखें।

आपकी पत्नी को अपने मायके से कुछ–न–कुछ सामान लाते रहना चाहिए। घर में बने मंदिर में पूजा करना आपके धन एवं परिवार के लिए अशुभ होगा। दीवार पर लगी तस्वीरों की पूजा करने से कोई नुकसान नहीं होगा। शुद्ध सोना एवं रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें। बुरे लोगों की संगति से बचें।

सरकारी अधिकारियों या विभागों की वजह से आप परेशानी में पड़ सकते हैं। कोर्ट–कचहरी के मामलों में भी आपको हानि हो सकती है। आपका वैवाहिक जीवन मधुर नहीं हो सकता है, संबंधों में खटास आ सकती है। आपकी माता एवं पत्नी के बीच भी विवाद होता रहेगा। अपने भाई–बंधुओं के कारण आपके कारोबार में हानि होगी या आपका धन बर्बाद होगा।

आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। पुत्र संतान आपके लिए खुशी एवं गर्व का कारण बनेगी। आप सिर्फ अपनी मनमानी करेंगे। भाग–दौड़ वाले काम न करें, एक जगह बैठ कर काम करने से आपको लाभ होगा।

आपको उत्तम मकान एवं वाहन सुख प्राप्त होंगे। आपको सरकारी या निजी संस्था में उच्च पद की प्राप्ति होगी। आपके परिवार के बुजुर्गों को लाभ प्राप्त होगा। आपको प्राप्त होने वाली सुख–सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

मांस–मदिरा से दूर रहेंगे। चाल–चलन खराब होने की स्थिति में आपको अपनी नौकरी या व्यवसाय में हानि होगी। आपका स्वास्थ्य भी खराब रहेगा। आपको समाज में अपमानित होना पड़ सकता है। अपना चरित्र साफ रखने से आप बहुत उन्नति करेंगे।

लाल किताब मासिक कुण्डली (5)

Date Range -18:04:2023–17:05:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

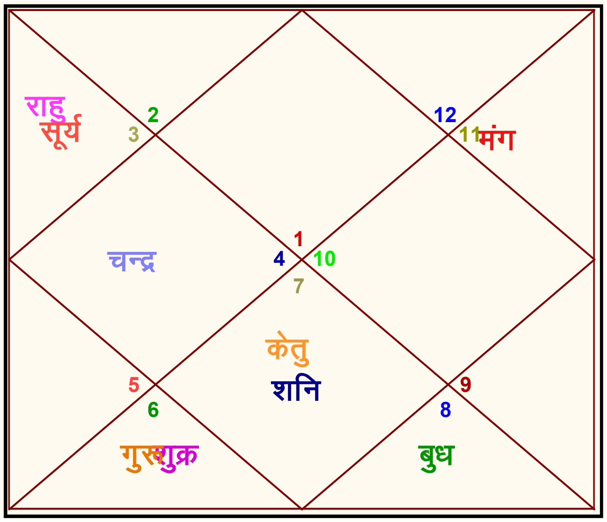

मासिक कुण्डली (5)

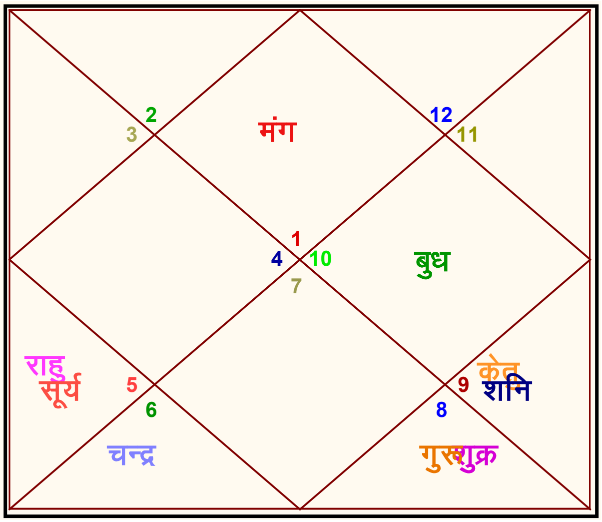

ग्रह योग

सूर्य + शनि	(दृष्टि–50), मंगल (बद), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + शनि	(दृष्टि–50), राहु (नीच), औलाद जिंदा रखने का मालिक
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	5	ग्रहफल, अपने घर का, भाग्योदय का, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)	शुक्र	8	अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,शनि,केतु)
चन्द्रमा	6	मित्र के घर में, अशुभ भाव में, साथी (शुक्र)	शनि	9	बद स्वभाव, राशिफल, शुभ भाव में, साथी (बुध,गुरू)
मंगल	1	ग्रहफल, अपने घर का, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में	राहु	5	शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
बुध	10	स्वभाव (सूर्य, राहु), राशिफल, शुभ भाव में	केतु	9	उच्चस्थ, शुभ भाव में
गुरू	8	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शनि)			

लाल किताब मासिक कुण्डली (5)

Date Range -18:04:2023–17:05:2023

आपको कहीं से अचानक धन लाभ प्राप्त होने की संभावना है। ज्योतिष या किसी अन्य गुप्त विद्या में आपको रूचि होगी। भाग्य आपके परिवार पर मेहरबान होगा। आपके पूरे परिवार की उन्नति होगी। किसी बाहरी व्यक्ति से आपको लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से आपके संबंध ठीक रहेंगे।

आपकी माता का स्वास्थ्य आपके एवं आपके परिवार के लिए चिंता का विषय रहेगा। रात में दूध न पियें। नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसी भी काम को करने से पहले उसके हर पहलू के बारे में ठीक से सोच–विचार कर लें, अन्यथा बाद में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए तथा अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको काफी अशुभ फल प्राप्त होंगे। भाई एवं साले की सेवा करें। आपको फ्री में या दान स्वरूप कोई सामान नहीं लेना चाहिए, अन्यथा उसका फल आपको नहीं मिलेगा। आप कुछ मानसिक तनाव में रहेंगे।

मांस–मदिरा या किसी मादक या उत्तेजक पदार्थ का सेवन करना आपके लिए नुकसानदायक होगा। इससे आपको हानि भी होगी। मछलियों को अपने भोजन से हिस्सा निकाल कर दें। किसी भी कार्य को करने से पहले उसके हर पहलू के बारे में ठीक से सोच–विचार कर लें, जिससे बाद में समस्याओं में फंसने की संभावना कम या नहीं के बराबर होगी।

कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे भविष्य में परेशानियां पैदा होने का भय हो। दही, आलू एवं देशी घी धर्म स्थान में दें। आप गलत अफवाहों के शिकार हो सकते हैं। आपको मूत्र संबंधित रोग होने की संभावना बहुत अधिक है। आलस न करें।

आपको अपनी पत्नी की हर बात सुननी चाहिए, मगर करनी अपनी मन की चाहिए। धर्म स्थान में सिर झुकाते रहें। किसी की जमानत देना आपको महंगा पड़ सकता है। आपको कोई गुप्त रोग होने की संभावना है। अपना चाल–चलन ठीक रखें। गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें। अपनी पत्नी को नाराज करना या उनसे झगड़ा करना आपके लिए नुकसानदायक एवं अशुभकर होगा।

आपको मकान एवं वाहन का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी। आपको अपने भाई–बंधुओं का सहयोग मिलता रहेगा। आप पर कोई कर्ज नहीं होगा। अपनी पत्नी के नाम पर शुरू किये हुए काम से आपको बढ़िया लाभ प्राप्त होगा।

पराई स्त्रियों से आपके संबंध बन सकते हैं, जिससे आपको काफी नुकसान होगा। आपको प्राप्त होने वाले संतान सुख में कमी हो सकती है। आपकी नौकरी या व्यवसाय में खूब तरक्की होगी। आपको संतान का सुख प्राप्त होगा। आपके धार्मिक रूझान में बढ़ोतरी होगी।

संतान के साथ या संतान की सलाह से काम करने से आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपका आशीर्वाद फलीभूत होगा। आपकी तरक्की होगी, लेकिन तबदीली की संभावना कम है। यात्राओं से लाभ होगा। विदेश प्रवास की भी संभावना है।

लाल किताब मासिक कुण्डली (6)

Date Range -18:05:2023–17:06:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

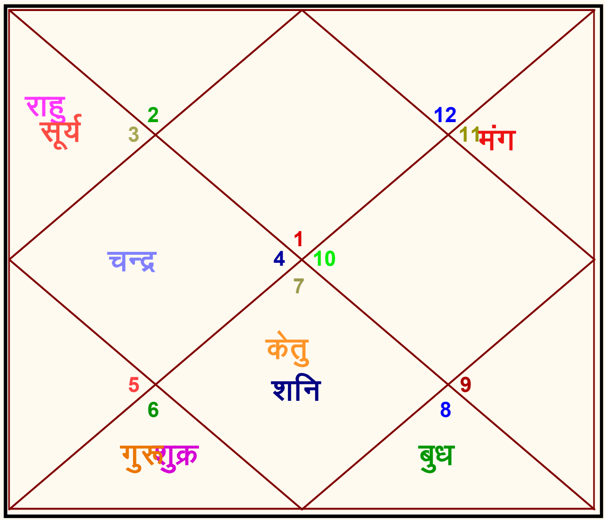

मासिक कुण्डली (6)

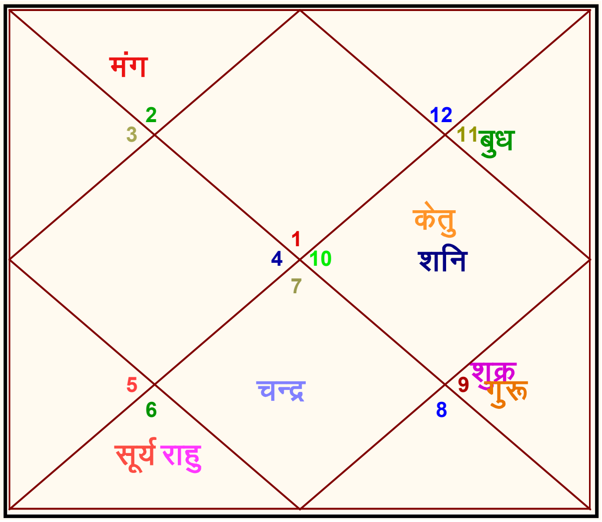

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत / बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	6	राशिफल, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)	शुक्र	9	अशुभ भाव में, साथी (शनि,राहु,केतु)
चन्द्रमा	7	कायम, शुभ भाव में	शनि	10	बद स्वभाव, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	2	शुभ भाव में	राहु	6	उच्चस्थ, भाग्योदय का, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शुक्र)
बुध	11	स्वभाव (सूर्य), अशुभ भाव में	केतु	10	राशिफल, कायम, शुभ भाव में
गुरू	9	ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, भाग्योदय का, शुभ भाव में			

लाल किताब मासिक कुण्डली (6)

Date Range -18:05:2023–17:06:2023

अपने चाल–चलन पर विशेष ध्यान दें, पराई औरतों के साथ किसी तरह का संबंध न रखें, अन्यथा हानि होगी। आपके शत्रु किसी तरह का नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं होंगे। कोर्ट–कचहरी के मामलों में फैसला आपके पक्ष में होगा। आप भाग्य पर अधिक भरोसा करेंगे। आपको अपने ननिहाल पक्ष से लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपने अपना चाल–चलन खराब किया तो आपको धन हानि उठानी पड़ेगी। शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में आपको कोई विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। दूध एवं पानी भूलकर भी न बेचें। अपनी पत्नी से आपका अलगाव भी हो सकता है। ठोस शुद्ध चांदी अपने घर में कायम करें। विदेशी संबंधों एवं यात्राओं से हानि के सिवा कुछ प्राप्त नहीं होगा।

अपने बड़े भाई से आपका अलगाव भी हो सकता है। अपने पास लाल रूमाल रखें। आपको कठिन संघर्षों का सामना करना पड़ेगा। अपने भाई–बंधुओं से छल–कपट न करें, आपको हानि होगी। नाश्ते में मीठा भोजन करें। आपका गृहस्थ जीवन सुखमय नहीं होगा तथा आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। भुने गेहूं एवं गुड़ दोपहर के समय बच्चों के बीच बांटें।

किसी भी साधु या फकीर से धागा, ताबीज, भभूति आदि न ग्रहण करें, आपका सुख–चैन समाप्त हो जाएगा। आपकी बहन–बेटी का गृहस्थ जीवन सुखमय नहीं हो सकता है। मांस का सेवन करना आपकी संतान के लिए हानिकारक एवं कष्टकारक होगा। तांबे के पैसे में सुराख करके सफेद धागे में पिरोकर गले में धारण करें।

आपके परिवार का सोना बिक सकता है या गिरवी रखना पड़ सकता है या चोरी हो सकता गंगा स्नान करें। अपने बुजुर्गों से वाद–विवाद या झगड़े होने की भी कुछ संभावना है, जिससे आपको हानि होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य दिल की बीमारी से ग्रसित हो सकता है।

अपना चाल–चलन ठीक रखें, अन्यथा गुप्त रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। एल्युमीनियम के बर्तनों का प्रयोग न करें। आपकी संगति गलत लोगों से हो सकती है, जिससे आप नशे के आदी हो सकते हैं। अपने भाई–बंधुओं से भी सावधान रहें, धोखा मिल सकता है। नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें।

जहां तक संभव हो सके, एक जगह बैठकर काम करें, इससे आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी तथा अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपको सरकारी अधिकारियों या विभागों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ होगा। हर दसवां दिन आपके लिए लाभदायक होगा। धर्मात्मा होना आपके लिए नुकसानदायक होगा।

आपको सुख–सुविधा की हर वस्तु प्राप्त होगी। हालांकि कुछ कर्ज भी होने की संभावना है, लेकिन अंततः आपके धन में वृद्धि होगी। आपके अंदर थोड़ा–बहुत अहंकार की भावना विकसित हो सकती है। आपकी वजह से किसी को दंड या सजा से छुटकारा मिल सकता है।

आपकी माता या सास का स्वास्थ्य चिंता का विषय हो सकता है। अपने थोड़े से प्रयत्नों से आपको अधिक सफलता प्राप्त होगी। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। आपको कभी धन की तंगी महसूस नहीं होगी आपमें शक करने का स्वभाव विकसित हो सकता है।

लाल किताब मासिक कुण्डली (7)

Date Range -18:06:2023–17:07:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

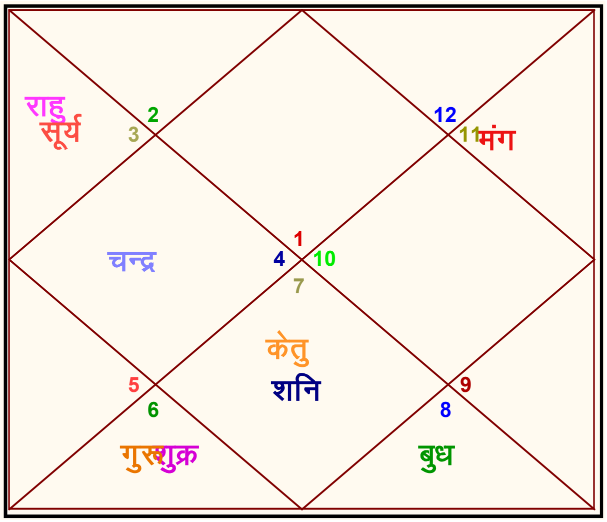

मासिक कुण्डली (7)

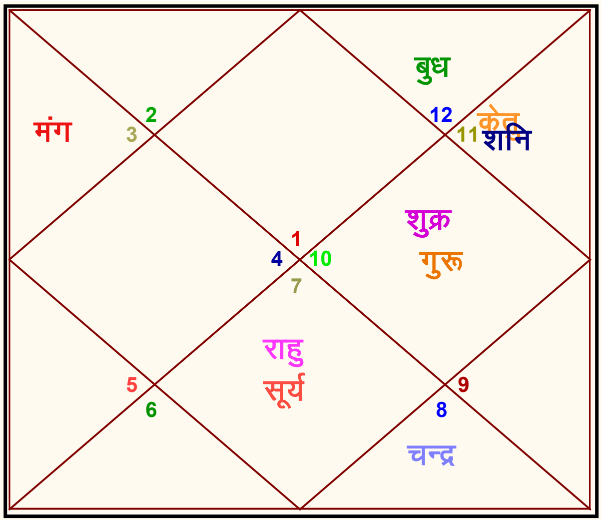

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
मंगल + शनि	(दृष्टि–50), राहु (उच्च), झगड़े/फसाद
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	7	महादशा का, राशिफल, नीचस्थ, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू)	शुक्र	10	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	8	नीचस्थ, भाग्योदय का, अशुभ भाव में	शनि	11	बद स्वभाव, ग्रहफल, अपने घर का, धर्मी, शुभ भाव में, साथी (बुध,गुरू)
मंगल	3	पक्के घर का, शत्रु के घर में, शुभ भाव में	राहु	7	राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
बुध	12	स्वभाव (सूर्य), राशिफल, नीचस्थ, अशुभ भाव में, साथी (राहु)	केतु	11	शुभ भाव में
गुरू	10	नीचस्थ, अशुभ भाव में, साथी (शनि)			

आपका गृहस्थ जीवन सुखमय नहीं होगा। परिवार में आपसी कलह रहेगा। यदि आप साझेदारी में काम करते हैं तो अपने साझेदारों के साथ वाद–विवाद या झगड़ा न करें, हानि होगी। किसी कार्य पर जाते समय चानी खाकर पानी पीकर निकलें। आपका क्रोध, खुदगर्जी तथा अपनी खुशामद करवाना आपके लिए अवनति एवं हानि का कारण बनेगा।

आपको जौहरी, जुआ, सट्टा आदि से संबंधित कामों में हानि होगी। पानी के वजह से आपको कुछ परेशानियों या रोगों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ संभावना है कि आपके परिवार में किसी को दमा या सांस से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। अपने पूर्वजों के नाम पर श्राद्ध करें।

आप छल–कपट से दूसरों से काम निकलवाने में माहिर होंगे। गर्म स्वभाव रखना आपके लिए हानिकारक होगा शुद्ध चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें। व्यर्थ की खोखली उम्मीदों एवं आशिक मिजाजी आपको बर्बाद कर सकती है।

मदिरा या किसी अन्य मादक पदार्थों का सेवन करना आपके लिए हानिकारक होगा। इससे अपनी वाणी पर आपका नियंत्रण नहीं रह सकता है। स्टील की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ की छोटी या मध्यमा अंगुली में धारण करें। जुआ, सट्टा, लाटरी, शेयर आदि के कामों से दूर ही रहें, हानि होने की संभावना है।

आपको सोने–चांदी की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप किसी सरकारी कार्य में संलग्न हैं तो यात्राओं से आपको लाभ प्राप्त होगा। विदेश यात्रा भी संभव है। आपको अपने पिता से सहयोग नहीं मिलेगा या कम मिलेगा। आप अपने पराक्रम से सम्मान एवं यश प्राप्त करेंगे।

आप कुछ हद तक लोभी एवं शक्की स्वभाव वाले होंगे। दस्तकारी के कामों से आप अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आप कुछ ज्यादा ही कामुक होंगे। अपनी पत्नी के साथ रहते आपको किसी विशेष समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा कोई दुर्घटना भी नहीं होगी।

किसी भी तरह के नशे से दूर रहना आपके लिए लाभदायक होगा। आप न्यायप्रिय व्यक्ति होंगे। आपमें धर्म के प्रति गहरी आस्था होगी। आप जब तक धर्म पर अडिग एवं कायम रहेंगे, आपको काफी लाभ प्राप्त होगा। आप अपने किये वादों को हर हाल में निभाने वाले होंगे। यदि आप लोहा, कोयला या रबड़ के कार्यों में संलग्न हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

अपनी पत्नी के साथ आपके मधुर संबंध बने रहेंगे। साझेदारी के काम से लाभ होगा, लेकिन आपको सावधान रहना होगा। अपने जन्म स्थान से दूर रहना आपके लिए शुभ एवं लाभदायक नहीं होगा। यदि आप किसी सरकारी विभाग में कार्य कर रहे हैं तो आपकी तरक्की होगी। अनुमान के आधार पर कहीं अपना धन निवेश न करें।

अपनी माता या सास का विरोध करना आपके लिए नुकसानदायक होगा। रोटी बनाने के लिए काले–सफेद पत्थर के चकले का प्रयोग करें। अपनी संतान से वाद–विवाद या झगड़ा न करें, अन्यथा आपके भाग्योदय में समस्यायें आयेंगी। काला कुत्ता पालें या उसकी सेवा करें। यदि किसी शुभ कार्य पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो कुछ समय रुक कर जायें, अन्यथा काम नहीं होगा।

लाल किताब मासिक कुण्डली (8)

Date Range -18:07:2023–17:08:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

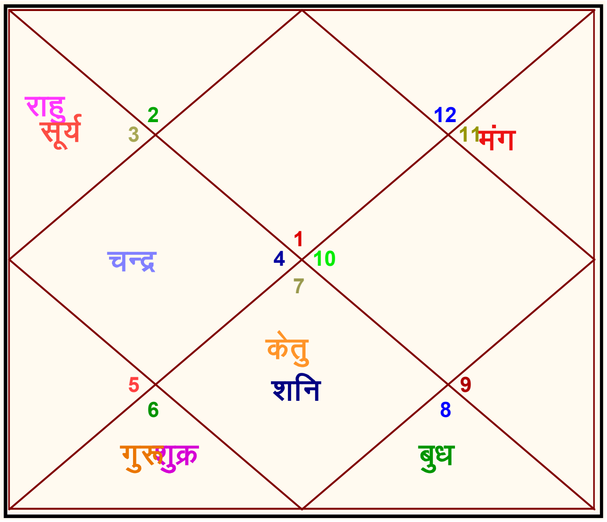

मासिक कुण्डली (8)

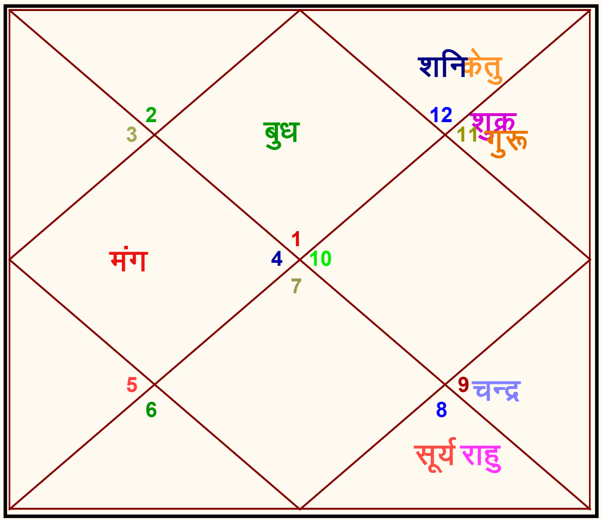

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	8	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)	शुक्र	11	कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	9	कायम, शुभ भाव में, साथी (राहु)	शनि	12	बद स्वभाव, शुभ भाव में, साथी (बुध,गुरू,राहु)
मंगल (बद)	4	राशिफल, नीचस्थ, मित्र के घर में, अशुभ भाव में	राहु	8	शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,शनि)
बुध	1	स्वभाव (गुरू), कायम, शुभ भाव में, साथी (शनि)	केतु	12	उच्चस्थ, कायम, भाग्योदय का, शुभ भाव में
गुरू	11	ग्रहफल, पक्के घर का, भाग्योदय का, अशुभ भाव में, साथी (शनि)			

आप सत्यवादी होंगे एवं सत्य के साथ आप अधिक उन्नति करेंगे। आप जो भी काम करेंगे, उसे लोगों के लिए समर्पित कर देंगे। आपका स्वभाव साधुओं जैसा होगा। आप हर काम को जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने की पूरी कोशिश करेंगे।

आपको तीर्थ यात्राओं के दौरान हानि होने की संभावना है। चंद्र ग्रहण के दौरान 4 सूखे नारियल बहते पानी में प्रवाहित करें। आप अपनी माता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। आपकी शिक्षा में भी व्यवधान आने की संभावना है। अपना स्वभाव नम्र रखें, अन्यथा आपको काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

आपकी माता, सास, नानी या पत्नी का स्वास्थ्य चिंताजनक हो सकता है। कुछ संभावना है कि आपकी माता, सास, नानी या पत्नी को कोई बड़ी शल्य चिकित्सा करवानी पड़े। अपने घर में हाथी के दांत रखें। दुर्घटना होने की भी संभावना है, वाहन चलाते समय सावधान रहें।

आप कुछ कंजूस स्वभाव वाले हो सकते हैं, जिससे दूसरों के साथ अलगाव पैदा हो सकता है। घर आए मेहमानों की सेवा में कमी न करें। गरिष्ठ या तामसी भोजन का सेवन करना आपके लिए नुकसानदायक होगा। आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, खासकर अपने पेट का। धार्मिक कार्यों में रूचि रखें।

अपने भाई–बंधुओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे। आपको अपने भाग्य से ज्यादा स्वयं पर भरोसा होगा एवं आपको इससे सफलता भी प्राप्त होगी। यदि आप विवाहित हैं तो आपको पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आप असमर्थों एवं गरीबों की मदद खुले दिल से करेंगे। अपने दादा–पिता से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

आप अपने विचार या सिद्धांत अक्सर बदलते रहेंगे। आपकी पत्नी आपके कार्यों में आपका साथ देंगी। आप व्यर्थ में पैसे के पीछे भागते रहेंगे। आपको कन्या संतान का सुख प्राप्त होगा। आपको अपनी ससुराल से मदद प्राप्त होगी। साथ ही अपनी बहन–बुआ आदि से भी लाभ प्राप्त होगा।

आपको रात का पूरा आराम प्राप्त होगा। आध्यात्म में अधिक रूचि आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। मांस–मदिरा का सेवन हानिकारक होगा। अपने परिवार के शुभ कामों पर आपका अधिक धन खर्च होगा। सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से आपको लाभ प्राप्त होगा तथा कोर्ट–कचहरी के मामलों में आपकी जीत होगी।

आपको सुख–सुविधा के हर साधन प्राप्त होंगे। आप अपनी मेहनत, हिम्मत एवं विवेक के सहारे काफी तरक्की करेंगे। आपके पराक्रम की वजह से आपके भाग्य का सितारा चमकेगा और आपको अथाह धन की प्राप्ति होगी। किसी का सहारा न लें और न ही आलस करें, अन्यथा आपके कार्य पूर्ण नहीं होंगे।

कुत्ते के काटने की भी संभावना बन रही है, सावधान रहें। कुत्ते को न मारें, अन्यथा आपको एवं आपकी संतान को काफी अशुभ फल प्राप्त होंगे। अपने भाई–बंधुओं से झगड़ा या समाज विरोधी कार्य न करें, हानि के सिवा कुछ प्राप्त नहीं होगा। व्यर्थ में इधर–उधर भटकने की आदत छोड़ें, अन्यथा आपकी तरक्की में बाधायें आयेंगी।

लाल किताब मासिक कुण्डली (9)

Date Range -18:08:2023–17:09:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

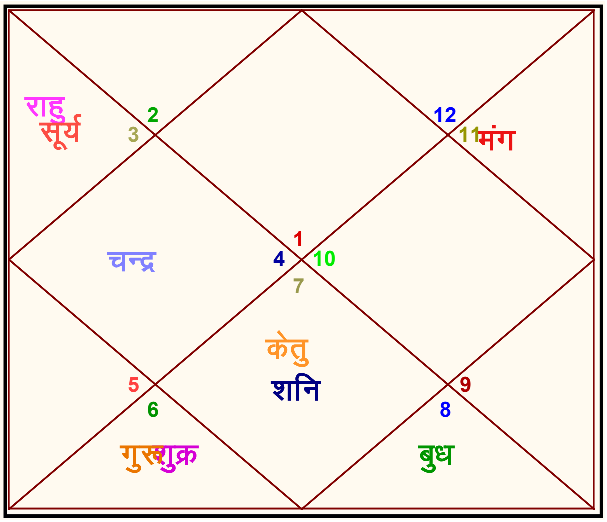

मासिक कुण्डली (9)

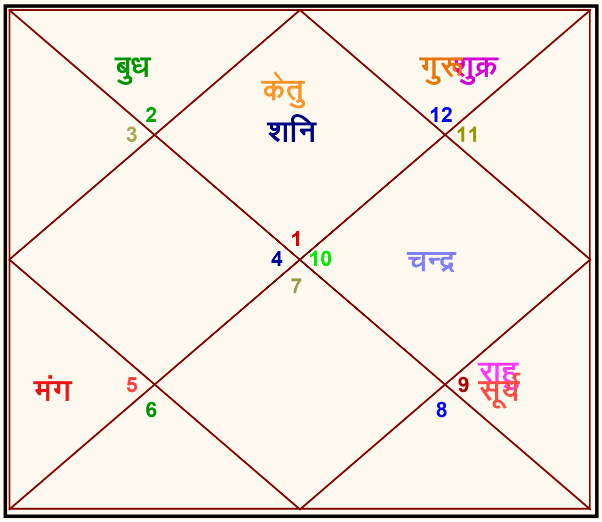

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	9	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,केतु)	शुक्र	12	उच्चस्थ, कायम, शुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	10	अशुभ भाव में	शनि	1	नेक स्वभाव, नीचस्थ, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	5	मित्र के घर में, शुभ भाव में	राहु	9	नीचस्थ, अशुभ भाव में, साथी (गुरू)
बुध	2	स्वभाव (शनि), कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में	केतु	1	कायम, शत्रु के घर में, शुभ भाव में, साथी (सूर्य)
गुरू	12	अपने घर का, शुभ भाव में, साथी (राहु)			

लाल किताब मासिक कुण्डली (९)

Date Range -18:08:2023–17:09:2023

आप परोपकारी होंगे एवं समाज तथा परिवार के लिए किसी भी तरह का त्याग करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। आप पर परिवार की पूरी जिम्मेदारी होगी। आप अपनी मेहनत से अपना भाग्य बनायेंगे

अपने खराब स्वास्थ्य के समय या रात में कोई पीने वाला दवा का सेवन न करें, आपकी समस्या बढ़ सकती है या कोई नई बीमारी सामने आ सकती है। पनीर का पानी पियें। 10 दिन नाश्ते में पनीर खायें। शिक्षा से संबंधित कामों में भी आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। रात में दूध का सेवन न करें।

ब्याज पर धन देने का काम न करें, आपकी अपनी आर्थिक स्थिति खराब होगी। बिना लिखा–पढ़ी के कोई भी काम न करें, हानि हो सकती है। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, खासकर पेट का। रात में सोते समय अपने चारपाई के सिरहाने लोटे में पानी रखें एवं सुबह उठकर किसी कांटेदार पौधे में डाल दें।

किसी का दिया धागा, ताबीज, जल या भभूत अपने पास न रखें, आपकी उन्नति रूक सकती है। चांदी की तार से नाक छेदन करायें। जुआ, सट्टा, शेयर से संबंधित कार्यों में हानि होने की संभावना है, इनसे दूर रहने में ही भलाई है। आपके पिता का स्वास्थ्य चिंता का विषय हो सकता है। आप पर झूठे दोषारोपन होने की संभावना है, सावधान रहें।

परिवार के शुभ कार्यों पर खर्च अधिक होने की संभावना है। योग–ध्यान करने से आपको काफी धन लाभ होगा, लेकिन आप धन को बहुत ज्यादा महत्व नहीं देंगे। आपका आशीर्वाद फलीभूत होगा तथा आपकी बद्दुआ भी बहुत जल्द अपना प्रभाव दिखाने लगेगी।

ज्योतिष या किसी अन्य गुप्त विद्या में आपकी रूचि होगी। आपकी प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आपके बुरे वक्त में पत्नी के भाग्य का सहारा प्राप्त होगा। आपको चित्रकारी एवं गायन का शौक होगा। आपका ध्यान अपना परिवार पालने में लगा रहेगा। आपको जीवन की हर सुख–सुविधा प्राप्त होगी।

आपकी संपत्ति में भी वृद्धि होगी। सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। वरिष्ठ अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। आपको कैमिस्ट, डाक्टर, इंजीनियरिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। लोहा–लकड़ी के काम से भी आपको लाभ प्राप्त होगा।

जादू, तंत्र–मंत्र आदि में आपकी रूचि हो सकती है। आपमें धर्म के प्रति आस्था नहीं होगी। कभी–कभी आपके मन में धर्म विरोधी बातें भी आ सकती हैं। तीर्थ यात्रा से संबंधित योजनाओं में बाधायें आयेंगी।

किसी यात्रा से संबंधित सारी तैयारी होने के बाद यात्रा की योजना स्थगित करनी पड़ सकती है या बीच में ही वापस लौटना पड़ सकता है। आपकी तरक्की होगी, लेकिन तबदीली की संभावना बहुत कम है। यदि आपके परिवार में कोई स्त्री मां बनने वाली हैं तो उनको पुत्र की प्राप्ति होगी।

लाल किताब मासिक कुण्डली (10)

Date Range -18:09:2023–17:10:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

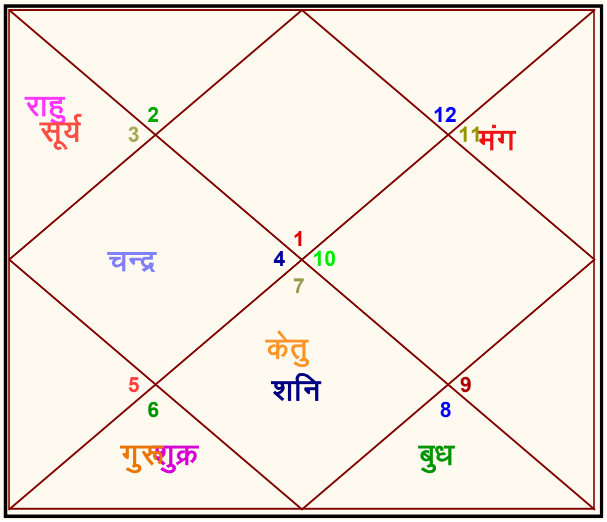

मासिक कुण्डली (10)

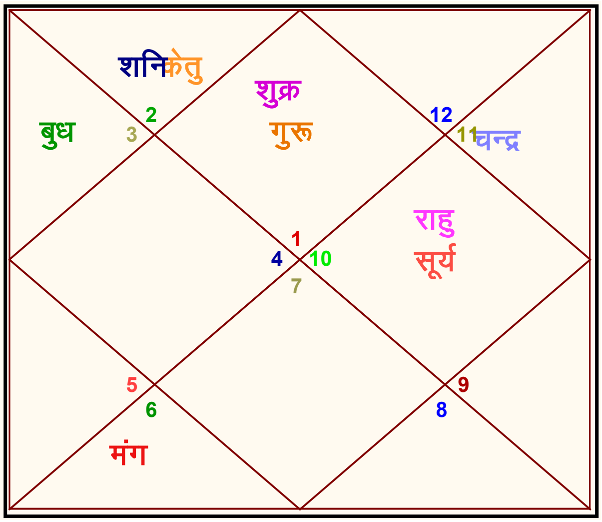

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
मंगल + शनि	(दृष्टि–25), राहु (उच्च), झगड़े/फसाद
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	10	शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू)	**शुक्र**	1	अशुभ भाव में, साथी (शनि,केतु)
चन्द्रमा	11	अशुभ भाव में	**शनि**	2	नेक स्वभाव, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	6	राशिफल, शत्रु के घर में, शुभ भाव में, साथी (राहु)	**राहु**	10	मित्र के घर में, अशुभ भाव में, साथी (मंगल)
बुध	3	स्वभाव (सूर्य), अपने घर का, भाग्योदय का, अशुभ भाव में	**केतु**	2	ग्रहफल, मित्र के घर में, शुभ भाव में
गुरू	1	मित्र के घर में, शुभ भाव में			

लाल किताब मासिक कुण्डली (10)

Date Range -18:09:2023–17:10:2023

आपको मशीनरी, लकड़ी आदि के कामों से दूर रहना चाहिए, हानि होगी। आपको आंखों से संबंधित कोई समस्या हो सकती है। दूसरों के सामने अपने गुप्त रहस्य उजागर न करें, आपका रहस्य जानने के बाद लोग आपके लिए समस्यायें पैदा करने की कोशिश करेंगे।

अपनी माता या सास के साथ वाद–विवाद या झगड़ा हो सकता है। यदि आपकी माता का स्वास्थ्य खराब हो तो 11–11 पेड़े 11 बच्चों में बांटें। दिन के समय पढ़ने से कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अपने घर में गंगाजल या नदी का पानी कायम करें।

अपने भाइयों से आपका वाद–विवाद या झगड़ा हो सकता है, जिससे आपको काफी हानि होगी। जहां तक संभव हो सके घर में हंसी – खुशी का माहौल बनाकर रखें, इससे आपको काफी लाभ मिलेगा। आपके शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं होंगे।

आपको अपनी बहन, बुआ, बेटी या साली से धन लेकर कोई काम नहीं करना चाहिए या उनका धन प्रयोग नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको हानि होगी। दुर्गा पाठ करें या 9 वर्ष से छोटी कन्याओं की सेवा करें। कुछ संभावना है कि आप जुबान, नाड़ी या चमड़े के किसी रोग से ग्रसित हो सकते हैं। तोता पालें।

आपको अध्ययन–अध्यापन में रूचि होगी तथा शिक्षा से संबंधित कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपके पिता–दादा का प्रभाव बढ़ेगा एवं उनका नाम रौशन होगा। आप नशे से दूर रहेंगे एवं सभी के साथ मधुर संबंध बना कर रखेंगे।

आपको मकान एवं वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपमें सुन्दर दिखने, सजने–संवरने की ललक होगी। आप समय–समय पर दूसरे लोगों से सलाह–मशविरा करते रहेंगे।

आप अपने विवेक से समस्याओं का समाधान निकालने में सक्षम होंगे। आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको धन की तंगी महसूस नहीं होगी। आपको बने–बनाये मकान का लाभ प्राप्त हो सकता है। भगवान के प्रति आपकी आस्था में बढ़ोतरी होगी। अपने पिता या ससुराल से धन की प्राप्ति होगी।

आप प्रशंसनीय कार्य करेंगे। यदि आप किसी सरकारी विभाग में संलग्न हैं तो आपको उच्च पद की प्राप्ति होगी या आपको सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से लाभ प्राप्त होगा।

आपको सरकारी अधिकारियों या विभागों से धन लाभ एवं सम्मान मिलेगा। यात्राओं के माध्यम से धन की प्राप्ति होगी तथा आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी। दलाली या कमीशन एजेंट के कार्य से लाभ प्राप्त होगा।

लाल किताब मासिक कुण्डली (11)

Date Range -18:10:2023–17:11:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

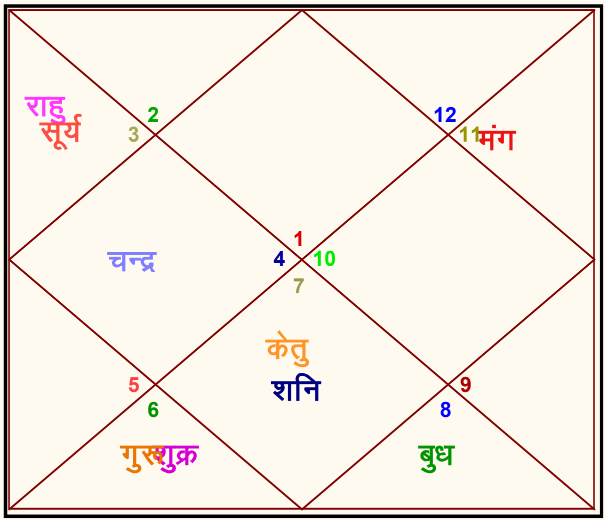

मासिक कुण्डली (11)

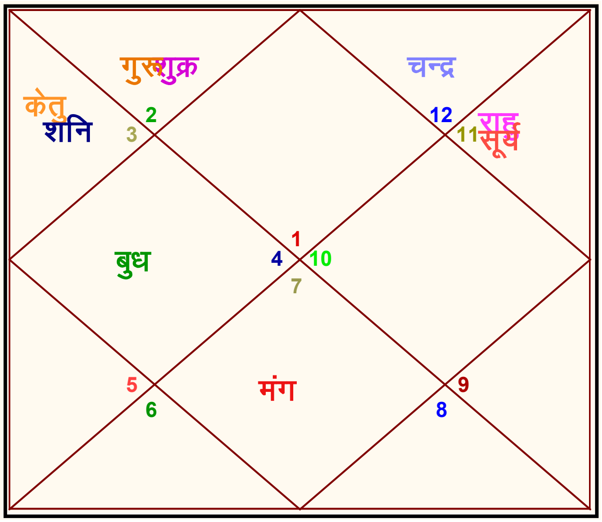

ग्रह योग

सूर्य + शनि	(दृष्टि–50), मंगल (बद), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + शनि	(दृष्टि–50), राहु (नीच), औलाद जिंदा रखने का मालिक
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	11	शत्रु के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)	शुक्र	2	अपने घर का, कायम, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,शनि,केतु)
चन्द्रमा	12	अशुभ भाव में, साथी (शुक्र)	शनि	3	नेक स्वभाव, ग्रहफल, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	7	शुभ भाव में	राहु	11	मित्र के घर में, अशुभ भाव में
बुध	4	स्वभाव (सूर्य), कायम, शत्रु के घर में, शुभ भाव में	केतु	3	नीचस्थ, अशुभ भाव में
गुरू	2	पक्के घर का, शत्रु के घर में, शुभ भाव में			

लाल किताब मासिक कुण्डली (11)

Date Range -18:10:2023–17:11:2023

अपने चाचा तथा बुआ से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपके सुख के साधनों में बढ़ोतरी होगी। यदि आप मांस–मदिरा का सेवन न करें तो आपको पत्नी एवं संतान का भरपूर सुख प्राप्त होगा। आपके जानने वालों से आपका संबंध प्रायः मधुर रहेगा।

आप अपनी बातों पर अडिग नहीं रहेंगे। शिक्षा से संबंधित कार्यों में समस्यायें उत्पन्न होंगी। आप कुछ ऐसे कार्य भी कर सकते हैं, जिससे आपका खुद का नुकसान होगा। कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है।

यदि आपने अपना चाल–चलन खराब किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखा तो आपको काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। घर में अक्सर कलह होता रहेगा। किसी भी तरह के वाद–विवाद या झगड़े से दूर रहें, आपकी समस्याओं में अकारण वृद्धि होगी।

अपनी माता के साथ आपका अलगाव हो सकता है। तांबे के पैसे में सुराख करके सफेद धागे में पिरोकर गले में पहनें। अपने चाल–चलन पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा अनैतिक संबंध आपके जीवन में उथल–पुथल ला सकते हैं एवं आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। केसर या हल्दी का तिलक करें।

आपको जौहरी के कामों या कोई भी अधिक लागत से शुरू होने वाले कामों में हानि होने की संभावना है। केसर या हल्दी का तिलक लगायें। व्यर्थ के झगड़ों या विवादों में फंसकर आप अपना नुकसान करा सकते हैं, इनसे दूर रहें।

आप अपने चरित्र का विशेष ख्याल रखेंगे। प्रेम प्रसंगों में धोखा मिल सकता है, जितना संभव हो सके बच कर रहें। अपने परिश्रम के बदौलत आप तरक्की करेंगे। भगवान एवं धर्म के प्रति आपकी आस्था बनी रहेगी, जिससे आपको अपने सारे प्रयत्नों में सफलता प्राप्त होगी।

जहां तक संभव होगा, आप दूसरों की मदद करेंगे, लेकिन दूसरे लोग आपका काम बिगाड़ सकते हैं। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा या आपके खर्चे आपकी आमदनी से बहुत ज्यादा होंगे। यदि आप लोहा या मशीनरी से संबंधित कार्यों में संलग्न हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

आप अपने पिता से अलग रह सकते हैं, जो आपके एवं आपके पिता दोनों के लिए लाभदायक होगा। नीला या काला रंग या नीलम धारण करने से बचें, हानि होगी। आप हिम्मती, साहसी एवं न्यायप्रिय होंगे। आंख मूंद कर किसी पर भरोसा न करें, नुकसान हो सकता है।

यदि आप किसी सरकारी विभाग में कार्यरत हैं तो आपको तरक्की मिलेगी। किसी के द्वारा की गई मदद को आप हमेशा याद रखेंगे तथा दूसरों के द्वारा पैदा की गई मुसीबतों को भूल जायेंगे। आपके भाग्य का सितारा चमकेगा या आप कुछ नया बदलाव करेंगे। दूसरों की मदद करने में आप हमेशा आगे रहेंगे।

लाल किताब मासिक कुण्डली (12)

Date Range -18:11:2023–17:12:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

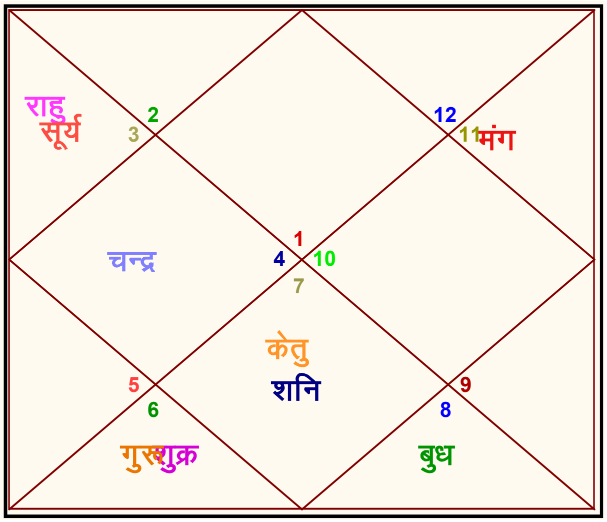

मासिक कुण्डली (12)

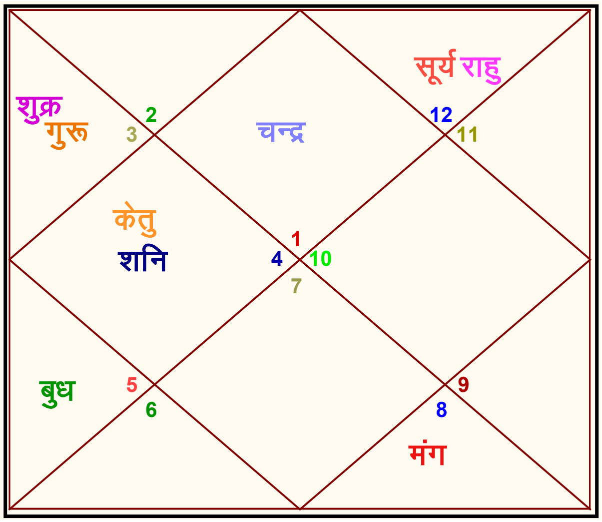

ग्रह योग

गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी
शुक्र + शनि	(साझी दिवार), केतु (उच्च), ऐश का मालिक

सूर्य	12	मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)	शुक्र	3	कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (शनि,राहु,केतु)
चन्द्रमा	1	शुभ भाव में	शनि	4	नेक स्वभाव, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (बुध)
मंगल (बद)	8	ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, अशुभ भाव में	राहु	12	ग्रहफल, नीचस्थ, पक्के घर का, अपने घर का, अशुभ भाव में, साथी (शुक्र)
बुध	5	स्वभाव (शनि), कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में	केतु	4	राशिफल, धर्मी, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
गुरू	3	शत्रु के घर में, शुभ भाव में			

लाल किताब मासिक कुण्डली (12)

Date Range -18:11:2023–17:12:2023

आपका परिवार खुशहाल होगा तथा परिवार की तरक्की होगी। आपको चैन की नींद प्राप्त होगी। आपको ज्योतिष, किसी गुप्त विद्या या आध्यात्म में रूचि होगी। आप कुछ बड़े काम करेंगे, जिससे आपको धन लाभ होगा। कुछ संभावना है कि विदेशी संबंधों या विदेश यात्रा से भी आप लाभ प्राप्त करेंगे।

आपको गाय से नफरत नहीं करना चाहिए या नौकरानी से झगड़ा नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपकी उन्नति में बाधायें आयेंगी। सूर्य को अर्घ्य दें या बड़गद के पेड़ में पानी डालते रहें। आपको अपनी शिक्षा से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पानी से होने वाले रोगों से सावधान रहें, सर्दी–जुकाम होने की संभावना बनी रहेगी। दूध, पानी आदि पीने के लिए चांदी के गिलास का प्रयोग करें।

आपका वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं होगा, आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिए। विधवा स्त्री को कुछ उपहार देकर पैर छूकर आशीर्वाद लें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें तथा अपशब्दों का प्रयोग न करें, इससे आप कई कठिनाइयों से बच सकते हैं। तंदूर की मीठी रोटी कुत्तों को खिलायें।

आप अपनी कन्या संतान के प्रति चिंतित रहेंगे या आपकी यादाश्त कमजोर होगी। आपको किसी भी सरकारी अधिकारी से वाद–विवाद में नहीं पड़ना चाहिए, हानि होगी। शुद्ध चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करें। अपनी वाणी में मधुरता बनाये रखें तथा अपशब्दों का प्रयोग न करें, अन्यथा आपके बनते कार्य बिगाड़ सकते हैं।

पीपल का पेड़ काटना या कटवाना आपकी संतान के लिए अशुभ फलदायक होगा। केसर या हल्दी का तिलक लगायें। आपको धर्म के प्रति आस्था रखनी चाहिए तथा इसके विरूद्ध कार्य करने से बचना चाहिए, अन्यथा हानि होगी। आप अनैतिक तरीके से धनोपार्जन करना चाहेंगे।

स्त्रियां आप पर आकर्षित होंगी। आपको अपनी मेहनत की तुलना में अधिक फल प्राप्त होगा। आपको स्त्रियों से धन लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अपनी पत्नी के साथ शुरू किये हुए कार्यों से लाभ प्राप्त होगा।

आपके नौकरी या व्यापार में बदलाव होगा। अपने जन्म स्थान से दूर शिक्षा ग्रहण करने या रोजगार करने से लाभ होगा। आप विदेशों से संबंधित कार्य में संलग्न हो सकते हैं तथा विदेश यात्रायें भी करेंगे। जब आपकी तबीयत ठीक न हो, उस समय दवा की तरह शराब का सेवन लाभदायक होगा।

आप अपनी मेहनत से अपने प्रयत्नों में सफलता प्राप्त करेंगे। आपके सुख–साधनों में बढ़ोतरी होगी तथा चैन की नींद प्राप्त होगी। आध्यात्म से आपको कोई विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। आपका धन विवाह या किसी अन्य शुभ कार्य पर अधिक खर्च होगा। यदि आप पर कोई कर्ज है तो वह जल्दी ही उतर जाएगा।

आपको जमीन–जायदाद से संबंधित कोई समस्या हो सकती है। यात्राओं से कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अपने कुल पुरोहित एवं पिता की सेवा करें, शुभ फल प्राप्त होगा। अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों के साथ आपके बहुत मधुर संबंध रहेंगे। अपनी माता एवं सास के साथ भी आपके संबंध मधुर रहेंगे।

लाल–किताब के उपाय करने के नियम और सावधानियाँ

(1) एक दिन में केवल एक ही उपाय करें। एक उपाय समाप्त हो जाने के बाद अगले दिन से दूसरा उपाय शुरू करें।

(2) सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

(3) सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में कोई ऋण है तो पहले ऋण वाले उपाय करें।

(4) कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे।

(5) यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

(6) मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

(7) एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

(8) जल प्रवाह की कोई भी वस्तु सिर पर सात बार घुमाकर जल प्रवाह करें।

(9) यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ–साथ एक–एक करके दूसरे उपाय करें।

(10) जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें।

(11) जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबे चलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

(12) जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

(13) उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

Disclaimer

(1) Please note that an astrological prediction is just an opinion of the astrologer on the basis of the Horoscope and has no scientific authenticity. These predictions are based upon the characteristics, placements, aspects, associations, strengths, weaknesses of the planets and the ability, command over the astrology subject and experience and competence of the astrologer in the Indian Vedic Astrology.

(2) Recommendation for astrological remedies such as gemstones, mantras, yantras etc are often prescribed after diligent study of the client's birth chart and with due exercise of his prudence and judgment. It must be clearly understood that every such prescription is accompanied by a prescribed method and procedure, which is expected to be followed by our clients with diligence MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) is not responsible for any claims for negative functioning of any prescription of astrological remedy provided. The remedies you receive should not be used as a substitute for advice, programs, or treatment that you would normally receive from a licensed professional, such as lawyer, doctor, psychiatrist, or financial advisor.

(3) The spiritual and material benefits stated with respect to various astrological forecasts, mantras, yantras, pujas, stones or any other spiritual items as well as other products and services are as per th ancient Indian Scriptures and literature. However, as the socio-economic and religious circumstances have changed a lot since then, neither MindSutra Software Technologies and its Software Users (Whicl Provided this Report) can be held responsible for non functioning or non fructification of the stated results.

(4) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) makes no guarantees or representations vis-a-vis the accuracy or consequence of any aspect of the astrological remedy and predictive advice imparted and cannot be held accountable for any interpretation, action, oı use that may be made because of information given.

(5) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) ensures complete confidentiality of customer's identity, birth details and the prediction details. MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) further ensures that no use will be made of the information that may come to the knowledge of the management of the site or revealed in the horoscope of the customer. Such information will only be used to communicate to the customer or will be retained in the databank for referencing purpose if you may need to consult in future.

(6) Any type of Legal Claim shall be limited to any amounts you may have paid to MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) shall have no other Liability except to the extent permitted by applicable law. In no event will MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) be liable for any indirect, consequential, incidental, special, multiple, punitive, or similar damages.

(7) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) reserves the right to change, modify, add or delete portions of the Terms of Use at any time. Your continued use following any changes in the terms indicates your acceptance to the changes.